बुधवार
24 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



ओवैसी बोले... हम हिजाब, नकाब और चादर नहीं छोड़ेंगें

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ



पावर स्टार के नाम से मशहूर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह काराकाट से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद पहली बार अपने लोकसभा क्षेत्र में पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। इस दौरान उनके चाहनेवाले की भीड़ उमड़ पड़ी थी। उनके फैंस उनकी एक झलक पाने और इस पल को अपने कैमरे में कैद करने के लिए ललायित नजर आ रहे थे। पवन सिंह ने भी अपनी गाड़ी के ऊपर से कार्यकताओं का अभिनंदन स्वीकार किया। पवन सिंह का काफिला जैसे ही रोहतास जिले के दनवार पहुंचा। भारी संख्या में पहले से मौजूद उनके कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।पवन सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर काराकाट लोकसभा से चुनाव लड़ने का एलान किया था, जिसके बाद काराकाट लोकसभा की चुनावी सरगर्मी तेज हो गई थी। काराकाट लोकसभा से एनडीए के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा और इंडिया गठबंधन से राजाराम सिंह चुनावी मैदान में हैं। ऐसे में पवन सिंह की एंट्री से काराकाट लोकसभा का चुनावी समीकरण बदल गया है।

तेजस्वी बच्चा हैं, वह अपने पिता से धैर्य रखना सीखें: पप्पू यादव

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है। यहां राजद ने महागठबंधन की ओर से बीमा भारती को टिकट दिया है तो एनडीए की ओर से संतोष कुशवाहा मैदान में हैं। वहीं पांच बार के सांसद रहे पप्पू यादव निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। जिसके कारण पूर्णिया में त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा है। पूर्णिया इस बार इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि लालू के लाल तेजस्वी यादव ने सोमवार को चुनाव प्रचार के दौरान लोगों से कहा, यहां सिर्फ एनडीए या इंडिया गठबंधन के बीच की लड़ाई है। अगर आप इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार बीमा भारती को नहीं चुन रहे हैं, तो फिर एनडीए को चुन रहे हैं। साफ बात है। तेजस्वी यादव ने कहा कि किसी के धोखे में नहीं आना है। वहीं अब इसे लेकर पप्पू यादव ने पलटवार किया है। पप्पू यादव ने तेजस्वी की तुलना बिच्छू से करते हुए कहा कि, एक संत थे जिनको बिच्छू काट रहा था लेकिन वह कुछ नहीं बोल रहे थे, उनसे जब कोई पूछा



कि आपको बिच्छू काट रहा है आप इसको मसल दीजिए तो संत ने कहा कि वह अपना काम कर रहे हैं और हम अपना। बिच्छू का काम है काटना और संत का काम है माफ करना। पप्पू यादव ने कहा कि, पत्थर पर जितना छेनी हथौड़ी चलता है तब वो मूर्ति बनता है। पेड़ पर कितना भी पत्थर फेंकिए वह मिठ्ठा फल ही देगा। उन्होंने तेजस्वी यादव को नासमझ बच्चा बताते हुए कहा कि वो इतना जल्दी पेशेंस खो देते हैं, लालू यादव से सीखें ना पेशेंस, अपने पिता से भी कुछ नहीं सीखते हैं।

किसी जमाने में लालू यादव के सबसे खास थे पप्पू यादव

राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव बिहार की राजनीति का एक बड़ा नाम है। पप्पू यादव 5 बार लोकसभा सांसद और विधायक रह चुके हैं। उन्होंने अपना राजनीतिक सफर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर शुरू किया और सपा व राजद में रहने के बाद साल 2015 में अपनी जन अधिकार पार्टी बना ली। पप्पू यादव को किसी जमाने में लालू यादव का सबसे खास माना जाता था। तब यह भी अटकलें थीं कि वह आरजेडी के उत्तराधिकारी न बन जाएं। लालू यादव की पार्टी से वह दो बार सांसद भी रहे लेकिन उसी आरजेडी ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता भी दिखाया। बिहार में उनकी छवि बाहुबली और दबंग नेता के तौर पर रही है।

कुर्सी पाना है तेजस्वी का लक्ष्य: पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव को बीजेपी का साथी बता दिया है। उन्होंने कहा कि, कोसी सीमांचल में इंडिया और एनडीए के साथ ही। यह साजिश है इंडिया गठबंधन को कमजोर करने की। उन्होंने तेजस्वी पर कांग्रेस को हराने के लिए एक बड़ी साजिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से कहा है कि, अभी भी समय है, कांग्रेस को एक बार फिर विचार करना चाहिए। तेजस्वी बार बार कांग्रेस के लीडरशिप को चैलेंज कर रहे हैं। वहीं पप्पू यादव ने तेजस्वी पर कुर्सी पाने के लालच का आरोप लगाया है।

बीजेपी के साथ हैं तेजस्वी: पप्पू यादव ने तेजस्वी को चुनौती देते हुए कहा कि, आप बताइए कि आप बीजेपी के साथ हैं। उन्होंने तेजस्वी से सवाल किया है कि, आज अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जेल चले गए लेकिन जो अपने आप को राजा कहते हैं उन पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। इतने घोटाले के बाद भी राजद सुप्रीमो लालू यादव पर बड़ी कार्रवाई क्यों नहीं हुई। पप्पू यादव ने कहा कि हम लालू यादव का सम्मान करते हैं। अगर तेजस्वी तो सीएम बनाने की बात होगी, दोनों बहनों को जिताने की बात होगी हम आपका साथ देंगे।

सीएम नीतीश ने बिहारवासियों के नाम जारी किया भावुक पत्र

2005 से पहले अपहरण, हत्या के कारण दहशत का था माहौल

- नीतीश ने लोगों को साल 2005 से पहले बिहार के जंगलराज की याद दिलाते हुए लोगों से एनडीए को वोट देने की अपील की

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 का सीजन जारी है और सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों को तेज कर रहे हैं। इस चुनाव में 40 लोकसभा सीटों वाले राज्य बिहार पर पार्टियों की विशेष नजर है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के नाम भावुक पत्र जारी किया है। नीतीश कुमार ने लोगों को साल 2005 से पहले बिहार के जंगलराज की याद दिलाई है और इसके बाद उनके द्वारा किए गए कार्यों की भी चर्चा की है। नीतीश ने एनडीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि हम सबका लक्ष्य इस बार बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटें जीतने का है। नीतीश ने अपने पत्र में जनता से कहा कि आपको याद होगा कि 2005 से पहले की सरकार ने बिहार को किस हाल में पहुंचा दिया था। बिहार का खजाना खाली था। सड़क, बिजली, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाओं पर कोई बात करने वाला नहीं था। घोटाले, अपराध, अपहरण, हत्या, डकैती, नरसंहार, माफिया राज इत्यादि बिहार की पहचान बन चुके थे। उद्योग-धंधे बंद हो गए थे। अपराधियों के डर से व्यापारी-कारोबारी बिहार से पलायन कर गए थे। और तो और चिकित्सकों तक का फिरौती के लिए अपहरण हो जाया करता था।

परिवारवादी है कांग्रेस और राजद, इन्हें दूसरों से मतलब नहीं: नीतीश



मंगलवार को कटिहार के समेली प्रखंड नरहैया में पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद पर फिर से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2005 में हम लोगों को नवंबर में आने का मौका मिला। उसके पहले किन को मौका था। अपने रहे सात साल फिर बीवी को बना दिए। अब अपना बाल बच्चा और बेटी को बना रहे हैं और हम लोगों के लिए तो पूरा बिहार, पूर देश परिवार है। हम लोगों का अपना कोई परिवार नहीं है। वहां अपने परिवार को बढ़ा रहे हैं, इसलिए याद रखिए कि हम लोग कहीं से भी परिवारवादी नहीं है। आप कांग्रेस पार्टी और अभी जो ये लोग हैं, इन लोगों की बात को आप सब जान ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा का भाजपा में भी कोई परिवारवादी नहीं है, आप समझ लीजिए सब लोग आगे बढ़ते हैं, बाकी कांग्रेस और राजद है ना... सब परिवारवादी है। यह सब को दूसरों से कोई मतलब नहीं है।

बिहार में कोई व्यवस्था ही नहीं थी: नीतीश ने पत्र में कहा कि यह कहना ठीक नहीं होगा कि बिहार में व्यवस्था चौपट हो चुकी थी, सच तो यह है कि उस समय बिहार में कोई व्यवस्था ही नहीं थी। बिहारवासियों को देश-दुनिया में अपमान झेलना पड़ता था। लेकिन 2005 में घना अंधेरा छंटा। उम्मीदों का नया सूरज उगा। बिहार की देवतुल्य जनता ने राज्य में एनडीए की सरकार को मौका दिया। और हमने बिहार को अराजकता और अव्यवस्था से बाहर निकालकर, उसे विकास की राह पर ले जाने का संकल्प लिया।

हमने बिहार का नव-निर्माण किया: नीतीश ने कहा कि आप सब लोग जानते ही हैं कि हमने बिहार का नव-निर्माण किया। हमने सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था सहित हर क्षेत्र में बहुत काम किया है। सड़कों का जाल बिछाया है, सुशासन सुनिश्चित करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अब बड़े-बड़े निवेश आ रहे हैं। नौकरी-रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। इन सबसे लोगों की आमदनी और बढ़ेगी। बिहार समृद्धि के नए आयाम छुएगा। नीतीश ने आगे कहा है कि हमने 10 लाख सरकारी नौकरियां और 10 लाख रोजगार देने की बात कही थी। शिक्षा, पुलिस सहित अन्य विभागों में लाखों युवकों-युवतियों को सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। हम आगे भी लाखों लोगों को सरकारी नौकरियां और रोजगार देते रहेंगे। नीतीश ने अपने पत्र में कहा है कि पहले सुविधाओं के अभाव में लड़कियां पढ़ाई-लिखाई नहीं कर पाती थीं लेकिन हमारी सरकार की विभिन्न योजनाओं की मदद से बेटियां पढ़ने लगी हैं और आगे बढ़ रही हैं। जीविका समूहों से जुड़कर एक करोड़ 30 लाख से अधिक महिलाएं अपने परिवार की आजीविका का सहारा बन रही हैं। नीतीश ने कहा है कि सात निश्चय-2 के तहत हम हर खेत तक पानी पहुंचाने की योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के हर जिले में हम मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रहे हैं। अस्पतालों में निःशुल्क इलाज के साथ दवाइयां मिल रही हैं।

गोपालगंज में तिलक चढ़ाकर लौट रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत, सात घायल

गोपालगंज। गोपालगंज में छपरा से तिलक चढ़ा कर लौट रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के ही सात अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। मृतक की पहचान गोपालगंज जिले की सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचेया काली टोला गांव निवासी परमेश्वर राम के पुत्र श्रेयांश कुमार (3), सूरज राम (65) और छपरा जिले के गोरियाकोठी गांव निवासी शंकर कुमार (25) शामिल हैं। इनमें सूरज राम रियांश के दादा और शंकर बच्चा के मामा थे। सभी लोग तिलक समारोह से छपरा से लौट रहे थे। घटना गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के खैरा आजम गांव के पास की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों शवों को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया।

जानकारी के अनुसार सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचेया गांव निवासी रमाकांत राम की पुत्री की शादी छपरा जिले के सिसवा गांव में तय हुई थी। तय तिथि के मुताबिक सोमवार को सभी लोग तिलक चढ़ाने के लिए कार से छपरा जिले के सिसवा गांव गये थे। तिलक चढ़ाकर अपने गांव लौटने के क्रम में कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं सात घायलों में दो की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें गोपालगंज से बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर किया गया है।

वैशाली जिले के एक घर में फटा गैस सिलेंडर, आठ लोग झुलसे

केटी न्यूज/पटना

बिहार के वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नामा नगर में दर्दनाक हादसा हुआ है। एक घर में अचानक गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर जाने से घर में मौजूद तमाम सदस्य बुरी तरीके से झुलस गए। इसके बाद सभी को ग्रामीण के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिदुपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को हाजीपुर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया है।

लोगों ने बताया कि सिलेंडर ब्लास्ट में सभी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पूरी तरीके से घर के सभी सदस्य झुलस चुके हैं। इस झुलसने में बच्चे, महिलाएं व युवक सभी शामिल है। जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सदर अस्पताल में डॉक्टर सभी के इलाज करने में लगे हुए हैं। बताया गया है एक छोटा सा घर है जिसमें आठ सदस्य मौजूद थे। इसी दौरान अचानक आग पकड़ लिया इसके बाद एक दूसरे के बचने के चक्कर में एक के बाद एक सभी झुलस गए। सभी का 50% से भी ज्यादा शरीर जल चुका है। ब्लास्ट में घायलों की पहचान चंदा देवी पति मनोज कुमार 30, सोनम देवी पति संजीव कुमार , सुधांशु कुमार पिता मनोज कुमार 15 वर्ष , हिमांशु कुमार पिता मनोज कुमार उम्र 8 वर्ष , लक्ष्मी कुमारी पिता संजीव कुमार 6 वर्ष, राजन कुमार पिता महेश शाह 27 वर्ष, लीला देवी पति स्वर्गीय महेश साह, शंकर कुमार पिता स्वर्गीय महेश साह सभी घायल हो गए हैं।

बड़े साइज में माफीनामे का विज्ञापन जारी करे पतंजलि: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपनी दवाओं के लिए 'भ्रामक दावों' को लेकर अदालत की अवमानना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान रामदेव को फटकार लगाई। इसके साथ ही रामदेव और बाल कृष्ण को अदालत ने 30 अप्रैल को फिर से पेश होने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने रामदेव को आदेश दिया कि वह बड़े साइज में पतंजलि के माफीनामे का विज्ञापन फिर से जारी करें। रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत से कहा कि हमने 67 अखबारों में माफीनामा से जुड़ा विज्ञापन छपवाया है। जिस पर जस्टिस कोहली ने पूछा कि क्या यह आपके पिछले विज्ञापनों के समान आकार का था। इस पर रामदेव के वकील ने कहा कि नहीं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर किया चुनाव प्रचार

कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो गया: मोदी

एजेंसी/जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान फिर कांग्रेस के खिलाफ बरसे। हनुमान जयंती पर उन्होंने भाषण की शुरूआत ही बजरंग बली की जय के साथ की। फिर कर्नाटक का एक किस्सा भी सुनाया। आरोप लगाया कि कांग्रेस की सरकार में हनुमान चालीसा सुन रहे व्यापारी को पीट-पीटकर लहुलूहान कर दिया गया। इनके राज में तो हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में हनुमान से लेकर मुस्लिमों को अधिकार देने की बात की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान को लेकर घेरा। फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे गदा देकर बजरंग बली की जय करने का अवसर दे दिया। मुझे शूरवीरों की धरती सवाई माधोपुर आने का मौका मिला। चुनाव के दिन है, एक-एक दिन में दो-तीन राज्यों में जाना होता है। यहां समय में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ा। मुझे लगता है कि



मेरी सभा के बाद भी यहां लोग आते रहेंगे। मैं इनमें उत्साह देख रहा हूं। उसमें एक मजबूत भारत के लिए आशीर्वाद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2011 में कांग्रेस ने एससी-एसटी को मिला अधिकार छीनकर मुस्लिमों को देने का प्रयास किया। कांग्रेस ने संविधान की परवाह नहीं की, बाबा साहब अंबेडकर की परवाह नहीं की। जब कर्नाटक में बीजेपी की सरकार बनी तो पहला काम किया कि धार्मिक आधार पर आरक्षण खत्म कर दिया। कांग्रेस और इंडी अलायंस जब सत्ता में थे तो ये लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी करते और वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए उनकी खास जमात को आरक्षण देना चाहते थे। संविधान इसके खिलाफ है। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस यह एलान करेगी कि इस संविधान में दलितों और पिछड़ों के आरक्षण को कम करके मुसलमानों को नहीं बांटेगी। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए कांग्रेस निमंत्रण को ठुकरा देती है तो उसके चेले-चपाटे भी हनुमान चालीसा पढ़ने वालों को पीटते हैं।

मैंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की साजिश का पदार्फाश किया था

पीएम मोदी बोले कि देश में धार्मिक आधार पर आरक्षण का घोर विरोध हुआ था। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 2004 में जैसे ही केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, उसमें सबसे पहला काम आंध्र में एससी-एसटी रिजर्वेशन में कमी कर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया गया। 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में चार बार मुस्लिम रिजर्वेशन लागू करने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता के कारण यह लागू नहीं कर पाई। मैंने देश के सामने सच रखा कि कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर उनके खास लोगों को बांटने की गहरी साजिश रच रही है। मैंने कांग्रेस की इस तुष्टिकरण की साजिश का पदार्फाश किया था। इससे कांग्रेस को इतनी मिर्ची लगी है कि वे मोदी को गाली देने में लगे हैं। पीएम मोदी बोले कि राजस्थान में कांग्रेस के जाने के बाद पहली बार रामनवमी की शोभा यात्रा शांति से निकली है। हमारे यहां तो दिन का स्वागत भी राम-राम सा से होता है। कांग्रेस ने तो राम-राम सा कहने वाले राजस्थान में रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था। कांग्रेस ने शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी करने वाले लोगों को सरकारी संरक्षण दिया था। इसी कांग्रेस ने मालपुरा, टोंक, करौली और छबड़ा को दंगों की आग में झौंक दिया था। क्या आप ऐसे लोगों को माफ करोगे? अब भाजपा की सरकार आने के बाद लोगों की हिम्मत नहीं है कि आपकी आस्था पर सवाल उठा दे। अब आप चैन से रामनवमी भी मनाएंगे और हनुमान चालीसा भी गाएंगे, यह भाजपा की गारंटी है।

एआईएमआईएम के प्रत्याशी अख्तरुल इमान के लिए वोट की अपील की

किशनगंज में गरजे ओवैसी कहा... हम हिजाब, नकाब और चादर नहीं छोड़ेंगें

केटी न्यूज/किशनगंज



एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने किशनगंज में कहा है कि हिजाब, नकाब और चादर हम नहीं छोड़ेंगें। क्योंकि, मेरा ख्वाब है कि भारत की प्रधानमंत्री एक दिन एक हिजाब वाली महिला बने। ओवैसी ने ये बातें किशनगंज के रौटा में कही हैं। ओवैसी ने सीमांचल के मुस्लिम बहुल किशनगंज लोकसभा सीट से एआईएमआईएम के प्रत्याशी अख्तरुल इमान के लिए वोट की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब बीजेपी ने हमारी मां और बहनों के सिर के ऊपर से हिजाब निकालने की बात की, तब सांसद जावेद कुछ नहीं बोल सका। सिर्फ असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध किया। ओवैसी ने एनडीए प्रत्याशी मास्टर मुजाहिद आलम पर तंज कसते हुए कहा कि ये मास्टर का मास्टर कौन है, मास्टर का मास्टर मोदी है न। जब यूनिफॉर्म सिविल कोर्ट लागू होगा तो मास्टर बीजेपी से कहेगा माई-बाप। उन्होंने आगे कहा कि क्या आप ऐसे पार्टी को वोट देंगे जो यूनिफॉर्म सिविल कोड को भारत में लाना चाहते हैं। यूनिफॉर्म सिविल कोड कहता है कि मुसलमान में शादी-निकाह स्पेशल मैरिज एक्ट से होगा। शादी अगर खत्म करना है तो दूसरे एक्ट के तहत करो। ट्रिपल तलाक के कानून पर ओवैसी ने कहा- तीन तलाक के कानून पर सबसे ज्यादा मजलिस ने कहा है। पीएम मोदी ने झूठ कहा कि हिंदू बहनों से मंगल सूत्र छीन लिया जाएगा। उन्होंने पीएम मोदी के राजस्थान में दिए गए बयान पर जमकर निशाना साधा था। कहा- मैंने कल नरेंद्र मोदी का भाषण सुना। भाषण में नरेंद्र मोदी ने भारत के मुसलमानों को कहा कि हम बच्चे ज्यादा पैदा करते, हम घुसपैठिए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि दौलत लाकर हमें बांट दी जाएगी। पीएम मोदी ने झूठ कहा कि हिंदू बहनों से मंगल सूत्र छीन लिया जाएगा। हमारे हिंदू भाइयों के पोते अपने दादा से बढ़कर कमा रहे हैं, यादवों के बेटा-बेटी अपने दादा से बढ़कर कमा रहे हैं। ठाकुर, राजपूत, भूमिहार, आदिवासी अपने दादा से बढ़कर पैसे कमा रहे हैं। अगर कोई कम पैसे कमा रहा हैं, तो वह मुसलमान हैं। और नरेंद्र मोदी बोलते हैं कि दौलत हमको दी जाएगी। नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े झूठे हो हमारी बेटियों की फर्टिलिटी में कमी आई।

चिराग ने कांग्रेस उम्मीदवारों को लेकर किया कटाक्ष

हाजीपुर। हाजीपुर पहुंच कर चिराग पासवान ने अपने नामांकन दाखिल करने की तारिख का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 2 मई को नामांकन दाखिल करेंगे और इसके बाद क्षेत्र के कई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाएंगे। वहीं कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शुक्र है किसी तरह उन्होंने उम्मीदवारों का जुगाड़ कर लिया। समस्तीपुर में नहीं तो बिना नामांकन के रह वह लोग रह जाते। वहीं आगे कहा कि अगर हमारे परिवार के लोग उधर नहीं जाते तो मुजफ्फरपुर में कांग्रेस को कोई उम्मीदवार भी नहीं मिलता। उनके सभी उम्मीदवार उधार के उम्मीदवार है। मालूम हो कि महागठबंधन ने पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम को उम्मीदवार बनाया है। वह 29 अप्रैल को हाजीपुर से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इसके बाद तेजस्वी यादव हाजीपुर के शुभई स्थित भोला राय उच्च विद्यालय में उनके लिए जनसभा भी करेंगे।

खेसारी लाल यादव ने नेताओं पर कसा तंज, कहा- नेता के बेटा को कोई दिक्कत नहीं, परेशानी पब्लिक को है

केटी न्यूज/पटना



भोजपुरी सिनेमा के सुपर स्टार माने जाने वाले खेसारी लाल यादव पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेताओं पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर हम सभी मिलकर बिहार के विकास की बात नहीं करेंगे तो मुझे नहीं लगता कि बिहार के लिए कोई दूसरा आदमी बात करने के लिए नहीं आएगा। क्योंकि मजबूर हम ही हैं, परेशान हम हैं कोई नेता नहीं, नेता के बच्चे अच्छे से पढ़ ही लेते हैं, नेता के बच्चे ए.सी में रहते ही हैं, नेता के बच्चों के पास पैसों की भी कोई कमी नहीं रहती है, उनके हेल्थ का भी कोई इश्यू नहीं है। क्योंकि जब उनके पास पैसा है तो उनके हेल्थ का कभी कोई इश्यू नहीं होता। इश्यू हमारे बिहार के लोगों के लिए है, जिनके पास रोजगार नहीं है। जब अपने बच्चों को पढ़ने के लिए पैसे नहीं हों, तो हमें लगता है कि रोजगार के लिए हमें खुद ही कमाना पड़ेगा। हमारी गलती है कि हम किसी नेता से आशा करते हैं या उन पर हम आश्रित हो जाते हैं। खेसारी ने कहा कि खुद की बेहतरी के लिए खुद ही मेहनत करना चाहिए।पवन सिंह के प्रचार में जाने के सवाल पर खेसारी ने कहा कि अगर वह (पवन) मुझे बुलाएंगे तो जरूर जाएंगे और क्योंकि बिना बुलाए मैं अपने घर भी नहीं जाता। तेजस्वी यादव को सपोर्ट करने के सवाल पर खेसारी ने कहा कि जिसकी विचारधारा अच्छी होती है, मेरे लिए न तो जाति मायने रखता है और न ही कोई नेता मायने नहीं रखता है। न मेरा संबंध मायने रखता है। सबसे ऊपर हमारे बिहार का विकास है और उससे भी ऊपर हमारे बिहार की जनता। सबसे बढ़कर हमारी जनता है जिन्होंने मुझे बनाया है इसलिए जो जनता की बात करेगा और जो जनता के विकास की बात करेगा उसके पक्ष में खड़ा रहूंगा। उसका साथ दूंगा। इसमें कभी भी पीछे नहीं हटूंगा। बिहार के विकास की बात होनी चाहिए।

वैशाली में एक घर में अचानक फटा गैस सिलेंडर, आठ झुलसे

वैशाली। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नामा नगर में एक घर में अचानक गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे से घर में मौजूद तमाम सदस्य बुरी तरीके से झुलस गए। जोरदार आवाज होने पर मौके पर तमाम ग्रामीण इकट्ठा हो गए। उसके बाद सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिदुपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को हाजीपुर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया है। सभी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घर के सभी सदस्य बुरी तरह से झुलस चुके हैं, इनमें बच्चे, महिला और युवक सभी शामिल हैं। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सदर अस्पताल में डॉक्टर सभी का इलाज करने में लगे हुए हैं। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नामा नगर में एक घर में अचानक गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे से घर में मौजूद तमाम सदस्य बुरी तरीके से झुलस गए। जोरदार आवाज होने पर मौके पर तमाम ग्रामीण इकट्ठा हो गए। उसके बाद सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिदुपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को हाजीपुर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया है। सभी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घर के सभी सदस्य बुरी तरह से झुलस चुके हैं, इनमें बच्चे, महिला और युवक सभी शामिल हैं। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सदर अस्पताल में डॉक्टर सभी का इलाज करने में लगे हुए हैं।

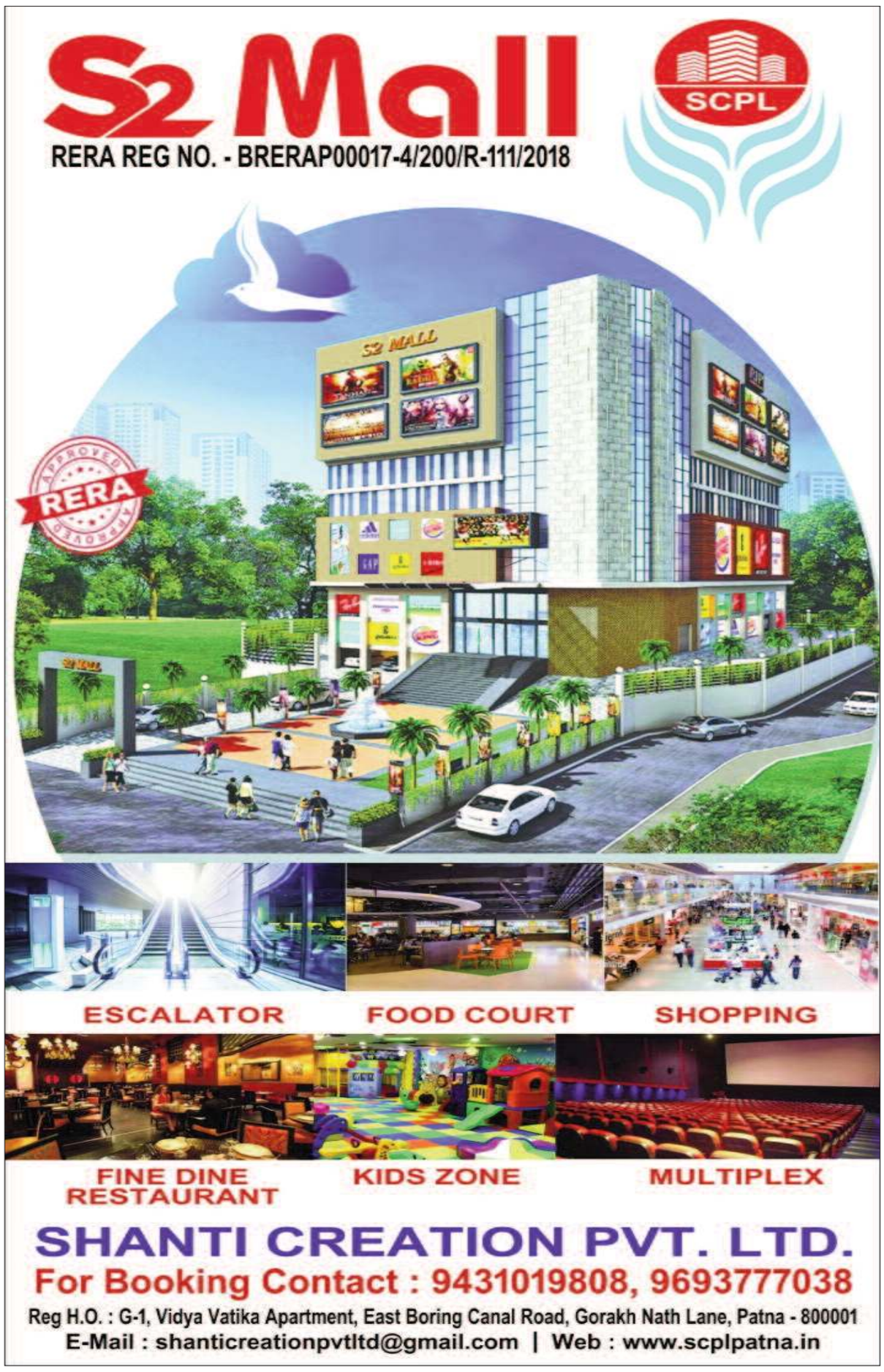
दरभंगा के गिरिजा रेसिडेंसी अपार्टमेंट में लगी आग

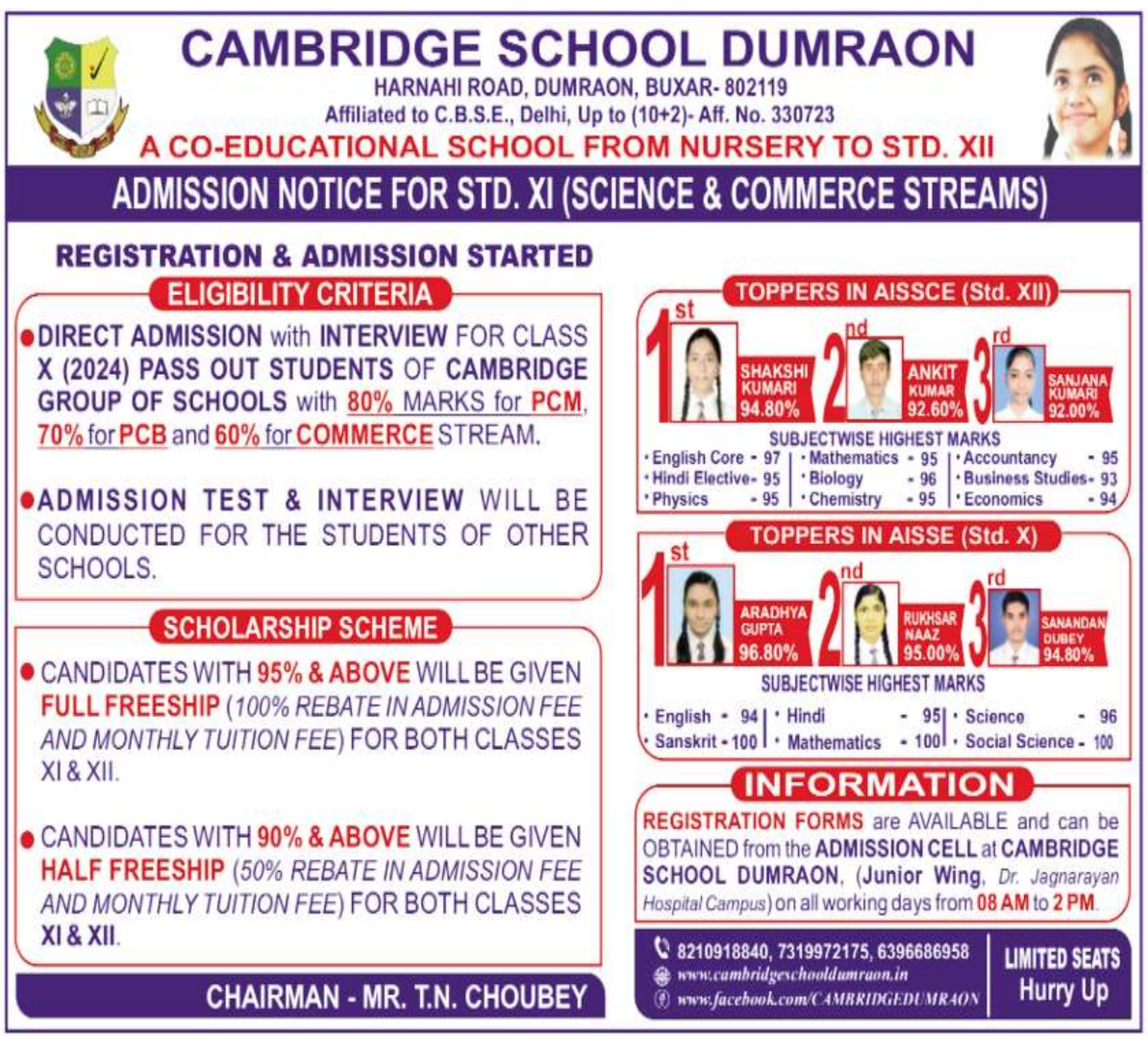
दरभंगा। दरभंगा के गिरिजा रेसिडेंसी अपार्टमेंट में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में चारों ओर धुआं फैल गया। मामले की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद अपार्टमेंट में फंसे लोगों का रेस्क्यू किया। फिर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक अपार्टमेंट में करीब 7 बच्चों समेत दस लोग फंस गए थे। तीन से चार लोग घायल भी हुए हैं। अपार्टमेंट में फंसे लोगों को फायर ब्रिगेड की टीम ने सीढ़ी लगाकर बाहर निकाला। आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।











80 साल के बाबू कुंवर सिंह ने अंग्रेजी हुकूमत के छुड़ा दिए थे छक्के : रामनाथ

केटी न्यूज/बक्सर

बाबू कुंवर ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। वे आजीवन शाहाबाद इलाके को कभी अंग्रेजों के चंगुल में नहीं जाने दिए थे और किसी भी युद्ध में अंग्रेजों ने उन्हें पराजित नहीं किया था। उक्त बातें बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कही। अवसर था वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम का। पूर्व सैनिक संघ के तत्वावधान में वीर बाकुड़ा कुंवर सिंह का विजयोत्सव मंगलवार को वीर कुंवर सिंह चौक पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इसकी शुरूआत वीर कुंवर सिंह चौक पर लगे प्रतिमा की साफ सफाई के बाद माल्यार्पण कर किया गया।



इसके बाद वक्ताओं ने बाबू वीर कुंवर सिंह के संघर्ष भरी जिंदगी पर अपने-अपने विचार रखें।रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष डा. सुधीर सिंह ने कहा कि कुंवर सिंह के गुणों को हमे जिंदगी में उतारना चाहिए। उसके बाद सैनिकों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों से पूरा चौक को गुंजायमान कर दिया। इसके बाद करीब 200 से 250 के संख्या में पूर्व सैनिक एकत्रित होकर वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव मनाया। सभी पूर्व सैनिकों ने वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव के दिन प्रतिमा का माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में सूबेदार डी.एन सिंह, जगनारायण सिंह,जेपी प्रसाद, मोहन यादव, ललन मिश्रा, आरएन मिश्रा, राजबली यादव, हरिशंकर सिंह, जयकुमार चौबे, रामराज सिंह, एसके सिंह, शिवमंगल सिंह, हरिशंकर सिंह, शैलेश ठाकुर के अलावे रेल यात्री कल्याण समिति के कार्मेंद्र सिंह अधिवक्ता, अनिल सिंह, डॉ जी. कुमारी, गोविंद जायसवाल, हरे राम ठाकुर, पंकज पटेल, डा. एसके पांडेय, वीरेंद्र ओझा, मनजी सिंघानिया के अलावे अन्य पूर्व सैनिकों के साथ एनसीसी के कैडेट और रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

सुमित्रा कॉलेज में विजयोत्सव के रूप में मनायी गयी बाबू कुंवर सिंह की 247 वीं जयंती



डुमरांव। सुमित्रा महिला कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू कुंवर सिंह की 247वीं जयंती को विजयउत्सव के रूप में मनाया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ शोभा सिंह ने बाबू कुंवर सिंह के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके अदम्य साहस तथा नेतृत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो शंभूनाथ शिवेंद्र, प्रो डॉ सुभाष चंद्रशेखर, प्रो शैलेन्द्र कुमार, प्रो प्रमोद कुमार सिंह, प्रो मनोज कुमार आदि ने भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बाबू कुंवर सिंह के योगदानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की चंचल कुमारी, तमन्ना कुमारी, साधना, प्रियांशी, ज्योति, आरती, मनीषा आदि छात्राओं ने भी बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

एक नजर

भाजयुमो की बैठक में पांच मई को होने वाले सम्मेलन को सफल बनाने पर हुई चर्चा



बक्सर। मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक पार्टी के केंद्रीय चुनाव कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने व संचालन जिला महामंत्री प्रदीप मिश्र ने किया। वहीं बैठक में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्र शामिल हुए। बैठक में आगामी 5 मई को जिले में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा प्रस्तावित युवा सम्मेलन में पूरे जिले से युवाओं की सहभागिता व कार्यक्रम की सफलता पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उसकी तैयारी को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसके पूर्व जिला में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष भारतेन्दु मिश्र का बाईपास रोड पर युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने स्वागत किया। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष भारतेन्दु मिश्र युवा मोर्चा के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भारतेन्दु ने कहा कि युवा मोर्चा और मूल पार्टी के बीच झंडा व डंडा का संबंध है। अगर पार्टी झंडा है तो युवा मोर्चा उसमें डंडा है। युवा मोर्चा नेतृत्व की पाठशाला है। इस समय का सही उपयोग करना है। देश मे अभी चुनाव का दौर चल रहा है। चुनाव में एक तरफ धर्म है। दूसरी तरफ विधर्मी लोग है। एक तरफ विकास को प्रतिबद्ध नेतृत्व है, तो दूसरी तरफ अराजकता को महिमा मंडित करने वाले लोग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का गौरव पूरे दुनिया मे लहरा रहा है। 10 वर्ष पूर्व जो देश पिछड़ा व दब्बू देश जाना जाता था। आज उस देश के तिरंगे को देखते ही दो देशो के बीच सीज फायर हो जाता है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने कोरोना काल मे दुनिया को कोरोना से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत विश्व में एक महाशक्ति के रूप में दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश मे रेल, रोड का अभूतपूर्व विकास हुआ है। युवा मोर्चा प्रधानमंत्री का संदेश जन जन तक पहुंचा रहा है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री विमलेश सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, प्रदेश मंत्री वेद व्यास चौबे, निक्कु तिवारी, अभिषेक कुमार, निशांत सिंह, अपूर्व तिवारी जी, अनुराग श्रीवास्तव, वरुण सिंह, अमित पांडेय, अमित मिश्र, रजनीश कुमार, अभिनंदन मिश्र, प्रियरंजन चौबे, अभिषेक पाठक, मण्डल अध्यक्ष प्रतीक सिंह, आमोद पाण्डेय, आन्नद ओझा, धन्नजय पाण्डेय, राहुल पाण्डेय, बिट्टु बाबा, रौशन उपाध्याय, विमलेश सिंह, राधाकृष्ण सिंह, पंडित अभय, सुमित मान सिंहका, राहुल दुबे, ओमजी यादव, संदीप राय, दुर्गेश उपाध्याय, मुन्ना तिवारी, दीपक सिंह, अरविंद पासवान, रोहित मिश्र, राहुल राय, दिलीप कुमार, माझिल ओझा, सर्वेश्वर चौबे, नीरज पाण्डेय, महावीर गुप्ता, विकास राय, आशु राय, बिट्टु सिंह, रविकांत दुबे, अक्षय ओझा समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

बुनियाद केन्द्र जाने में दिव्यांगों को होती है परेशानी



डुमरांव। दिव्यांगों के इलाज के लिए प्रखंड कार्यालय में बुनियाद केन्द्र स्थापित किया गया है। बुनियाद केन्द्र में जाने का रास्ता ही नहीं बनाया गया है। रास्ता नहीं होने से दिव्यांगों को इलाज के लिए जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी उस दिव्यांग को होती हैए जो किसी के सहारे या सहायक उपकरण से इलाज के लिए दिव्यांग केन्द्र में आते हैं। दिव्यांग केन्द्र के जाने वाले गलीनुमा गड्ढे से भरे रास्ते से होकर जाना पड़ता है। ऐसे में जो भी दिव्यांग आते है। उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। जिनके पास व्हील चेयर है। वह अधिक परेशान हाते है। क्योंकि इसके रास्ते में पीएचसी का गैरेज पड़ता है। गैरेज हटाने के लिए बुनियाद केन्द्र के फीजियोथेरेपिस्ट विकास कुमार ने बताया की गैरेज हटाने के लिए डीएम, एसडीओ, बीडीओ तक को आवेदन दिया जा चुका है। परंतु इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

खबरें फटाफट

नप को यूरिनल बनाने का सौंपा आवेदन

डुमरांव। स्थानीय शहर के समाजसेवी सह रेडक्रॉस के पूर्व सचिव मोहन गुप्ता ने शहीद पार्क के समीप यूरिनल बनाने को लेकर एक आवेदन नगर परिषद प्रशासन को सौंपा हैं। उन्होंने अपने आवेदन में बताया कि वीर शहीदों की याद में बने इस पार्क के दीवारों से सटे पिछले हिस्से में गंदगी का अंबार लगा हैं। जिस वजह से लोगों ने यहां पेशाबखाना भी बना दिया हैं। गंदगी व बदबू के कारण राहगीरों व पार्क में आये बच्चों, महिलाओं व बुजुर्गों को काफी परेशानी उठानी पड़ती हैं। उन्होंने यहां जल्द यूरिनल बनाने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

आग की चपेट में आने से चार दुधारु मवेशी झुलसे

नावानगर। सोनवर्षा ओपी अंतर्गत इकिल गांव के एक गौशाला में आग लग गई। जिससे उसमें बंधी चार दुधारु मवेशी झुलस कर गंभीर रुप से जख्मी हो गई। हालांकि इस घटना की जानकारी पशुपालक विजय सिंह स्थानीय पुलिस को नहीं दिया है। बताया जाता है कि पशुपालक अपने झोपड़ीनुमा गौशाला में हर रोज की तरह मवेशी बांधे हुए थे। अचानक गौशाला से आग की लपटे उठने लगी। यह देखकर पशुपालक शोर मचाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण उक्त गौशाला के पास पहुंच आग पर काबू पाने में जुट गए। पर आग की लपटे की आगे किसी की साहस नहीं हुई कि गोशाला के अंदर प्रवेश कर सके। जब आग की लपटे कम हुई तब ग्रामीणों ने गोशाला में किसी तरह घुसकर मवेशी को बाहर निकाला। इस बीच मवेशी गंभीर रुप से झुलस कर जख्मी हो गई थी। झोपड़ीनुमा गौशाल में आग लगने की कारण स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पेयजल आपूर्ति हेतू लगेंगे दो समरसेबल

डुमरांव। शहर की पेयजल समस्या दूर करने के लिए नगर परिषद दो स्थानों पर समरसेबल बोरिंग लगाने जा रहा है। एक समबरसेबल बोरिंग छठिया पोखरा स्थित जलमीनार के पास तो दूसरा ट्रेनिंग स्कूल महाकाल मंदिर के पास लगेगा। एक समरसेबल से जलमीनार में पानी भरा जाएगा तो दूसरा से नगर में जलापूर्ति की जाएगी। फिर जलमीनार में पानी भर जाने के बाद उससे शहर में जलापूर्ति होगी। बता दें की शहर में भीषण गर्मी को लेकर पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। इससे निजात मिलने की संभावना है।

जबदस्त अतिक्रमण की चपेट में है राजगोला रोड, पूरे दिन पैदल चलना भी होता है मुश्किल

राजगोला रोड को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लागू हो सकता है वन वे सिस्टम









♦ स्थायी दुकानदारों के अलावे फुटपाथियों के द्वारा भी किया गया है अतिक्रमण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव का राजगोला रोड मुख्य व्यवसायिक पथ है। हर दिन यहां दूसरे शहरों तथा ग्रामीण इलाकों से सैकड़ो लोग खरीद-बिक्री करने आते है, जबकि हजारों लोगों का आवागमन भी होता है। लेकिन, यह पथ जबदस्त अतिक्रमण की चपेट में है। जिस कारण पूरे दिन इस रोड में महाजाम लगा रहता है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन में इस रोड से बाइक तो क्या पैदल गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। राजगोला रोड में पूरे दिन जाम लगे रहने से यहां का व्यवसाय भी बाधित हो रहा है। जिस कारण व्यवसायियों में व्यवस्था के प्रति गहरी नाराजगी है। इस समस्या से निपटने के लिए प्रशासन वन वे सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। ताकि इस जाम से निजात मिल सके। बता दें कि राजगोला रोड से ही डुमरांव के अनाज, किराना व सब्जी की मुख्य मंडी दोनों गोला के साथ ही कपड़ा, कास्मेटिक, श्रृंगार प्रसाधन समेत सैकड़ो तरह की दुकानें है। राज अस्पताल मोड़ से शहीद गेट मोड़ तक करीब 200 से 250 मीटर लंबे इस पथ में डुमरांव का आधा से अधिक व्यवसायिक प्रतिष्ठान है। बाहर से आने वाले व्यवसायी भी इसी रोड से आने जाने को मजबूर है। जिन्हें जाम के कारण हर दिन कीमती समय का नुकसान होता है।

सिर्फ अभियान तक ही सिमट जाती है प्रशासन की भूमिका: बता दें कि पूर्व में छठ के आस पास डुमरांव नगर परिषद व स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया था। इस दौरान अस्पताल मोड से गोला रोड, चौक रोड सहित कई अन्य मार्गों से अतिक्रमणकारियों को खदेड़ा गया था। यहां तक कि प्रशास ने नालियों के उपर दुकानदारों द्वारा बनवाए गए सीढ़ी तथा पत्थर को भी नहीं छोड़ा गया था। इस अभियान में नगर परिषद प्रशासन के हजारों रुपए भी खर्च हुए थे। तब प्रशासन ने निर्देश दिया था कि दुबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना वसूला जाएगा। लेकिन प्रशासन का यह फरमान बेअसर साबित हुआ तथा उस कार्रवाई के कुछ दिनों बाद से ही अतिक्रमणकारी फिर से काबिज हो गए थे।

फुटपाथियों के साथ स्थायी दुकानदार भी है जिम्मेवार: राजगोला रोड में हुए अतिक्रमण के मामले में न सिर्फ फुटपाथी दुकानदार बल्कि कई स्थायी दुकानदार भी जिम्मेवार है। इन दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान के सामने फुटपाथ के आधे हिस्से तक कब्जा कर लिया गया है। वही शेष बची फुटपाथ के अलावे सड़क के कुछ हिस्सों में भी फुटपाथी दुकानदार काबिज रहते है। इसके अलावे पूरे दिन ठेला पर फल, सब्जी तथा अन्य तरह के सामानों के विक्रेता भी अपना कब्जा जमाए रहते है। वही जानकारों की मानें तो कई स्थायी दुकानदार अपनी दुकान के सामने फुटपाथ पर दुकाने सजाने की छूट के बदले सुविधा शुल्क भी लेते है।

कहते है व्यवसायी

व्यवसायी कृष्णमुरारी केशरी का कहना है कि राजगोला रोड में लगने वाले जाम से दुकानदारी प्रभावित हो रही है। अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर परिषद प्रशासन ने नालियों के स्लैब भी हटवा लिए थे। जाम के कारण ग्राहक कम आ रहे है।

व्यवसायी अंकित कुमार का कहना है कि गोला रोड में जाम लगने से पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। पूरे दिन जाम लगा रहता है। इस रास्ते से टेम्पो व ई रिक्शा के परिचालन से भी स्थिति खराब हो जा रही है। नगर परिषद प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

व्यवसायी भरत कुमार का कहना है कि राजगोला रोड डुमरांव का मुख्य व्यवसायिक जगह है। लेकिन यहां हर दिन जाम लगने से व्यवसायियों को परेशानी हो रही है। जाम के चलते ग्राहक भी अब दूसरे बाजारों का रूख करने लगे है।

क्या कहते है ईओ



डुमरांव में अतिक्रमण हटाने का अभियान जल्दी ही शुरू किया जाएगा। इसके लिए अनुमंडल प्रशासन व स्थानीय पुलिस के साथ बैठक कर अतिक्रमणकारियों को हटाया जाएगा। वही राजगोला रोड को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था को भी वन वे करने पर विचार किया जा रहा है।

अनिरूद्ध प्रसाद, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, डुमरांव

सगाई से विदाई तक महंगाई की मार, मंदिरों में बढा शादी का चलन

♦ टेंट, सामियाना, होटल, गाड़ी, सजावट, बैंड-बाजा आदि के भाव में हो गई है बेतहाशा वृद्धि

केटी न्यूज/डुमरांव

शहनाइयों की गूंज का सिलसिला चालू हो गया। ऐसे में बढ़ती महंगाई बिटिया रानी के ब्याह पर भारी पड़ रहा है। मांगलिक आयोजनों के लिए लग्न में शुभ मुहूर्त कम होने से विवाह के तैयारी में कन्या पक्ष को अधिक जद्दोजहद करनी पड़ रही है। दो दिलों को जोड़ने में महंगाई का अड़ंगा ऐसा कि वर-वधू दोनो पक्ष तैयारियों को लेकर खासे चिंतित है। सामानों की खरीदारी हो या टेंट-बाजा की बारी हो सबो ने दामों में इजाफा कर दिया है। सोने-चांदी के जेवरातों के दामों में बढ़ोतरी से कन्या पक्ष के अरमानों पर पानी फेर दिया है। पिछले वर्ष की तुलना जाए तो मौर-सिंहोरा ने भी महंगाई की छलांग लगाया है। महंगे सामानों के कारण बाराती की आव-भगत में कटौती की सोच कर लकड़ी वाले असहज है। वहीं रिश्तेदारों की खरीदारी के लिए वर पक्ष की चिंता भी बढ़ गयी है। लग्न में डुमरांव के मंडी जहां चहल-पहल रहते थे वहीं जरूरी सामानों के दाम सुनकर ही खरीदार दूर भाग रहे है। वैवाहिक समारोह में टेंट, सामियाना, होटल, गाड़ी, सजावट, बैंड-बाजा आदि के भाव मे बेतहाशा वृद्धि हो गयी है। इस बार खाद्य सामग्रियों व सब्जी तक की कीमत पहुंच से दूर दिख रही है। गरीब व मध्यम वर्गीय लोगों से मंदिरों में शादियों की तादाद बढ़ गयी है। लग्न के दौरान डुमरांव के काली मंदिर,



डुमरेजनी मंदिर, जंगलीनाथ शिव मंदिर, बक्सर के रामरेखा घाट, बिहियां के मां महथिन मंदिर में हर दिन शादी-विवाह हो रहे हैं। शुभ लग्न में इन जगहों पर शादियों की तादाद बढ़ गयी है। शादी की तैयारी में जुटे राम चौधरी, मीना देवी, मनोज राजभर आदि ने बताया कि अब शादी-विवाह में पहले के मुकाबले खर्च बढ़ गया है। महंगाई के कारण सबकी खातिरदारी करना मुश्किल हो गया हैं। इस कारण अब मंदिरों में शादी विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्य हो रहे है।

चौसा में आयोजित दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों ने दिखाए कुश्ती के दांव-पेंच, इनामों की हुई बौछार

केटी न्यूज/चौसा



सरेंजा स्थित बजरंग मंदिर अखाड़ा परिसर में मंगलवार को विराट दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बिहार केशरी व कुमार के अलावे यूपी व बिहार के दर्जनों नामी गिरामी पहलवानों ने शिरकत किया तथा कुश्ती के दांव पेंच अजमाए। इस दौरान उनपर इनामों की खूब बौछार भी हुई। दंगल प्रतियोगिता देखने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ आई थी। इस दंगल में स्थानीय पहलवानों के अलावा अयोध्या, मऊ, बनारस, गाजीपुर, मुगलसराय, बलिया, आजमगढ़, मुहम्मदाबाद, कैमूर के नामी-गिरामी पहलवानो ने भाग लिया। इसके पहले मुख्य अतिथि सरेंजा पैक्स अध्यक्ष शशि भूषण राय उर्फ डब्बू राय तथा जिप सदस्य पूजा देवी ने पहलवानों से हाथ मिलवाकर दंगल का उद्घाटन किया। इस मौके उन्होंने कहा खिलाड़ियों को ग्रामीण इलाकों में खेल मैदान के साथ संसाधन होना जरूरी है। तभी खेल से युवा आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुश्ती हमारे गांवों की पहचान रही है। एक समय था जब गांवों की पहचान पहलवानों से होती थी। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजकों को साधुवाद दिया। इस प्रतियोगिता में यूपी अयोध्या के पहलवान बजरंगी व मुगलसराय के पहलवान बिजली आकर्षण का केंद्र रहे। लेकिन, इस सभी नामी व गिरामी वाले पहलवानों की कुश्ती निर्णायक न हो सकी, बल्कि मुकाबला बराबरी पर छूटा।

भीषण गर्मी के कारण अधिकतर तालाब व चापाकल सूखे, अधिकत्तर चापाकल हो चुके खराब

गर्मी शुरू होते ही राजपुर प्रखंड में गहराया पेयजल संकट, किसानों की बढ़ी समस्या

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में इस बार अप्रैल महीने में ही भूमिगत जल स्तर दस फुट नीचे चला गया है। जिससे सब्जी की खेती करने वाले किसानों की समस्या बढ़ गई है। पश्चिमी क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न होने की गंभीर संभावना बढ़ गयी है। अधिकतर गांव में दर्जनों चापाकल बंद हो गए हैं। तेज धूप व लू कें कारण जहां जनजीवन बेहाल हो गया है, वही जल स्तर भी तेजी से नीचे घिसक रहा है। लोगों का कहना है कि अप्रैल महीने में ही यह हाल है तो मई और जून में क्या स्थिति होगी।

प्रखंड क्षेत्र में 60 फुट रहता है वॉटर लेवल:सामान्य तौर पर राजपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में 60 से 70 फुट तक भूमिगत जल स्तर बना रहता है। बरसात के दिनों में यह बढ़कर 10 से 12 फुट तक पहुंच जाता है। वॉटर लेवल बने रहने से सभी के घरों का चापाकल आसानी से चलता है। पशु एवं आमजन के लिए पानी की समस्या नहीं रहती है।



तेजी से बढ़ रही गर्मी से विभिन्न गांव में भूमिगत जलस्तर तेजी से खिसक रहा है। इसका जलस्तर 75 से 80 फीट तक हो गया है। विभिन्न गांव में लगे अधिकतर चापाकल पानी देना बंद कर दिया है। अधिकतर गांव में सरकार के स्तर से लगाए गए चापाकल जिसका बोरवेल 150 से 300 फुट तक है, उसी चापाकल से लोग पानी ले रहे हैं। डीएम अंशुल अग्रवाल ने अधिकारियों को भी अलर्ट किया है। अधिकारियों को प्रतिदिन विभिन्न पंचायतों का वॉटर लेवल की जानकारी लेकर रिपोर्ट देना है, लेकिन धरातल पर यह काम ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है। भूमिगत जल स्तर नीचे चले जाने से प्याज एवं अन्य प्रकार की सब्जी की खेती करने वाले किसानों को सिंचाई करने में परेशानी हो रही है। 20 फुट नीचे गहरे कुआं में पंपसेट अथवा समरसेबल के माध्यम से सिंचाई किया जा रहा है। वह भी बहुत ही कम मात्रा में पानी निकल रहा है।

क्या कहते हैं पर्यावरण संरक्षक

जलवायु में हो रहे लगातार परिवर्तन से मौसम में भी बदलाव हो रहा है, जो खतरे का संकेत है। सूर्य निकलते ही लू का कहर यह सबके लिए खतरनाक है। इससे बचने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधों को लगाना जरूरी है।। पेड़ों का संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य है। -

विपिन कुमार ,राज्य संयोजक, आशा पर्यावरण सुरक्षा

पीएचसी में जीवन रक्षक दवाओं के रखने की जगह नहीं, बरामदें को बनाया गया स्टोर

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड कार्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जगह के अभाव में जीवन रक्षक दवाओं को गली और बरामदे में रखा जाता है। फिलहाल इसे ही स्टोर बना दिया गया है। इस तरह से जीवन रक्षक दवा को रखें जाने से सवाल खड़े हो रहे हैं। पीएचसी में प्रतिदिन दो से ढाई सौ मरीजों का इलाज होता है। रास्ते में दवा रखे जाने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मिली जानकारी के अनुसार पीएचसी में दवा का गोदाम पूरी तरह से भर गया है। समय-समय पर मरीजों के लिए कैंप ग्रामीण क्षेत्रों में लगाया जाता है। साथ ही पीएचसीए एपीएचसी में मरीजों के इलाज के बाद दवा दी जाती हैए उसी के लिए दवा को स्टॉक किया गया है। अब सवाल उठता है कि क्यों नहीं दवा को सुरक्षित रखने के लिए कोई अन्य उपाय क्यों नहीं किया जा जा रहा है। बरामदे में दवा रखे जाने से मरीजों को परेशानी तो होती ही है, दवा के नुकसान होने का डर बना रहता है। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों का कहना है कि इसे सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है।

शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार दुकानदार की सड़क हादसे में मौत, भांजा जख्मी

- चरपोखरी थाना क्षेत्र के सियाडीह टोला मोड़ के समीप सोमवार की रात की घटना
- दुकानदार ने इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मंगलवार की सुबह उसने तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा



आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर चरपोखरी थाना क्षेत्र के सियाडीह टोला मोड़ के समीप सोमवार की रात सड़क हादसे में बाइक सवार किराना दुकानदार की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मंगलवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में उनका भांजा मामूली रूप जख्मी हो गया। मृत दुकानदार चरपोखरी थाना क्षेत्र के बराढ़ गांव निवासी सुशील कुमार केशरी का 25 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार केशरी उर्फ मन्नू थे। उसकी चरपोखरी बाजार पर किराने की दुकान है। जख्मी गड़हनी थाना क्षेत्र के अगिआंव गांव निवासी गुड्डू प्रसाद का 14 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार केशरी है। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। दुकानदार के भाई प्रेम शंकर केशरी ने बताया कि उनके भाई भांजे के साथ दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने आरा गये थे। सोमवार की रात? दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। उसी दौरान सियाडीह टोला मोड़ के समीप सामने से आ रहे ऑटो ने उनकी बाइक ठोकर मार दी। उसमें बाइक चला रहे उनके भाई सूरज कुमार केशरी उर्फ मन्नू गंभीर रूप से जख्मी हो गये। बाइक पर पीछे बैठा भांजा पंकज कुमार केशरी मामूली रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद स्थानीय पुलिस द्वारा गंभीर हालत में उनके भाई को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। उसके बाद पुलिस की ओर से शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जा रहा है कि दुकानदार अपने चार भाई और चार बहनों में छोटा था। उसके परिवार में बहन संगीता, प्रिया, मीरा, निक्की, भाई चंदन, सिपाही और प्रेम शंकर केशरी है। उनकी मां वेजांती देवी की मृत्यु कुछ वर्ष पूर्व हो गई थी। घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है।

तिलक समारोह से लौट रहे चाचा-भतीजे बाइक सहित नहर में गिरे, चाचा की मौत



आरा। आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव के बंगला पुल के समीप मंगलवार की सुबह तिलक समारोह से लौट रहे चाचा-भतीजे बाइक सहित नहर में गिर पड़े। उसमें चाचा की मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बसौरी गांव निवासी 66 वर्षीय जमादार राम थे। जख्मी भतीजा सोमारू राम का 25 वर्षीय पुत्र विकास कुमार है। उसका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि जमादार राम अपनी भांजी के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को अपने भतीजे विकास कुमार के साथ जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सिअरुआं गांव से जमुआंव गांव गए थे। मंगलवार की सुबह चाचा-भतीजा बाइक से गांव लौट रहे थे। उसी दौरान बलिगांव गांव स्थित बंगला पुल पर सामने से आ रहे वाहन द्वारा चकमा दिये जाने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। उसमें दबने से जमादार राम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और बाइक चला रहा विकास कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया उसके बाद उसका इलाज निजी क्लीनिक में कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे। पुलिस भी पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। हादसे के बाद उनके घर में कोहराम मचा है। बताया जा रहा है कि जमादार राम के परिवार में पत्नी दुलेश्वरी देवी, तीन पुत्री और तीन पुत्र हैं। पत्नी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

सामाजिक समरसता के प्रतीक थे बाबू वीर कुंवर सिंह : अभिमन्यु सिंह



जहानाबाद । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की विजयोत्सव दिवस वीर कुंवर सिंह विकास मंच के तत्वाधान में मंगलवार को ग्राम कुम्हवां में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिमन्यु कुमार सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता ने किया। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए जदयू उपाध्यक्ष सह संगठन प्रभारी महेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में जिन कुछ तिथियों का विशेष महत्व है उसमें एक तिथि 23 अप्रैल है। 1858 में इसी दिन बाबू कुंवर सिंह ने लीग्रैंड को पराजित कर जगदीशपुर को पुन स्वतंत्र किया था इसीलिए प्रति वर्ष 23 अप्रैल को विजयोत्सव दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिस उम्र में लोग घर में आराम करते हैं, उस उम्र में वीर कुंवर सिंह ने गुलामी के खिलाफ हथियार उठाया था। वे सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में अभिमन्यु कुमार सिंह ने कहा वीर कुंवर सिंह का प्रभाव क्षेत्र बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर समेत बिहार के शाहाबाद, मगध प्रमंडल, दानापुर और समूचा चंपारण था। इन इलाकों की विभिन्न जातियों और अल्पसंख्यक लोगों के वे महानायक थे। बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही और महानायक थे। अन्याय विरोधी व स्वतंत्रता प्रेमी बाबू कुंवर सिंह कुशल सेना नायक थे। इनको 80 वर्ष की उम्र में भी लड़ने तथा विजय हासिल करने के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर सुरेश सिंह ,गिरिस सिंह, पिंटू सिंह, सचिन सिंह, चंदन सिंह ,सोनू सिंह, चीकू सिंह, बैजनाथ सिंह, विकास राणा, सनी सिंह, नवीन ,सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

वीर योद्धा बाबू कुंवर सिंह के आगे अंग्रेज टेकते थें घुटने : डॉ. मनीष रंजन

बिक्रकगंज (रोहतास)। मंगलवार को वीर योद्धा बाबू कुंवर सिंह का काराकाट विधानसभा के भावी प्रत्याशी सह भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें याद कर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण किया। अवसर पर उन्होंने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

आज पूरे देश सहित विदेशों में भी उनकी बहादुरी की कहानी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। ज्ञात हो कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा वीर कुंवर सिंह का जन्म 13 नवंबर 1777 को बिहार के भोजपुर जिले के जगदीशपुर गांव में हुआ था। इस महासमर में तलवार उठाने वाले इस योद्धा की उम्र उस समय 80 वर्ष की थी। इस महान योद्धा ने ब्रिटिश सेना के कई कमांडरो को पराजित किया था। जिन्होंने अपने जीवनकाल में 23 अप्रैल को जगदीशपुर में कैप्टन ली ग्राड की सेना को युद्ध के मैदान में भारी शिकस्त दिया था। वीर कुंवर सिंह मालवा के सुप्रसिद्ध शासक महाराजा भोज के वंशज भी थे।

कुंवर सिंह के पास बड़ी जागीर थी. किन्तु उनकी जागीर ईस्ट इंडिया कम्पनी की गलत नीतियों के कारण छीन गयी थी। जिन्हें भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक के रूप में भी जाना जाता है। जो 80 वर्ष की उम्र में भी लड़ने तथा विजय हासिल करने का साहस रखते थे। साथ ही अन्याय विरोधी व स्वतंत्रता प्रेमी कुंवर सिंह कुशल सेना नायक थे। जिन्हें पूरा विश्व बाबू कुंवर सिंह के नाम से जानता हैं।

एनडीए लोकसभा प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने गांव-गांव किया जनसंपर्क अभियान

काराकाट (रोहतास)। काराकाट लोकसभा क्षेत्र के पूर्व केंद्रीय मंत्री सह काराकाट लोक सभा क्षेत्र के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा का मंगलवार को काराकाट प्रखंड के दर्जनों गांवों का दौरा किया गया । गांव के किसानों मजदूरों , गरीबों से लेकर सभी वर्ग के साथ बैठक कर उनकी समस्या सुनी लोगों ने उन्हें समर्थन देने पर राजी हुए । पूर्व केंद्रीय मंत्री सह काराकाट संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बार मोदी जी की सरकार बनाने का लोंगो से अनुरोध किया ।बतादेंकि जनसंपर्क अभियान बाराडीह पंचायत के गांव विशुनपुर, बाराडीह, सुकहरा, चिल्हा टोला, चिल्हा में जन संपर्क किया गया । मोदी जी के नेतृत्व में पुनः देश में सरकार बनाने का लोगों ने समर्थन किया । जनसम्पर्क अभियान में आरएलएम जिलाध्यक्ष कपिल कुमार, वीरेंद्र तिवारी, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अजीत सिंह, अखिलेश सिंह, जदयू जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा,दिनेश कुमार, चन्द्रमा सिंह,सिगासन सिंह,बबन सिंह , विकास कुमार, सोनू कुमार, अनिल कुमार, रास बिहारी साव, राजू मेहता, रामसुंदर साव, सहित कई थे।



खबरें फटाफट

राजग के प्रत्याशी ने दिनारा में किया जनसंपर्क

दिनारा(रोहतास)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी ने जनसंपर्क सह आशीर्वाद यात्रा के तहत दिनारा विधानसभा की सूरजपूरा मंडल में कई गांवों का दौरा किया। करमा, रतनपटी, शिवोबहार, कल्याणी, सुरजपुरा में जन संवाद के क्रम में पुनः एक बार मोदी सरकार बनाने का आग्रह किया। कहा कि मोदी जी को सपनों को साकार करने और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए सभी को प्रयास करना होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के उपाध्यक्ष मंगलानंद पाठक, पंकज सिह, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन चंद्र शाह, प्रभारी संतोष शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा, लोक जनशक्ति पार्टी जदयू राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, दो जख्मी

नसरीगंज (रोहतास)। इटिम्हा दनवार पथ पर थाना क्षेत्र के कैथी गांव के पास एक ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, बाइक सवार दो लोग जख्मी हो गए हैं। दोनों जख्मी को स्थानीय लोगों के सहयोग से रेफरल अस्पताल नासरीगंज में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि मंगरांव निवासी अनिल सिंह पिता कृष्णा सिंह, नुआंव टोला निवासी नागेंद्र राम पिता रामस्वरूप राम एक हीं बाइक पर सवार होकर कछवां से नासरीगंज की ओर जा रहे थे, इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक ने कैथी गांव के समीप टक्कर मार दी। जिसमें दोनों बाइक सवार जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए नजदिक के अस्पताल ले जाया गया। गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।

चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव वार्ड नंबर पांच की मंगलवार की सुबह की घटना

जमीन के विवाद में रिटायर इंजीनियर की गोली मारकर हत्या, आरोपित बड़ा भाई गिरफ्तार

- 18 बीघे जमीन को लेकर दोनों भाइयों के बीच पिछले दस साल से चल रहा था विवाद
- भांजे की शादी में बहन के घर गये थे दोनों भाई, विवाद के बाद बड़े भाई ने ताबड़तोड़ मार दी गोली
- गड़हनी के नीम मोहल्ले से पकड़ा गया हत्या का आरोपित भाई सह रिटायर शिक्षक

केटी न्यूज/आरा



दो बेटी और एक बेटे से छीना पिता का प्यार, पत्नी का उजड़ा सुहाग

जमीन विवाद में हत्या के बाद रिटायर इंजीनियर के घर में रोना-धोना मचा है। हत्या से जहां उनके तीन बेटे बेटियों के सर से पिता का साया उठ गया, वहीं उनकी पत्नी रइसा खातून का सुहाग उजड़ गया। बताया जा रहा है कि उनके परिवार में पत्नी रईसा खातून, पुत्री अतिया परवीन, गौसिया और पुत्र सुजात अली है। पत्नी रईसा खातून सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव में मंगलवार की सुबह जमीन के विवाद में रिटायर शिक्षक द्वारा अपने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भांजे की शादी में बहन के घर विवाद के बाद बड़े द्वारा छोटे भाई पर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दी गयी। पेट और सीने सहित अन्य जगहों पर गोली लगने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव निवास 62 वर्षीय मो. लियाकत अली थे। वह पथ निर्माण विभाग के रिटायर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर थे और करीब दो साल पूर्व झारखंड के चतरा से रिटायर हुए थे। वह पिछले कुछ सालों से पटना के फुलवारी शरीफ में मकान बनाकर रहते थे। हत्या का आरोप उनके बड़े भाई रिटायर शिक्षक अब्दुल अजीज पर लगा है। सूचना मिलने पर पहुंची चरपोखरी पुलिस द्वारा आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में इस्तेमाल लाइसेंसी राइफल, पांच गोली और आठ खोखे बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच करीब 18 बीघे जमीन को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। दोनों भाई भांजे की शादी में बहन के घर गड़हनी नीम मोहल्ला पहुंचे थे। मंगलवार की सुबह दोनों के बीच कुछ विवाद हुआ। उसके बाद बड़े भाई द्वारा छोटे भाई को गोली मार दी गयी गयी।? उसमें उनकी घटनास्थल पर मौत हो गई। इधर, ताबड़तोड़ फायरिंग और हत्या की घटना से पूरे मोहल्ले में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर प्रशिक्षु डीएसपी कन्हैया कुमार और चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और आरोपित बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रेस बयान जारी कर बताया गया है कि संपत्ति विवाद में मंगलवार की सुबह बड़ौरा गांव निवासी अब्दुल अजीज द्वारा गड़हनी में अपने भाई लियाकत अली की गोली मार कर हत्या कर दी गई। आरोपित अब्दुल अजीज को नीम मोहल्ले से ही गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल लाइसेंसी राइफल, पांच गोली और आठ खोखे बरामद कर लिए गए हैं।

जमीन के लिए दुश्मन बना सगा भाई, नाश्ता करने के दौरान छोटे के सीने में दाग दी गोली

18 बीघे जमीन के लिए अपना सगा भाई ही दुश्मन बन गया। उसने बहन के घर नाश्ता कर छोटे भाई के सीने में गोलियां दाग दी। घटना के बाद भी वह काफी देर तक वहीं बैठा रहा। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच करीब 18 बीघा खेत के बंटवारे का विवाद है। करीब दस वर्षों से दोनों में झगड़ा चल रहा था। उसी विवाद में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। परिजन मुंतसीर अली ने बताया कि रिटायर इंजीनियर के भांजे शोएब अख्तर की शादी थी। 20 अप्रैल को बारात और 22 अप्रैल को बहुभोज था। उसको लेकर दोनों भाई शादी में शामिल होने गड़हनी नीम मोहल्ला स्थित बहन के घर आये थे। घर के अन्य सदस्य भी शादी समारोह में आये थे। हालांकि बहुभोज के बाद सभी अपने गांव बड़ौरा लौट गये थे। लेकिन उसके चाचा लियाकत अली बहन के घर ही ठहर गये थे। मंगलवार की सुबह उसके चाचा लियाकत अली बहन घर पर बैठकर नाश्ता कर रहे थे। तभी उसके बड़े चाचा अब्दुल अजीज अपना लाइसेंसी राइफल लेकर पहुंच गए और अपने भाई पर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दी। हत्या करने के बाद वह वहीं पर बैठे रहे। उन्होंने बताया कि दोनों चाचा के बीच 18 बीघा खेत के बंटवारे के विवाद था। उसी विवाद में हत्या की गयी है। वहीं दूसरी ओर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी तथ्यों को देखा जा रहा है।

सुबह सैर को निकली महिला की अज्ञात वाहन की ठोकर से मौत



जहानाबाद। सुबह सैर को निकली एक महिला अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना एकंगरसराय -जहानाबाद मार्ग पर औलिया चक के समीप मंगलवार की सुबह पेश आया। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायल महिला को चिकित्सार्थ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र काको में भर्ती कराया जहाँ चिकित्सकों ने जांच के उपरांत महिला को मृत घोषित कर दिया। मृत महिला की शिनाख्त काको बाजार निवासी संजय साब की पत्नी सुनीता देवी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगो से मिली जानकारी के अनुसार मृत महिला प्रत्येक दिन की भांति मंगलवार को भी मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थी जहां वह मॉर्निंग वाक कर अपने घर को लौट रही थी। इसी बीच औलियाचक के समीप एक अनियंत्रित गति से आ रहे बाईक सबार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई । वही घटना के उपरांत बाईक सवार वहां से भागने में सफल रहा। वही मौत की सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया सभी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौप दिया।

मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर दो पर लगा जुर्माना



केटी न्यूज/दावथ (रोहतास)

प्रखण्ड दावथ अंतर्गत बिजली चोरी के विरुद्ध छापेमारी एवं मीटर गुणवत्ता की जांच को लेकर एक टीम गठित किया गया, जिसमें कनीय विद्युत अभियंता दावथ अर्जुन कुमार एवं अन्य विद्युत कर्मी मौजूद थें । जांच दल द्वारा ग्राम सेमरी टोला में निरीक्षण किया गया । जिसमें पाया कि मीटर बाइपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी करने को लेकर चंदा देवी पर 33 हजार 011, ग्राम छितनी में घुघली साह पर 32 हजार 547 रुपये दंडित राशि लगाई गई है । ऊक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाइपास करने के कारण वास्तविक पठन अवरुद्ध हो रहा था । जेई दावथ अर्जुन कुमार के द्वारा बताया गया कि शीर्ष कंपनी के आदेशानुसार यह अभियान चलाया जा रहा है तथा आगे भी अभियान जारी रहेगा । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार कुमार के द्वारा बताया गया कि शीर्ष कंपनी के आदेशानुसार मीटर गुणवत्ता की जांच हेतु घर- घर जाकर मीटर की जांच की जा रही है । जिसमें अवैध रूप से बिजली चोरी या मीटर बाईपास कर बिजली का उपयोग कर रहे उपभोक्ताओं पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है । छापेमारी दल में क्षेत्रीय मानवबल मिस्त्री गुंजन कुमार, रवि कुमार सिन्हा मौजूद थे ।





गाजीपुर की पहचान पहले अपराध एवं अपराधियों से होती थी: नीरज शेखर

- विधानसभा मुहम्मदाबाद चुनाव संचालन समिति की बैठक संपन्न
- कार्यकताओं से की अपील- आप सभी पूरी मेहनत से प्रधानमंत्री के 400 पार के वादे पूरा करें को

केटी न्यूज /गाजीपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने विधानसभावार तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए विधानसभा मुहम्मदाबाद चुनाव संचालन समिति की बैठक सोमवार को एक निजी मैरेज हाल में हुई। बैठक की शुरूआत मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीन दयाल



उपाध्याय के चित्र पर पुष्पार्चन के बाद दीप प्रज्वलित कर के किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद व बलिया लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी नीरज शेखर ने कहा कि पहले गाजीपुर की पहचान अपराध और अपराधियों से होती थी, लेकिन आज चारों तरफ विकास की चर्चा हो रही है। आने वाले समय में इसकी पहचान उद्योग धंधों से होगी। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय चंद्रशेखर जी का कहना था कि ऐसे अपराधियों की पैठ बलिया में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बलिया लोकसभा क्षेत्र की मुहम्मदाबाद विधानसभा का विशेष महत्व है। यहां का संदेश प्रदेश और देश में जाएगा। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से अपील किया कि आप सभी पूरी मेहनत से प्रधानमंत्री के 400 पार के वादे को पूरा करें। नीरज शेखर ने कहा मैं किसी से डरने वाला नहीं हूं और इस बार हमारी इच्छा है कि मुहम्मदाबाद विधानसभा में भारी मतों से हमारी जीत हो। लोकसभा संचालन समिति के संयोजक राजीव मोहन चौधरी ने कहा कि संचालन समिति के सभी सदस्य जिनको जो भी दायित्व सौंपा गया है। उसमें अभी से पूरे मनोयोग से जुट जायें। इस बैठक में गाजीपुर लोकसभा के संयोजक कृष्ण बिहारी राय, लोकसभा के सह संयोजक जितेंद नाथ पांडेय, विधानसभा प्रभारी संदीप सिंह, युवा भाजपा नेता पीयूष राय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि आनंद राय मुन्ना, ब्लाक प्रमुख अवधेश राय, अजिताभ राय, वीरेन्द्र राय, विनोद अग्रवाल, प्रमोद राय, दिनेश वर्मा, शशांक राय, अनिल राय मुन्ना,आनन्द कुमार त्रिपाठी, कृपाशंकर राय, सतीश राय, रविन्द्र नाथ राय, अश्वनी राय, दिनेश वर्मा, आनंद मोहन मिश्रा, रोहित त्रिपाठी, ऋषभ राय, सतीश राय आदि मौजूद रहे।संचालन विधानसभा संयोजक श्यामराज तिवारी व अध्यक्षता विजय शंकर राय ने किया।

एक नजर

नकली दवा के बिक्री की शिकायत पर डीएम गंभीर, दुकान पर छापेमारी

बलिया। बगैर लाइसेंस के मेडिकल स्टोर चलाने और नकली दवा की बिक्री करने की शिकायत को जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने गंभीरता से लिया है। डीएम के निर्देश पर औषधि निरीक्षक सिद्धेश्वर शुक्ल ने सम्बंधित दुकान पर मंगलवार को छापेमारी की। कागजातों का निरीक्षण किया और अलग-अलग दवाओं के चार नमूने लिए। डीएम और सीएमओ के निर्देश पर औषधि निरीक्षक श्री शुक्ल ने



दुकान पर टीम के साथ छापेमारी की। मेडिकल स्टोर के लाइसेंस, खरीद की गई दवाओं की बिल, स्टॉक रजिस्टर व अन्य कागजातों की जांच की। जांच में मेडिकल स्टोर का लाइसेंस वैध पाया गया। औषधि निरीक्षक ने दुकान से अलग-अलग चार दवाओं के नमूने लिए जिसे दुकानदार के समक्ष की सीलबंद किया गया। इसके बाद टीम ने ताड़ीबड़ागांव में पवन मेडिकल स्टोर, भीमपुरा थानाक्षेत्र के उधरन चट्टी पर चौहान मेडिकल व राहुल मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। टीम ने सभी दुकानदारों को दवाओं की खरीद व बिक्री की रसीद रखने, स्टॉक रजिस्टर व साफ सफाई के निर्देश दिए गये। टीम में वरिष्ठ लिपिक रविशंकर पाण्डेय उपस्थित थे।

कदम चौराहा पर पूर्व मंत्री बच्चा पाठक की मनाई गई सातवीं पुण्यतिथि

बलिया। पूर्व मंत्री बच्चा पाठक की पुण्यतिथि मंगलवार को आयोजित कदम चौराहा पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सभा प्रत्याशी नीरज शेखर ने उनके चित्र पर



माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। तथा उन्होंने ने कहा कि संघर्ष व चुनौतियों से जूझते हुए स्व. पाठक ने सियासत के धरातल पर जमीन तैयार किया स्व. पाठक का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता सियाराम यादव ने कहा कि स्व बच्चा पाठक कार्यकताओं के लिए हमेशा तत्पर रहते थे इस मौके पर अखिल ब्राह्मण एकता परिषद के जिला अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा, सभासद ददन यादव, पप्पू , पूर्व ब्लाक प्रमुख अनिल पाण्डेय, नगर पालिका परिषद बलिया अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल गुप्ता, विरेन्द्र कुमार पाठक टुन जी, अशोक पाठक, हरेंद्र गोंड,सौरभ पाठक, शंकर जी,मनु पाण्डेय, संजय चौबे, दिलिप यादव,अभिषेक सोनी, जितेन्द्र राय ,डा धर्मेंद्र, अमिताभ उपाध्याय, पूर्व प्रधान पिन्टु सिंह, धर्मवीर सिंह अमित गिरी आदि थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष तिवारी ने किया।

बिजली के पोल पर लटके बैनर उड़ा रहे आचार संहिता की धज्जियां

चंदौली। जनपद मे लोकसभा के चुनाव का बिंगुल बच चुका है। आचार संहिता लागू होते हैं नगर पंचायत की ओर से जगह-जगह लगाए होते हटा दिए गए हैं,लेकिन वार्ड नंबर 8 के सर्विस रोड पर बिजली के पोल पर लगाया गया होर्डिंग आज भी आचार संहिता का खुला उल्लंघन प्रदर्शित कर रही है। जनपद में लोकसभा चुनाव का बिंगुल बज चुका है। चुनावी शंखनाद होने के बाद ही प्रत्याशी प्रचार प्रसार में लग गए हैं। वहीं जिला प्रशासन की ओर से भी प्रचार प्रसार के सामग्रियों पर विशेष



ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन कुछ इसी तरह का नजारा वार्ड आठ के सर्विस रोड के किनारे विद्युत के पोल पर एक प्रत्याशी का आज भी होर्डिंग लगा हुआ है। जहां नगर पंचायत प्रशासन ने नगर के प्रमुख स्थानों के साथ-साथ पूरे बाजार में होर्डिंग हटा दिया, लेकिन अध्यक्ष के आवास के पास विद्युत पोल पर लगी होर्डिंग साफ तौर पर आचार संहिता के उल्लंघन करती नजर आ रही है। इसके बाबत नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार से बात की गई थी। उन्होंने कहा कि तत्काल होर्डिंग हटा दिया जाएगा। आचार संहिता का पालन हर हाल में कराया जाएगा।

खबरें फटाफट

गाजीपुर में बेकाबू डंफर से कुचलकर पिता-पुत्री की मौत

गाजीपुर। जनपद के मरदह थाना अंतर्गत नेशनल हाई-वे -24 पर मंगलवार की दोपहर महेगवा गांव के पास तेज रफ्तार बेकाबू डंफर की जद में आने से बाइक सवार पिता -पुत्री की कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक डंफर लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त उनके पास रखे आधार कार्ड से किया। मृतकों की पहचान आजमगढ़ के मुबारकपुर निवासी अफजाल अहमद (62) और उनकी पुत्री आसिया खातून (27) के रूप में की। पिता अफजाल अहमद अपनी पुत्री आसिया खातून का बीएमएस में एडमिशन कराने के लिए रुपये लेकर गाजीपुर जा रहे थे।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतकों के पास से पुलिस ने नकदी भी बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाने ले गई, जहां पुलिस मृतकों के परिवारजनों को सूचित करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। थानाध्यक्ष मरदह धर्मेंद्र कुमार पांडेय ने बताया मृतकों की शिनाख्त आजमगढ़ के मुबारकपुर निवासी के रूप में हुई है। डंफर से कुचलकर पिता पुत्री की मौत हो गई है। दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया जा रहा है। घटना के बारे में परिवारजनों को सूचित कर दिया गया है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

बलिया। दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर गांव में मंगलवार को करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। इसके बाद युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। बता दे कि दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर निवासी रोजा अली (18) पुत्र अकबर अली मंगलवार की सुबह अपने दरवाजे के बगल में सहजन तोड़ने के लिए टेंट का पाइप लेकर पेड़ पर चढ़ा था। इसीबीच वह असंतुलित होकर पाइप के साथ गिर गया और दुर्भाग्य वश लोहे की लोहे की पाइप एचटी विद्युत तार के संपर्क में आ गई। जिससे वह अचेत हो गया। आनन फानन में लोग उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया गया। मृतक दो भाइयों ने छोटा था।

गाजीपुर लोकसभा सीट: भाजपा को खोई जमीन की तलाश

'भाजपा' की जीत या 'सपा' करेगी किला फतह

- गाजीपुर लोकसभा सीट पर रहा है सपा का कब्जा

अखिलानंद तिवारी/ गाजीपुर

पिछले लोकसभा चुनाव में असफलता का मुंह देख चुकी भाजपा इस बार गाजीपुर लोकसभा सीट पर खोई हुई जमीन वापस लेने के लिए जी जान से जुटी है। भाजपा ने विलंब से सही, लेकिन अपने ईमानदार व कर्मठ व्यक्तित्व वाले प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा ने बड़ी उम्मीद के साथ चुनाव मैदान में पारसनाथ राय को उतारा है। वह इस सीट पर'कमल का फूल' खिलाने में लगे हैं। पारसनाथ राय का सामना वर्तमान बसपा सांसद व सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी से होना तय माना जा रहा है। इस बार गाजीपुर लोकसभा सीट पर साइकिल की जीत होगी या कमल का फूल खिलेगा यह तो आने वाला समय बताएगा।

देखा जाए तो सपा और भाजपा के दिग्गज सीट पर जीत हासिल करने के लिए नए पैंतरे ईजाद करने में लग गए हैं। चर्चा है कि सपा और भाजपा भी इस बार जन बल के साथ धन झोंकने में भी कोई गुरेज नहीं करेंगे। इसकी पूरी तैयारी की जा रही है। पूर्वांचल पर नजर डालें तो गाजीपुर लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी का पूर्व में कब्जा रहा है। इस बार सपा और भाजपा आमने-सामने चुनौती पूर्ण चुनाव लड़ेंगे। सपा और भाजपा दोनों जीत दर्ज कर अपनी खोई जमीन की तलाश में हैं। भाजपा पिछले चुनाव



वर्ष 2019 का चुनाव परिणाम

अफजाल अंसारी	बसपा	5, 66, 082
मनोज सिन्हा	भाजपा	4,46,690
रामजी राजभर-सुहेलदेव	भाकपा	33,868
अजीत प्रताप कुशवाहा	कांग्रेस	19, 834

में यह सीट हार चुकी है और इस चुनाव में हर हाल में फतह करना चाहती है।

वर्ष 2004 में पहली बार गाजीपुर में सपा अफजाल अंसारी ने जीत दर्ज की

बताते चलें कि सांसद अफजाल अंसारी ने आखिरकार



बसपा छोड़कर फिर से साइकिल की सवारी की है। सपा मुखिया ने उन्हें गाजीपुर संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाया है। इससे राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। अब अफजाल अंसारी 35 वर्ष पुराने रिकॉर्ड की बराबरी का सपना देख रहे हैं। इस अवधि में कोई भी प्रत्याशी लगातार दो बार चुनाव नहीं जीत सका है।

गाजीपुर लोकसभा सीट के चुनावी रिकॉर्ड पर नजर डालें तो पिछले साढ़े तीन दशक में कोई भी सांसद लगातार दूसरी बार जीत दर्ज नहीं किया है। पिछली बार मनोज सिन्हा के सामने इस परिपाटी को तोड़ने की बड़ी चुनौती थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। मनोज सिन्हा को भी हार का सामना करना पड़ा था।

सनद रहे कि इस सीट पर आखिरी बार कांग्रेस नेता जैनुल बशर लगातार दो बार 1980 और 1984 का चुनाव जीते थे। 1989 से कोई भी उम्मीदवार किसी न किसी कारण के चलते अपनी जीत का सिलसिला कायम नहीं रख पाया।

गाजीपुर लोकसभा सीट पर मनोज सिन्हा पहली बार 1996 में भाजपा के टिकट पर संसद पहुंचे थे, लेकिन 1998 का चुनाव वह हार गए। 1999 में गाजीपुर से दोबारा चुनाव जीते थे। 2004 में उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ा। वह लगातार दो बार चुनाव नहीं जीत सके।

2014 में मनोज सिन्हा इस सीट से तीसरी बार सांसद चुने गए, लेकिन अगला चुनाव 2019 में उन्हें अफजाल अंसारी ने 1,19,392 वोटों के अंतर से हरा दिया। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में राधेमोहन सिंह को सपा से टिकट नहीं मिला था। लिहाजा वह दूसरी बार चुनाव नहीं लड़ सके। 1989 में जगदीश कुशवाहा निर्दलीय और 1991 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विश्वनाथ शास्त्री चुनाव जीते थे। लेकिन ये दोनों दूसरी बार संसद नहीं पहुंच पाए थे। 2019 के चुनाव में बसपा के टिकट पर चुनाव जीतने वाले अफजाल अंसारी इस बार सपा से किस्मत आजमाएंगे। वह 35 वर्ष पुराने रिकॉर्ड की बराबरी करने का सपना देख रहे हैं। उधर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व गाजीपुर सीट पर नजर गड़ाए हुए है। भाजपा से पारसनाथ राय दल की खोई जमीन को वापस छिनने की फिराक में हैं।

अब तक पांच बार विधायक और दो बार सांसद चुने गए अफजाल अंसारी

गाजीपुर। जनपद में पांच बार विधायक और दो बार सांसद चुने गए अफजाल अंसारी 1985 में मुहम्मदाबाद विधानसभा से पहली बार भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी से विधायक बने थे। इसके बाद वर्ष 1996 तक लगातार पांच बार विधानसभा में पहुंचते रहे। वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में अफजाल अंसारी हार गए। उन्हें भाजपा के कृष्णानंद राय ने हराया था। पुनः 2004 के लोकसभा चुनाव में उन्हें गाजीपुर संसदीय सीट से समाजवादी पार्टी ने पहली बार टिकट दिया था। इस चुनाव में अफजाल अंसारी ने भाजपा के खिलाफ जीत दर्ज की। इसके बाद अफजाल 2009 और 2014 में चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। 2019 में सपा-बसपा गठबंधन से भाजपा के सांसद मनोज सिन्हा को हराकर लोकसभा में पहुंचे थे। अब 2024 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा से पारसनाथ राय चुनाव मैदान में खड़े हैं। दूसरी तरफ सपा व कांग्रेस गठबंधन से अफजाल अंसारी सपा के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि बसपा के उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में उतर गए हैं। लेकिन इस बार कांटे की टक्कर सपा एवं भाजपा के बीच मानी जा रहे हैं देखना है गाजीपुर लोकसभा सीट पर साइकिल रफ्तार आगे रहती है या कमल का फूल खिलता है।

हीट स्ट्रोक और तेज बुखार आए तो बरतें सावधानी : सीएमओ

केटी न्यूज/बलिया

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। गर्मी शरीर की रोग - प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित करता है। पाचन और त्वचा संबंधी समस्याओं के साथ ही मौसमी फ्लू और संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। यहाँ तक की अस्पतालों में कई तरह की बीमारियों से पीड़ित रोगियों की तादाद का क्रम भी बढ़ने लगा है। ऐसे में रोगों के नियंत्रण को लेकर स्वास्थ्य महाकमा ने आमजन से गर्मी को लेकर एहतियात बरतने की अपील की।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० विजय पति द्विवेदी ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में डायरिया, उल्टी, पीलिया, टाइफाइड, वायरल फीवर, आँखो का लाल होना, त्वचा में जलन होना आदि इस तरह के बीमारियां होती है। इन सब से बचने के लिए लोगों को कई तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए। किसी भी



व्यक्ति में इन बीमारियों के लक्षण नजर आए तो शीघ्र ही नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र पर जाना चाहिए और चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की सलाह से ही उपचार करना चाहिए। सीएमओ ने बताया कि हर मरीज जो जिला अस्पताल में आ रहे हैं वह हीट वेब के मरीज नहीं है बदलते

एहतियात ही बड़ा बचाव



बलिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि लोगों को घर से निकलने से पहले पानी पीकर निकलना चाहिए और थोड़े-थोड़े समय पर पानी पीते रहना चाहिए। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती। शुद्ध व ताजा भोजन का प्रयोग करने के अलावा भोजन बनने के तीन घंटे बाद बचे हुये भोजन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बाजार में खुले में रखे हुए खाद्य पदार्थ का सेवन न करें, पूरे शरीर को ढककर ही घर से निकले इसके साथ ही धूप के चश्मे का प्रयोग करे।



तहसील प्रांगण में गाली-गलौज व मारपीट करने का है मामला

सिकंदरपुर तहसील में तालाबंदी कर कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार

- आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की
- 24 घण्टे में मुकदमा दर्ज नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

केटी न्यूज/बलिया

मंगलवार को अपने कर्मचारी साथी के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर तहसील कर्मचारी, लेखपाल संघ, राजस्व निरीक्षक, लिपिक सवर्ग व पटल सहायक, संविदा कर्मचारी संघ ने संयुक्त रूप से सिकंदरपुर तहसील में ताला बंद कर कार्य बहिष्कार किया और तत्काल



एफआईआर दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी करने की मांग की। चेताया कि अगर 24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज व गिरफ्तारी नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन व्यापक स्तर पर करने के बाध्य होंगे। इसके पूर्व ज्ञापन सौंपा। आपको बता दे कि मंगलवार को मनियर थाना क्षेत्र के पिलुई गांव निवासी अखिलेश गुप्ता पुत्र पारस गुप्ता द्वारा तहसीलदार सिंकन्दरपुर व उप जिलाधिकारी सिकंदरपुर के चेंबर के सामने खड़ा होकर गाली-गलौज किया जा रहा था। जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों ने मना किया तो अखिलेश गुप्ता ने कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज किया गया। जिसको लेकर कर्मचारियों आक्रोशित हो गए और सभी कर्मचारी एकजुट होकर कार्य का बहिष्कार करते हुए तहसील प्रांगण तालाबंदी कर विरोध करने लगे और तहसील परिसर में पुलिस बल तैनात करने व दोषी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग करने लगे। चेताया कि अगर 24 घंटे के अंदर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो हम व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक संघ पूर्वी जोन अध्यक्ष राम पूजन राम, लेखपाल संघ अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, मंत्री प्रदीप कुमार, उमाशंकर राम, सियाराम यादव, गंगा प्रसाद पाण्डेय, विजय शंकर तिवारी, राकेश कुमार, परवेज अंसारी, सुनील सिंह, अर्पित गुप्ता, संजीव कुमार सिंह, लक्ष्मीकांत यादव, सुनील राम, सचिन यादव, इंद्रजीत यादव, रितेश सिंह, शशांक मिश्रा, प्रवीण वर्मा, विनय यादव, सौरभ यादव, अवनीश रंजन आदि रहे। इस बाबत उप जिलाधिकारी सिकंदरपुर रवि कुमार ने कहा कि लेखपाल व कर्मचारी संघ द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया है। जिस पर थानाध्यक्ष सिकंदरपुर को एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने का निर्देश दे दिया गया है।

चंदौली में 1.65 करोड़ की लागत से होगा कान्हा गौशाला का निर्माण

- जिले के सबसे बड़े गौशाला में 500 पशुओं के रखने की होगी व्यवस्था
- गौशाला निर्माण के लिए पहली किश्त के रूप में मिली 82 लाख की राशि

केटी न्यूज/चंदौली



जनपद की सड़कों पर अब निराश्रित पशुओं को भटकना नहीं पड़ेगा। नगर पंचायत चंदौली में 1.65 करोड़ की लागत से कान्हा गौशाला का निर्माण कराया जाएगा। यह जिले में सबसे ज्यादा क्षमता वाला गौशाला होगा और इसमें 500 पशु रखे जा सकेंगे। इसके लिए पहली किश्त के रूप में 82 लाख रुपये मिल भी चुके हैं। वहीं गौशाला के निर्माण के लिए एक बीघा जमीन भी चिन्हित कर ली गई है, लेकिन निर्माण प्रक्रिया टेंडर होने के बाद भी अभी तक निर्माण प्रक्रिया में उलझी हुई है। अधिकारी की माने तो टेंडर होने के बाद ही निर्माण कार्य आरंभ हो जाना चाहिए, लेकिन चुनाव की घोषणा होन के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है।

जनपद में 24 गोवंश आश्रय स्थलों में 3081 बेसहारा पशु संरक्षित किए गए हैं। इनमें 17 आश्रय स्थल क्रियाशील हैं। इसमें दो स्थायी व 15 अस्थायी हैं। अक्रियाशील स्थल की संख्या पांच है। दो निजी गोशाला पंजीकृत हैं। विभाग की ओर से सभी गो आश्रय स्थलों में भूसा, चारा आदि की व्यवस्था की गई है, लेकिन पशुओं की संख्या अधिक व जमीन की कमी के कारण उनका समुचित संरक्षण नहीं हो पाता है। ऐसे में शासन ने गोवंश के बेहतर संरक्षण के लिए जनपद में दो कान्हा गौशाला का निर्माण कराए जाने का निर्देश दिया है, ताकि बड़ी संख्या में गोवंश का संरक्षण किया जा सके। साथ ही दस और गोशालाओं का निर्माण कराया जाना है। वहीं कैटिल कैचर की व्यवस्था की जानी है,ताकि बेसहारा पशुओं को पकड़कर आश्रय स्थलों में पहुंचाया जा सके।विभागीय अधिकारियों का कहना होगा निर्माण को एक बीघा जमीन चिन्हित कर लिया गया है। गौशाला के निर्माण के लिए कांशी राम आवास के समीप एक बीघा जमीन का चिन्हांकन नगर प्रशासन की ओर से कर लिया गया, लेकिन टेंडर होने के बाद भी निर्माण की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है।विगत माह पूर्व अपर मुख्य सचिव ने दिया था निर्देश बीते जुलाई माह में जिले के दौरे पर आए दुग्ध विकास, मत्स्य व पशुधन विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डा रजनीश दुबे ने निकायों के साथ ही जिले में दस अस्थाई गोशाला व दो कान्हा गौशाला का निर्माण कराने का निर्देश दिया था, ताकि गोवंश का संरक्षण किया जा सके।

क्या कहते हैं अधिकारी

नगर पंचायत के कान्हा गौशाला के निर्माण के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। धन भी अवमुक्त कर किया गया है, टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होने के कारण भी निर्माण कार्य आरंभ होने में विलंब हो रहा है। चुनाव बाद निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

– दिनेश कुमार, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत चंदौली

पानी टंकी परिसर छोटा होने के कारण हो रही परेशानी

नगर पंचायत की ओर से पुरानी बाजार के पानी टंकी परिसर में पशुओं को रखने के लिए व्यवस्था की गई, लेकिन जगह छोटा होने के कारण पशुओं के रखने में भारी परेशानी हो रही है। इससे देखते हुए नगर पंचायत की ओर से 500 पशुओं के रखने के लिए जल्द ही निर्माण कराया जाएगा। विभाग की ओर ट्रेडर की प्रक्रिया जल्द कर इसका निर्माण हो जाए तो सड़कों पर पशु दिखाई नहीं देंगे। इस समय कुल 106 पशु गौशाला में रखे गए है, लेकिन छोटी जगह होने के कारण कर्मचारी के साथ पशुओं को भी परेशानी हो रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में की मीडिया से बात, कांग्रेस पर बरसे

इंडी गठबंधन को डकैती डालने की छूट नहीं देगी देश की जनता: योगी

- बोले- दादी से लेकर पोते तक छह दशक से अधिक समय कांग्रेस लगाती रही गरीबी हटाओ का नारा लेकिन हटा नहीं पाई

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार देश के अंदर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' मोदी जी के कारण आया है। इसका सर्वाधिक लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को मिला है। कांग्रेस, सपा व अन्य कई दलों का इंडी गठबंधन मोदी जी की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपलब्धियों से बौखलाहट में है। इसी बौखलाहट के चलते कांग्रेस, सपा और उसके सहयोगी दल चुनाव में सामाजिक वैमनस्यता फैलाने की विभाजनकारी राजनीति पर आमादा हैं। जनता इनके मंसूबे को जानती है। इन्हें डकैती डालने की छूट नहीं देगी।

मंगलवार सुबह गोरखपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन छह दशक से अधिक शासन करने के बावजूद वह कभी गरीबी हटा नहीं पाई। छह दशक से अधिक समय तक 'दादी से लेकर पोते तक' इसी नारे से देश की जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मायने में अगर देखा जाए तो गरीबी हटाने और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ईमानदारी से, बिना भेदभाव हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में 25 करोड लोग गरीबी रेखा से उबरकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में चार करोड़ गरीब परिवारों को मकान मिला और अगले पांच साल में तीन करोड़ और लोगों को मकान देने का लक्ष्य भाजपा के संकल्प पत्र में दर्शित है। मोदी जी के शासन में गरीब कल्याण के कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है। इसमें बारह करोड़ घरों में शौचालय बने, 50 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट खोले गए, 80 करोड़ लोगों को चार साल से मुफ्त राशन की सुविधा मिल रही है, 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा का कवर मिला, 10 करोड़ गरीबों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन मिले, 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि का लाभ मिला। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों तक देश के अंदर सबसे अधिक समय तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने राज किया लेकिन उसके कुसाशन के चलते करोडों लोग मकान, बिजली, नल, इलाज की सुविधा, शौचालय, रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रहे। गरीबों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने की दोषी कोई और नहीं, कांग्रेस और उसके पार्टनर हैं। जबकि इन करोडों वंचितों के जीवन में खुशहाली लाने वाले पीएम मोदी हैं। सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में गरीब कल्याण की उपलब्धियां भाजपा सरकार के मूलमंत्र बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का साकार रूप हैं। कभी मोदी जी ने यह नहीं कहा कि ये मैंने किया। उन्होंने हमेशा कहा कि यह सबका विश्वास है, सबका प्रयास है। आज भी मोदी जी अपने भाषण में इस बात को कहते हैं की जनता को जो सबकुछ मिला है इसका श्रेय मुझे नहीं, जनता जनार्दन को है। क्योंकि, जनता जनार्दन ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार की कीमत को समझा है। अपने वोट को सही जगह दिया तो उसका लाभ सही तरीके से मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और समूचे इंडी गठबंधन पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की राजनीति करके इंडी गठबंधन देश के साथ धोखा और गद्दारी कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस का परिवार सुपर पीएम बना होता था तो उस समय के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किसके इशारे पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमान का है।

हनुमान जयंती पर मुख्यमंत्री ने की हनुमत महाप्रभु की आराधना



गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सुखदायक और शोकनाशक श्रीहनुमत महाप्रभु की विधि विधान से आराधना की। सभी नागरिकों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके अरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन के लिए प्रभु हनुमान से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम को गोरखपुर पहुंचे। गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने तथा अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेकने के बाद उन्होंने रात विश्राम गोरखनाथ मंदिर में किया। मंगलवार सुबह सीएम योगी की परंपरागत दिनचर्या में हनुमान जयंती पर विशेष आराधना भी शामिल रही। चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को होने वाले श्री हनुमत के प्रकटोत्सव के दिन उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में बजरंग बली की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और आरती उतारी। गोरखनाथ मंदिर में हनुमान जी के दो विग्रह स्थापित हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों विग्रहों के समक्ष आराधना कर हनुमान जी से लोकमंगल की प्रार्थना की।

हीट-वेव को लेकर डीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता ने हीट-वेव (लू) बचाव से संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दीं। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग लखनऊ द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार माह अप्रैल से जून तक अधिक तापमान बढ़ने की सम्भावना है। जिस के लिए हीट-वेव से बचाव के लिए शासन द्वारा कड़े दिशा निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपद में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने व रोस्टर के अनुसार विद्युत सप्लाई व निर्धारित समयान्तराल में खराब ट्रांसफार्मरों को बदले का निर्देश दिया। चिकित्सा विभाग द्वारा प्रभावित जनता के देखभाल के लिए अतिरिक्त स्टॉफ को प्रशिक्षित किया जाना तथा अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस के पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था करने, शिक्षा विभाग को स्कूली छात्र-छात्राओं को हीट-वेव (लू) से बचाव के लिए क्या करें क्या न करें के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर पालिकाओं/पंचायतों, ग्रामों, मलीन बस्तियों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, पशुओं के लिए चारा, पानी, छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। आपदा विशेषज्ञ ने सुझाव दिया कि पानी ,छाछ, लस्सी, नीबू पानी, आम का पन्ना, फलों के जूस, बेल का सर्बत, एवं नारियल के पानी का सेवन अवश्य करें।

एक नजर

औसतपुर गांव के पास मार्निंग वाक कर रहे वृद्ध को कार ने मारी टक्कर, मौत

मऊ। चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के आजमगढ़- गाजीपुर मार्ग पर औसतपुर गांव के पास मंगलवार की सुबह टहलने निकले वृद्ध को बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान आजमगढ़ जनपद के जहानागंज थाना क्षेत्र के ग्राम भोपतपुर का मौजा जफरपुर अदाई निवासी फेंकू राम (65) पुत्र बालचंद के रूप में हुई है। रोज की तरह फेंकू राम मंगलवार की सुबह घर से पैदल टहलने निकला था। वह कमालुद्दिनपुर स्थित पेट्रोल पंप तक जाने के बाद वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह मऊ आजमगढ़ सीमा बॉर्डर स्थित औसतपुर गांव के पास पहुंचा, इसी बीच उसके पीछे से गाजीपुर की तरफ से आजमगढ़ की तरफ जा रही तेज रफ्तार अज्ञात कार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर- ट्राली से जा टकराए। हादसे में सिर में गंभीर चोट आने के कारण फेंकू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष संजय कुमार त्रिपाठी ने परिजनों को बुलाने के बाद शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि फेंकू अपने पांच भाईयों रमाशंकर, शिवशंकर, बिजई और सुरेन्द्र में सबसे बड़ा था। उसके दो लड़के आशीष और वशिष्ठ तथा दो लड़कियां कंचन और सोनम हैं।

कटघरा महलु गांव में बगीचे में सो रहे वृद्ध की गला रेतकर हत्या, पसरा मातम

मऊ। जनपद के मधुबन थाना क्षेत्र के कटघरा महलु गांव में मंगलवार की तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों को पता चला कि गांव के बाहर स्थित बगीचे में एक वृद्ध की गला रेत कर हत्या कर दी गई है। हत्या की खबर पहुंचते ही परिजनों मे मातम पसर गया। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार कटघरा महलू गांव निवासी बाबू राय (75) पुत्र स्व. केशव राय रोज की भांति भोजन के बाद सोमवार की गई देर शाम गांव के पश्चिम दिशा स्थित अपने बगीचे में सोने चला गया। मंगलवार की सुबह बाबू राय का इकलौता पुत्र अरविंद राय बगीचे में पहुंचा तो देखा पिता अपने बिस्तर पर खून से लथपथ मृत पड़े थे। पिता को खून से लथपथ देख बेटा दहाड़ मारकर रोने लगा। बिलखते हुए अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आनन फानन पुलिस को सूचना दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को जानकारी दी। छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। इस मामले में मधुवन प्रभारी रविंद्र नाथ राय का कहना है कि मामला संज्ञान में है। अभी तक तहरीर नहीं मिली है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कृष्णा इंटर कालेज में मेघावी छात्र छात्राएं सम्मानित



मऊ। परदहां ब्लाक क्षेत्र के ताजपुर स्थित कृष्णा इंटर कालेज में सोमवार को यूपी बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल तथा इंटर में पास हुए मेघावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य तेजबहादुर यादव ने कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर किया इसके बाद स्कूल के निदेशक विजय यादव ने सभी उतीर्ण छात्र छात्राओं को बधाइयां दी। । इस अवसर पर स्कूल के सभी मेघावी छात्र छात्राओं को मेडल,शील्ड ट्राफी देकर सम्मानित किया इस दौरान छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर मनमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्य तेजबहादुर यादव ने कहा कि आज का युवा शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। ऐसे युवाओं को प्रत्येक वर्ष सम्मानित किया जाता है।

कलयुगी पति ने पत्नी को मौत के घाट उतारा

केटी न्यूज/बलिया

नगरा थाना क्षेत्र के चन्द्रवार दुगौली निवासी सुमंत गुप्ता ने नरही थाने में तहरीर देकर अपने ही पिता राजू गुप्ता पर अपनी पत्नी को लाठी डंडे से पीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने पिता के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया है। उधर दाह संस्कार करने को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे मृतक के मायके वाले व मृतका के बेटे के बीच हाथापाई भी हुई। अंत में पोस्टमार्टम के बाद बेटे को शव सुपुर्द किया गया। जिसके बाद महावीर घाट पर महिला का अंतिम संस्कार किया गया। तहरीर में सुमंत गुप्ता ने उल्लेख किया है कि मैं करीब दो माह से अपनी पत्नी के साथ अपने ससुराल नरही थाना के बसंतपुर में रहता हूँ। मेरे पिता राजू गुप्ता पुत्र हरिहर गुप्ता करीब 15 दिन से नरही थाना के लक्ष्मणपुर गांव निवासी भरत चौरसिया के मकान में किराये पर कमरा लेकर मेरी मां कुमकुम देवी 45 वर्ष के साथ रहने लगे। मंगलवार को मेरी मां कुमकुम देवी करीब बजे दिन में मुझसे मिलने मेरे ससुराल बसंतपुर में आयी थी। शाम को करीब साढ़े छह बजे मेरे पिता राजू गुप्ता मेरे ससुराल आए और मेरी माँ को साथ में ले जाने की जिद्द करने लगे। चूंकि मेरे पिता शराब पीकर हमेशा मेरी मां को मारते-पीटते थे। इसलिए हम लोग ले जाने से मना किया। लेकिन वह नहीं माने और मेरी माँ को लेकर साथ मे चल गए। रात करीब आठ बजे पता चला कि मेरे पिता मेरी मां से झगड़ा किए और लाठी-डंडा व ईंट से मेरी मां को मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया है। हम लोग सूचना पाकर मौके पर पहुंचे, जहां देखा कि मेरी माँ चोटिल होकर गिरी हुई है तथा उसके सिर से खून का रिसाव हो रहा था और वह कराह रही थी। मां ने बताया कि तुम्हारे पिता राजू गुप्ता ने मुझे बहुत मारा पीटा है।

हीट वेव : गाजीपुर मेडिकल कॉलेज में मरीजों के इलाज के लिए युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू

केटी न्यूज/गाजीपुर

भीषण गर्मी, चिलचिलाती धूप एवं लूं के थपेड़ो ने लोगों का जीना हराम कर रखा है। ऐसे में तापमान दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। मौसमी बीमारियों के कारण लोग लू की चपेट में आ रहे हैं। बता दें कि गर्मी के बढ़ते प्रकोप और शासन की गाइड लाइन जारी होते ही महर्षि विश्वामित्र स्वशासीय मेडिकल कालेज गाजीपुर की टीम प्रिंसिपल डा. आनंद मिश्रा के नेतृत्व में हीट वेब से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। डा. आनंद मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश पर मेडिकल कालेज में दस बेड का एसी वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा दो-तीन प्राइवेट एसी रुम बनाए गए हैं। पूरे मेडिकल कालेज अस्पताल के हर वार्ड में ठंडे पानी, कूलर, आदि अवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई है। दवा और ओआरएस का स्टाक भरापूरा है। मेडिकल कालेज के सभी चिकित्सकों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उनहोंने बताया कि जरुरत पड़ने पर 10-15 दिनों के अंदर 100 बेड का इंतेजाम हो जाएगा।

चैत मास की पूर्णिमा पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बल बीरा...

केटी न्यूज/गाजीपुर



मुहम्मदाबाद नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई। संयोग से इस वर्ष हनुमान जयंती मंगलवार को होने के चलते इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस मौके पर मंदिरों को रंग बिरंगी झालरों और फूलों से सजाया गया था। हनुमानजी का भव्य श्रृंगार हुआ। नगर के तिवारीटोला स्थित मनोकामना देव संकटमोचन मंदिर में मंदिर को सजाया गया है। आचार्य पं अभिषेक तिवारी की देख-रेख में मंदिर में विराजमान संकटमोचन हनुमान जी को नया वस्त्र पहनाने के बाद उनका भव्य श्रृंगार हुआ।सामूहिक हनुमान चालीसा व सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ। अखंड दीप जलाया गया। इस मौके पर आचार्य पं०अभिषेक तिवारी ने कहा कि ऐसी मान्यताएं हैं कि हनुमान जी आज भी सशरीर धरती पर मौजूद हैं। इसलिए इसे हनुमान जन्मोत्सव कहना भी गलत नहीं होगा। कहते हैं कि बजरंगबली का नाम लेने से ही दुख, संकट, भूत, पिशाच कोसों दूर भाग जाते हैं। तभी तो तुलसीदास ने हनुमान जी को लेकर लिखा है, 'संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बल बीरा। इसका अर्थ है, हनुमान जी में हर तरह के कष्ट, ताप को दूर करने की क्षमता है। मान्यता है कि भगवान हनुमान का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था। इसी के कारण इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि करने के साथ हनुमान जी की विधिवत पूजा की जाती है।

जन्मोत्सव पर अंजनी के लाल को लगा लड्डुओं का भोग

चंदौली। जिले में हनुमान जन्मोत्सव मंगलवार को श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। मंदिरों पर बजरंग बली की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। हनुमान जी को लड्डुओं का भोग लगाया गया। इसके बाद बजरंग बली की आरती उतारी गई। मंदिर पर भक्तों ने सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमानाष्टक का पाठ किया। इसके पूर्व हनुमान मंदिर का भव्य तरीके से सजाया गया। यहां सुबह से ही दर्शन पूजन के लिए भक्त उमड़े। नगर के नई सट्टी हनुमान मंदिर में बजरंग बली की महाआरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। नगर के नई सट्टी स्थित हनुमान मंदिर पर श्रीराम चरित मानस संघ की ओर से दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को अखंड रामायण पाठ का समापन हुआ।



सुभाषितम्

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।

- हेनरी वार्ड बीचर

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिका कर्ताओं पर जुमार्ना सही?

दिल्ली हाईकोर्ट मे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत दिए जाने की याचिका दायर की गई थी। शराब घोटाले के आरोप में वह तिहाड़ जेल में बंद है। अदालत ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 75000 का जुमार्ना लगा दिया। पिछले कुछ वर्षों से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जो जनहित याचिकाएं दायर की जाती हैं उन याचिकाओं को खारिज कर भारी जुमार्ना लगाए जाने की नई परम्परा शुरू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दल के प्रतीक चिन्ह के आवंटन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका निरस्त की, और 25000 रुपए का जुमार्ना लगा दिया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण नीति बनाने की मांग को लेकर याचिका को निरस्त करते हुए उसे पर 25000 रुपए का जुमार्ना लगाया। जाति व्यवस्था के वर्गीकरण की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 35000 रुपए का जुमार्ना लगाते हुए याचिका निरस्त कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका को निरस्त कर 50000 रुपए का जुमार्ना लगाया। जनहित से जुड़े एवं आय मामलों को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेना बंद कर दिया है। जनहित की याचिकाएं या जनहित से जुड़े हुए मामलों की कई महत्वपूर्ण याचिकाएं कई वर्षों तक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित बनी रहती हैं। जिस पर लंबे समय तक सुनवाई नहीं होती है। सुनवाई हो भी जाती है, तो फैसला सुरक्षित रख लिए जाते हैं। ऐसी स्थिति कुछ ही वर्षों में न्यायपालिका में देखने को मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जो याचिकाएं दायर की जाती हैं। उसमें याचिकाकर्ता को वकील की नियुक्ति करनी पड़ती है। उसकी फीस भी देनी पड़ती है। हाईकोर्ट ओर सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय में प्रारंभिक जांच भी होती है। न्यायालय फीस के रूप में याचिकाकर्ता से शुल्क जमा कराया जाता है। उसके बाद ही याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट होती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को लगता है, याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, तो उन्हें निरस्त कर दिया जाता है। जिन वकीलों द्वारा याचिका दायर की जाती है। उन्हें भी हाईकोर्ट के नियमो और कानून की जानकारी होती है। जनहित याचिकाओं में या अन्य याचिकाओं को खारिज करने के बाद जुमार्ना लगाए जाने से अब लोगों में भय का वातावरण बन गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट जाकर न्याय पाने की कल्पना अब आम नागरिकों के बस की बात नहीं रह गई है। वकीलों की हजारों रुपए की फीस, न्यायालयों की फीस जमा करने, शपथ पत्र इत्यादि एवं मुकदमे की तैयारी करने में याचिकाकर्ता को हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने पर लोगों में भय का वातावरण बन गया है। इससे न्यायिक व्यवस्था से आम आदमी का विश्वास भी खत्म हो रहा है। जब लोग हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाते हैं, निश्चित रूप से वह कहीं ना कहीं इस आशा के साथ जाते हैं, कि उनके मामले की सुनवाई होगी और उन्हें राहत मिलेगी। धारा 370, दिल्ली में हो रहे दंगे, चुनाव बांड की याचिका, महाराष्ट्र में उद्धव सरकार को गिराने में हुए दल बदल और ऐसे दर्जनों मामले हैं। जिनकी सुनवाई में कई वर्षों तक का विलंब किया गया। मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच झूलते रहे। तारीख पर तारीख मिलती रही। समय पर फैसला नहीं मिला। जब न्याय मिला, तो वह भी आधा अधूरा था। जिस महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताया। दल बदल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जिस तरह से विधानसभा अध्यक्ष और चुनाव आयोग के बीच झलता रहा। वह सबके सामने है। ऐसी स्थिति इसके पहले न्याय पालिका की कभी नहीं थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आए दिन याचिकाओं को खारिज करने और उस पर जुमार्ना लगाने की खबरें निरंतर मिल रही हैं। जुमार्ना लगाने से लोग जनहित के मामलों में आवाज उठाने से डरने लगे हैं। सरकार सुनती नहीं है, प्रदर्शन नहीं करने दिया जाता है।

मंगलसूत्र और केंचुआ का ध्यान योग...

- राकेश अचल



केंचुआ हो या चौकीदार यदि अपना काम मुस्तैदी से न करे तो देश का अहित होता है। देश का ही नहीं देश की राजनीति का, सामाजिक तानेबाने का भी अहित होता है। लेकिन होता है तो होता रहे। केंचुआ अपनी ध्यानमुद्रा का त्याग नहीं कर सकता। उसके लिए मौन रहना ही देश हित है भले ही लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का चीर-हरण कोई भी कर ले जाय। अबकी चीरहरण का आरोप विश्वगुरु और हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी के ऊपर लगा है । इसके लिए उन्होंने पहली बार सनातनी महिलाओं के मंगलसूत्र का इस्तेमाल किया है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने संयम पर लगे अलीगढ़ के ताले को अलीगढ़ की एक चुनावी रैली में खोला और बोला कि -कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई पर है, आपकी संपत्ति पर है। कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई, तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी प्रॉपर्टी है, उसकी जांच कराएंगे। इतना ही नहीं, वो आगे कहते हैं कि ये जो संपत्ति है, उसको कब्जे में लेकर सरकार सबको बांट देगी। ये उनका मेनिफेस्टो कह रहा है। अब इनकी नजर कानून बदलकर, हमारी माताओं-बहनों की संपत्ति छीनने पर भी है। इनकी नजर अब उनके मंगलसूत्र पर है। मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री जी ने ये सब कहा है तो उनके भक्तों में तो खलबली मच ही गयी होगी । जो काम बजरंगबली नहीं कर पाए उसे करने का बीड़ा माननीय प्रधानमंत्री जी ने उठाया है। ये प्रधानमंत्री जी ही कर सकते हैं, क्योंकि उनके पास 56 इंच का सीना है जिसे वे पिछले चुनाव में बजरंगबली की तरह जनता को खोलकर दिखा चुके हैं। उनके सीने में सनातन है, हिन्दू राष्ट्र है। एक निशान, एक विधान है , लेकिन मुसलमान नहीं है। कांग्रेस नहीं है भ्रष्ट कांग्रेसी हैं। वे 140 करोड़ की आबादी वाले देश में रहने वाले 20 करोड़ मुसलमानों को अलग रखकर देश चलाना चाहते हैं। उनकी कोशिश है कि उनके अंधभक्तों का मंगलसूत्र खतरे में न पड़े भले ही देश की साझा संस्कृति और विरासत का भट्टा बैठता है तो खूब बैठ जाए। माननीय ने अपनी बात अलीगढ़ के बाद राजस्थान में भी दोहराई। गनीमत है कि वहां उन्होंने महिलाओं से ये नहीं कहा की उनका गोरला भी खतरे में है। मोदी जी हर खतरे से वाकिफ है। उन्होंने भले ही अपने घर के मंगलसूत्र को तवज्जो न दी हो लेकिन वे देश की बहुसंख्यक महिलाओं के मंगलसूत्र का ध्यान रखते हैं। यदि वे तीसरी बार सत्ता में आये तो देश में मंगलसूत्र सुरक्षा कानून भी ला सकते हैं, नारी शक्ति वंदना कानून की तर्ज पर। माननीय प्रधानमंत्री जी के भाषण से उनके अन्धभक्तों को खुश होना था, सो वे हुए ही होंगे, किन्तु कांग्रेस और देश के अल्पसंख्यक दुखी जरूर हो गए । कांग्रेस ने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए भाषण को भद्दा, गैरकानूनी और संविधान की आत्मा के खिलाफ बताते हुए चुनाव आयोग से मोदी जी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। प्रधानमंत्री पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा है कि मोदी जी ने अपने पद की गरिमा के प्रतिकूल एक विशेष धार्मिक समुदाय को लक्ष्य कर विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और झूठा बयान दिया है और चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह बड़े ओहदे के प्रभाव से मुक्त होकर कानून सम्मत उचित कार्रवाई करे।

लगता है कि कांग्रेस अभी तक देश के केंद्रीय चुनाव आयोग अर्थात केंचुआ को पहचान नहीं पाई है ? भला कोई अपने स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करता है ? केंचुआ तो केवल और केवल विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई के लिए बना है ,और ये काम वो बाखूबी कर रहा है। केंचुआ ने बिना कोई भाषण दिए राहुल गांधी नाम के एक नेता को एडवाइजरी जारी की थी। केंचुआ ने एक कांग्रेसी नेता को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोका भी। लेकिन केंचुआ से ये अपेक्षा करना उसके साथ ज्यादती है कि वो माननीय प्रधानमंत्री जी के खिलाफ कोई कार्रवाई करे या उन्हें हटके यानि एडवाइजरी जारी करे। केंचुआ को पता है कि मालिक हो या राजा कभी कोई गलती नहीं करता । यदि करता है तो उसे अनदेखा करने में ही राष्ट्रहित है। आप मानें या न मानें किन्तु मै अपने प्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी को इस दशक का सत्यवादी हरिश्चंद्र मानता हूँ। वे कभी झूठ नहीं बोलते । उन्हें नागपुर वालों ने कभी झूठ बोलना सिखाया ही नही। वे देश के अल्पसंख्यकों के पक्के हितेषी हैं। उन्हें जबरन मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों का शत्रु माना जाता है। वे खुद कहते हैं कि तीन तलाक से पीड़ित कितनी ही बेटियों का जीवन तबाह हो गया था। अब मोदी ने तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर उनका जीवन सुरक्षित किया है। आज न सिर्फ भारत का हज कोटा बढ़ा है बल्कि वीजा नियमों को भी आसान बनाया गया है। सरकार ने महिलाओं को बिना महरम हज जाने की अनुमति भी दी है। कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की और मुसलमानों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए कभी कुछ नहीं किया। जब मैं पसमांदा मुसलमानों की मुसीबत की चर्चा करता हूं, तो इनके बाल खड़े हो जाते हैं क्योंकि ऊपर के लोगों ने मलाई खाई और पसमांदा मुसलमानों को कुछ नहीं मिला। देश के अल्पसंख्यकों को मोदी जी की बात मानना और समझना चाहिए। मोदी जी उनके लिए मोदी भाईजान हैं। और भाईजान से कभी कोई नफरत करता है भला ? राहुल तो राहुल भाईजान नहीं बन पाए। अलबत्ता मोदी जी और उनकी पार्टी अल्पसंख्यकों को चुनाव में टिकट देकर परेशां नहीं करना चाहते। मोदी जी को पता है कि अल्पसंख्यकों के पास चुनाव लड़ने के लायक न पैसा है और न वोट बैंक। वे चुनाव लड़कर करेंगे भी क्या? उनके लिए जितना मोदी जी और उनकी पार्टी सोच सकती है उतना तो वे खुद अपने लिए नहीं सोच सकते। वे खामखां मोदी जी से दूर खड़े होना चाहते हैं। कांग्रेस को मुगालते में नहीं रहना चाहिये । मोदी जी की शिकायत केंचुआ से नहीं करना चाहिये । मोदी जी के खिलाफ शिकायत करना अपना वक्त जाया करने जैसा है। केंचुआ का दफ्तर नक्कारखाना है। वहां तूतियों की आवाज नहीं सुनी जाती। कांग्रेस के पास कोई नक्कारा [नगाड़ा] है नहीं जो बजाकर केंचुए को नींद से ध्यान से बाहर लाया जा सके। बेहतर हो कि कांग्रेस अपना काम करे और मोदी जी को अपना काम करने दे। मोदी जी मोदी जी हैं उन्हें न बदला जा सकता है और न सुधारा जा सकता है। मोदी युगावतार हैं ,उन्हें अवतार की तरह ही लेना चाहिए। उनके मुंह से जो भी निकले उसे ब्रम्हवाक्य नहीं बल्कि संविधान का एक अनुच्छेद समझकर उसका सम्मान किया जाना चाहिए। मोदी जी ने यदि देश की सनातन महिलाओं के मंगलसूत्र पर खतरा बताया है तो खतरा होगा।

ये पब्लिक है.. सब जानती है

-मुस्ताअली बोहरा



किसान आंदोलन, मंहगाई और बेरोजगारी जैसे मुददों के बाद अब इलेक्टोरल बांड और भ्रष्टाचार का मसला भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। चुनाव से पहले दिगर दलों के कई ऐसे नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसे में पार्टी नेताओं को जनता के सामने जवाब देना मुश्किल हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार को हथियार बनाकर विपक्ष को आड़े हाथों लिया था अब भाजपा में ही भ्रष्टाचारियों की फौज खड़ी हो गई है लिहाजा ये मुददा उलटा पड़ता दिख रहा है। इसी तरह गैरभाजपाई नेताओं के यहां ईडी के छापे पर छापे पड़ रह थे लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद ईडी भी सुस्त पड़ जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सीना ठोकने वाली भाजपा के अतीत में तो तत्कालीन अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण का मामला ताजा हो जाता है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण को सन 2001 तहलका स्टिंग मामले में भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दोषी पाया गया था। यह मामला कथित हथियार सौदे से संबंधित था। उन्हें चार साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा जिन राज्यों में भाजपा की सरकार थी या है वहां हजारों करोड़ के घोटाले मय सबूत सामने आ चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुल मिलाकर, भाजपा के पास रामजी के नाम के अलावा कुछ ऐसा नहीं दिख रहा जो 400 पार के नारे को हकीकत में बदल सके। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी आरोप लगा चुके हैं कि चुनावी बॉन्ड के नाम पर घोटाला किया गया है। घाटे वाली कंपनियों ने बीजेपी को सबसे ज्यादा चुनावी चंदा दिया है। इलेक्टोरल बांड के जरिए भाजपा ने 60 अरब से ज्यादा इनकैश किए हैं। संजय सिंह ने कहा था कि 33 कंपनियों को एक लाख करोड़ का घाटा हुआ है लेकिन 450 करोड़ रुपये का चंदा बीजेपी को दिया है। वहीं, एक कंपनी अपने मुनाफे का 93 गुना चंदा दिया। 6 कंपनियों ने बीजेपी को 600 करोड़ का चंदा दिया। 17 कंपनियों ने 0 टैक्स दिया है। 6 कंपनियों ने 600 करोड़ दिए। 1 कंपनी ने अपने मुनाफे से तीन गुना ज्यादा चंदा दिया। 3 कंपनियों ने जीरो टैक्स भरा और करोड़ों का चुनावी दिया। एयरटेल ने 200 करोड़ का चंदा दिया। उसे 77 करोड़ का घाटा हुआ और 8000 करोड़ की टैक्स में छूट मिली। वहीं, 130 करोड़ के घाटे वाली कंपनी को 20 करोड़ की टैक्स में छूट मिली और उसने 25 करोड़ का चंदा बीजेपी को दिया। उन्होंने कहा कि एक कंपनी है धारीवाल, इसने 115 करोड़ का बॉन्ड खरीदा। भाजपा को 25 करोड़ दिए. कंपनी को 299 करोड़ का घाटा हुआ। एक कंपनी ने जीरो टैक्स दिया। 20 करोड़ का बॉन्ड खरीदा, 10 करोड़ बीजेपी को दिए इस कंपनी को 1550 करोड़ का घाटा हुआ था। इसे 4.7 करोड़ टैक्स में छूट मिली। वहीं, शरद रेड्डी की कंपनी ने 15 करोड़ का बॉन्ड खरीदा और बीजेपी को करोड़ों दिए, इस कंपनी को 7 सालों में 28 करोड़ का घाटा हुआ और 7 करोड़ 20 लाख टैक्स छूट मिली। आम आदमी पार्टी के अलावा विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि पिछले 9 साल में ईडी और सीबीआई ने बीजेपी के नेताओं के यहां कोई कार्रवाई नहीं की जबकि कई नेताओं पर पहले केस दर्ज हैं। कुछेक नेताओं पर पहले सीबीआई और ईडी का एक्शन हुआ, लेकिन जैसे ही नेता बीजेपी में शामिल हुए उन पर कार्रवाई रोक दी गई। विपक्ष का आरोप है कि जिन राज्यों में बीजेपी कमजोर है, वहां पर ईडी-सीबीआई और आईटी को एक्टिव किया जाता है। फिर कई नेताओं को डराया जाता है. डर से जो बीजेपी में जाने को तैयार हो जाते हैं, उन पर कार्रवाई नहीं होती है। बतौर उदाहरण, कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार में मंत्री रहे हिमंत बिस्वा शर्मा पर शारदा चिटफंड घोटाले में सीबीआई ने आरोपी बनाया था। सरमा पर आरोप था कि शारदा ग्रुप के डायरेक्टर सुदीप्त सेन से 20 लाख रुपए हर महीने लिए, जिससे ग्रुप का कामकाज बेहतर तरीके से चल सके। सरमा से अंतिम बार सीबीआई ने 27 नवंबर 2014 को पूछताछ की थी। अगस्त 2015 में हिमंत भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद सीबीआई ने हिमंत की फाइल बंद कर दी, हिमंत अभी असम के मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार में मंत्री रहे शुभेंदु अधिकारी से सीबीआई ने शारदा घोटाले में पूछताछ शुरू की थी। उन पर आरोप था कि शारदा ग्रुप के डायरेक्टर सुदीप्त सेन से फेवर लिया था। शुभेंदु पर बाद में नारदा स्टिंग ऑपरेशन में भी पैसा लेने का आरोप लगा, जिसकी जांच ईडी ने शुरू की। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि शुभेंदु जब टीएमसी में थे, तब जांच एजेंसी उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन जैसे ही बीजेपी में गए तो सारे मामले में उन्हें क्लिन चिट मिलने लगी। 2022 में बंगाल पुलिस ने शुभेंदु के खिलाफ शारदा घोटाले में जांच शुरू की। शुभेंदु वर्तमान में बंगाल विधानसभा में बीजेपी विधायक दल के नेता हैं। पश्चिम बंगाल- आसनसोल के नेता जितेंद्र तिवारी ने वर्ष 2021 में तृणमूल छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया था। उस वक्त मोदी सरकार में मंत्री रहे बाबुल सुप्रीयो ने इसका खुलकर विरोध किया था। कोयला तस्करी के आरोप में घिरे तिवारी के भाजपा में जाने के बाद सीबीआई ने कोई कार्रवाई नहीं की। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट का आरोप है कि नारायण राणे को भी बीजेपी ने वाशिंग मशीन में डालकर पाक-साफ कर दिया है। राणे अभी मोदी कैबिनेट में मंत्री हैं। बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने उन पर आदर्श सोसायटी मामले में हेरफेर का आरोप लगाया था। साल 2012 में सोमैया ने सीबीआई को 1300 पन्नों का एक दस्तावेज भी सौंपा था। साल 2017 में किरीट सोमैया ने ईडी को पत्र लिखकर नारायण राणे की संपत्ति जांच करने की मांग की थी। सन 2019 में नारायण राणे बीजेपी में शामिल हो गए और उन्हें केंद्र में मंत्री बनाया गया। शिवसेना उद्धव गुट का आरोप है कि राणे को लेकर सीबीआई और ईडी ने जांच रोक दी है। दक्षिण भारत के पहले भाजपाई मुख्यमंत्री बने बीएस येदियुरप्पा को तो जेल तक जाना पड़ा।

दलबदलू: हमको उनसे वफा की है उम्मीद ?

- तनवीर जाफरी

वर्तमान दौर में हमारे देश में राजनीतिज्ञों की छवि ऐसी बन चुकी है कि यदि आप किसी भी अभिभावक से पूछें कि क्या वह अपनी संतान को नेता बनाना पसंद करेगा ? तो शायद ही इसके जवाब में कोई हाँ कहता दिखाई दे। दरअसल आम तौर से राजनीति में तीन श्रेणियों के लोग ही सक्रिय दिखाई देते हैं। पहली श्रेणी उन लोगों की जिन्हें राजनीति पारिवारिक विरासत में मिली है। सरल भाषा में जिन्हें परिवारवादी राजनीतिज्ञ कहा जाता है। दूसरी श्रेणी के वह लोग जो छात्र राजनीति या गांव पंचायत की सियासत से निकलकर आये हैं। और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतयः अयोग्य होते हैं। इसी श्रेणी प्रायः सम्प्रदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का शार्ट कट अपनाते हैं। बाहुबली व दबंग छवि के लोग भी प्रायः इसी श्रेणी में गिने जा।अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जो उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं। चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है। और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान व विचारवान लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्प्रदायिकतावादी , जातिवादी, मक्कार, झूठे, बेईमान, दलबदलू, अवसरवादी तथा पूर्वाग्रही लोगों की भरमार है। आपने देखा होगा कि कभी पत्रकार ने किसी एम एल ए से ही टछअ का फुल फार्म पूछा और वह नहीं बता पाया। दूसरों को वन्देमातरम जबरन पढ़ाने के लिये मर मिटने के लिये तैयार कई लोगों से कैमरे के सामने लाईव डिबेट में जब वन्देमातरम सुनाने के लिये कहा गया तो वह स्वयं नहीं सुना पाया। अधिकांश नेताओं में जहालत के ऐसे अनेक प्रमाण सुनने को मिल जायेंगे। जब ऐसे लोगों के राजनीति करने का मकसद ही धनार्जन, स्वार्थ, और अपने राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखना हो तो जाहिर है वहां विचारधारा या वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की चीज कोई महत्व रखती। ऐसे जमीर फरोशों और मौका परस्तों को भले ही जनता पहचानने में चूक कर देती हो और उनके वैचारिक धर्म परिवर्तन या दलबदल के बाद यहां तक कि कल के नंगे भूखे नेताओं के धनाढ्य बन जाने के बाद भी बार बार जनता उन्हें निर्वाचित भी करती रहती हो। परन्तु उनके इस चरित्र से उस दल के नेता भी भली भाँती वाकिफ होते हैं जहाँ वे अपने स्वार्थवश व अपना राजनैतिक भविष्य संवारने के नाम पर पनाह लेते हैं। ऐसे दलों के नेता चतुराई वश अपना कुंबा बढ़ाने की गरज से उन्हें पनाह देकर उनके जनाधार का लाभ तो उठा लेटे हैं परन्तु दल बदल या विचार परिवर्तन की इस स्वार्थपूर्ण प्रक्रिया में वह नेता यह भूल जाता है कि उसपर दलबदलू होने का ठप्पा भी लग चुका है। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे तमाम स्वार्थी व मौकापरस्त नेता मिल जायेंगे जिन्हें आज वही पार्टियां दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेक चुकी हैं जिनका या तो मकसद पूरा हो चुका है या अब उनकी वहाँ कोई जरुरत नहीं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज शाम तक कोई खास डील फाइनल हो सकती है।

वृषभ आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा पर जाने का मन करेगा।

मिथुन आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे। आज पूरा दिन दूसरों के कार्य पूर्ण करने में आपका दिन बीतेगा।

कर्क आज उसका फल आपको तत?काल मिल जाएगा। अधूरे कार्य निपट जाएंगे। महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंह आज का दिन काफी व्यस्त रखने वाला है और आज आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या आज का दिन सम्मान से भरा होगा। आज किसी भी मामले में संयम और सावधानी बरतें।

तुला आज का दिन और लाभकारक रहेगा। सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक आज का दिन हर मामले में काफी मजबूती से भरा होगा। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में रिस्क लेंगे तो लाभ हो सकता है।

मकर आज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा।

कुंभ कार्य सफल होंगे। आपके शरीर में कुछ विकार हो सकते हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा।

विशेष

मोदी को बताया नरों का इंद्र, अर्थात नरेंद्र

महावीर जयंती के अवसर पर दिल्ली में जैन समाज द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रज्ञ सागर जी महाराज ने नरेंद्र मोदी को नरों का देवता बताते हुए, उन्हें चक्रवर्ती बता दिया। अब इस बात की चर्चा होने लगी है, जैन समाज के इस आयोजन में जैन मुनि द्वारा नरेंद्र मोदी को चक्रवर्ती की उपाधि से घोषित कर दिया गया है। चक्रवर्ती बनने के बाद जैन धर्म के अनुसार चक्रवर्ती को दीक्षा लेकर राजपाट छोड़ने का विधान है।

चुनाव जीतने के बाद फिर चुनावी बांड लायेगी भाजपा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बांड को असंवैधानिक बताया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और चुनाव आयोग ने इसकी जानकारी उजागर कर दी है। यह जानकारी सामने आने के बाद इसे दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला बताया जा रहा है। चुनाव के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह कहकर सनसनी मचा दी है। चुनाव जीतने के बाद भाजपा की सरकार एक बार फिर चुनावी बांड लेकर आएगी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो आर्डर किया था। कानून बनाकर सरकार ने उसे बदल दिया। अब चुनावी बांड के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलने का संकेत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दे दिया है। दिल्ली सरकार के अधिकार के बारे में भी सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया था। उसे सरकार ने बदल दिया। अब तो 400 पार का नारा है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1743: आविष्कारक एडमंड कार्टराइट का जन्म हुआ. 1858: प्रसिद्ध क्रांतिकारी कुंवरसिंह की मृत्यु हुई. 1972: प्रसिद्ध चित्रकार जामिनी राय का निधन हुआ. 1974: हिन्दी के जाने माने कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन हुआ. 1986 : लंदन में बम विस्फोट में ब्रिटिश एयरवेज कार्यालय और कई इमारतें नष्ट हो गई. 1989: मुस्लिम विद्रोहियों ने जलालाबाद शहर में गोलीबारी की, जिससे 54 व्यक्ति मारे गये. 1991 दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस से किए गए समझौते का सम्मान करने की घोषणा की. 1992: ओपोक ने ईरान के अधिक तेल उत्पादन का आग्रह ठुकरा दिया. 1993: इंडियन एयरलाइंस विमान के अपहर्ता को कमांडो दस्ते ने मारकर 117 यात्रियों को मुक्त करा लिया।

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.43 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	08.42 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.55 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.11 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.23 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.34 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.48 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.04 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.10 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.56 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	03.29 बजे से
		मेष	04.59 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 115 वां दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा अहोरात्र।
नक्षत्र स्वाती 00.41 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असुक) 05.05 बजे प्रात: को समाप्त।
करण बालव 18.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871959
जूलियन दिन 2460424.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल तारीख 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक





पहला चरण 102 सीट

कहां-कितना मतदान

21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 102 सीटों के लिए वोटिंग हुई। पहले चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें तमिलनाडु की सभी 39 सीटें, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड की सभी पांच, महाराष्ट्र की पांच, असम और बिहार की चार-चार, पश्चिम बंगाल की तीन, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश की दो-दो, छत्तीसगढ़, मिजोरम और त्रिपुरा की एक-एक सीट शामिल थी।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। इस चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों के लिए वोट डाले गए। 2019 में इन 102 सीटों 69.96 फीसदी वोट पड़े थे। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 102 सीटों के लिए वोटिंग हुई। पहले चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें तमिलनाडु की सभी 39 सीटें, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड की सभी पांच, महाराष्ट्र की पांच, असम और बिहार की चार-चार, पश्चिम बंगाल की तीन, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश की दो-दो, छत्तीसगढ़, मिजोरम और त्रिपुरा की एक-एक सीट शामिल थी।



पहले चरण की 102 सीटों पर कितना मतदान हुआ?

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर कुल 68.29 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। आंकड़े देखें तो सबसे ज्यादा लक्षद्वीप सीट पर 83.88 प्रतिशत वोटिंग हुई है। वहीं बिहार की नवादा सीट पर सबसे कम 43.79त्न लोगों ने वोटिंग की है।

राज्य	लोसभा सीट	2019 में वोटिंग प्रति.	2024 में वोटिंग प्रति.
अंडमान निकोबार	अंडमान निकोबार	65.12	63.99
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल पूर्व	87.03	76.37
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल पश्चिम	78.5	70.11
असम	जोरहट	77.57	79.48
असम	डिब्रूगढ़	77.3	76.74
असम	काजीरंगा	82.12	75.79
असम	सोनितपुर	79.48	74.81
असम	लखीमपुर	75.17	72.65
उत्तर प्रदेश	सहारनपुर	70.87	65.95
उत्तर प्रदेश	पीलीभीत	67.41	61.9
उत्तर प्रदेश	कैराना	67.45	61.17
उत्तर प्रदेश	नगीना	63.66	59.54
उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	65.46	60.6
उत्तर प्रदेश	मुजफ्फरनगर	68.42	59.29
उत्तर प्रदेश	बिजनौर	66.22	58.21
उत्तर प्रदेश	रामपुर	63.19	54.77
उत्तराखंड	नैनीताल-उधमसिंह न.	68.97	61.35
उत्तराखंड	हरिद्वार	69.18	62.36
उत्तराखंड	टिहरी गढ़वाल	58.87	52.57
उत्तराखंड	गढ़वाल	55.17	50.84
उत्तराखंड	अल्मोड़ा	52.31	46.94
छत्तीसगढ़	बस्तर	66.26	67.56
जम्मू कश्मीर	उधमपुर	70.15	68.27
तमिलनाडु	अराणी	79.01	75.65
तमिलनाडु	अर्कोणाम	78.65	74.08
तमिलनाडु	इरोड	73.11	70.54
तमिलनाडु	कन्याकुमारी	69.9	65.46
तमिलनाडु	करूर	79.55	78.61
तमिलनाडु	कल्लाकुरिची	78.81	79.25
तमिलनाडु	कांचीपुरम	75.31	71.55
तमिलनाडु	कुड्डालोर	76.49	72.28
तमिलनाडु	कृष्णागिरि	75.95	71.31
तमिलनाडु	कोयंबटूर	63.86	64.81
तमिलनाडु	चिदंबरम	77.98	75.32
तमिलनाडु	चेन्नई उत्तर	64.26	60.13
तमिलनाडु	चेन्नई दक्षिण	57.07	54.27
तमिलनाडु	चेन्नई मध्य	58.98	53.91
तमिलनाडु	तंजावुर	72.55	68.18
तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली	69.5	67.45
तमिलनाडु	तिरुनेलवेली	67.22	64.1
तमिलनाडु	तिरुप्पुर	73.21	70.58
तमिलनाडु	तिरुवन्नामलाई	78.15	73.88
तमिलनाडु	तिरुवल्लूर	72.33	68.31
तमिलनाडु	तूतुकुडी	69.48	59.96
तमिलनाडु	तेनकासी	71.43	67.55
तमिलनाडु	थेनी	75.27	69.87
तमिलनाडु	दिंडीगुल	75.29	70.99
तमिलनाडु	धरमपुरी	82.41	81.48
तमिलनाडु	नमक्कल	80.22	78.16
तमिलनाडु	नागापट्टिनम	76.93	71.55
तमिलनाडु	नीलगिरि	74.01	70.93
तमिलनाडु	पेरंबलूर	79.26	77.37
तमिलनाडु	पोल्लाची	71.15	70.7
तमिलनाडु	मदुरई	66.09	61.92
तमिलनाडु	मयीलाडूतुरै	73.93	70.06
तमिलनाडु	रामनाथपुरम	68.4	68.18
तमिलनाडु	विरुधुनगर	72.49	70.17
तमिलनाडु	विलुप्पुरम	78.66	76.47
तमिलनाडु	वेल्लोर	71.46	73.42
तमिलनाडु	शिवगंगा	69.9	63.94
तमिलनाडु	श्रीपेरंबदूर	62.44	60.21
तमिलनाडु	सालेम	77.91	78.13
त्रिपुरा	त्रिपुरा पश्चिम	81.93	81.62
नगालैंड	नगालैंड	83	56.91
पश्चिम बंगाल	जलपाईगुड़ी	86.51	82.15
पश्चिम बंगाल	कूच बिहार	84.08	82.17
पश्चिम बंगाल	अलीपुरद्वार	83.79	77.84
पुडुचेरी	पुडुचेरी	81.25	78.8
बिहार	औरंगाबाद	53.67	51.56
बिहार	गया (एससी)	56.18	49.51
बिहार	जमुई (एससी)	55.25	51.02
बिहार	नवादा	49.73	43.79
मणिपुर	आंतरिक मणिपुर	81.12	76.05
मणिपुर	बाहरी मणिपुर	84.14	65.22
मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	82.42	79.18
मध्य प्रदेश	बालाघाट	77.66	73.18
मध्य प्रदेश	शहडोल	74.77	63.73
मध्य प्रदेश	मंडला	77.79	72.49
मध्य प्रदेश	जबलपुर	69.46	60.52
मध्य प्रदेश	सीधी	69.5	55.19
महाराष्ट्र	गढ़चिरौली-चिमूर	72.33	70.38
महाराष्ट्र	भंडारा-गोंदिया	68.81	64.72
महाराष्ट्र	चंद्रपुर	64.89	63.07
महाराष्ट्र	रामटेक	62.3	59.58
महाराष्ट्र	नागपुर	54.94	54.58
मिजोरम	मिजोरम	63.14	56.6
मेघालय	तुरा	81.38	78.31
मेघालय	शिलॉन्ग	65.48	72.26
राजस्थान	गंगानगर	74.77	65.64
राजस्थान	जयपुर	68.48	62.87
राजस्थान	चुरू	65.9	62.98
राजस्थान	अलवर	67.17	59.79
राजस्थान	नागौर	62.32	57.01
राजस्थान	बीकानेर	59.43	53.96
राजस्थान	सीकर	65.18	57.28
राजस्थान	जयपुर ग्रामीण	65.54	56.58
राजस्थान	दौसा	61.5	55.21
राजस्थान	भरतपुर	59.11	52.69
राजस्थान	झुंझुनू	62.11	52.29
राजस्थान	करौली धौलपुर	55.18	49.29
लक्षद्वीप	लक्षद्वीप	85.21	83.88
सिक्किम	सिक्किम	81.41	80.03

सपा ने मुस्लिम-यादव के बजाय दलित पिछड़ों पर क्यों लगाया दांव?



लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क?या समाजवादी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में पांच सीटों के बैरियर को पार कर पायेगी? यह सवाल इसलिए ज?यादा प्रासंगिक हैं कि टिकट वितरण को लेकर समाजवादी पार्टी में जिस तरह की उहापोह देखने को मिली, ऐसा बीते तीन दशक में कभी नहीं हुआ था। कई सीटों पर दो से तीन बार टिकट बदले गये, आरोप लगा कि अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव को गंभीरता से नहीं लड़ रहे हैं।



क?या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की तरह एक जाति और एक क्षेत्र की पार्टी बनकर रह जायेगी? क?यों प्रदेश की सबसे मजबूत रही समाजवादी पार्टी से जनता का भरोसा खत?म होता जा रहा है? ऐसे बहुतेरे सवाल हैं जो समाजवादी पार्टी के समर्थकों को परेशान कर रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से समाजवादी पार्टी का ग्राफ लगातार नीचे की ओर गिरता जा रहा है। बीते दो लोकसभा चुनावों में सपा पांच सीटों के आंकड़े से आगे नहीं बढ़ पायी है। 2014 के चुनाव में केवल मुलायम परिवार की सीटें ही निकल पायी थी, वहीं बसपा से गठबंधन के बावजूद 2019 में यादव परिवार के तीन सदस?य भी चुनाव हार गये थे। लोकसभा चुनाव 2024 संसदीय क्षेत्र 7 प्रत्याशी 7 चुनाव तिथियां ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क?या समाजवादी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में पांच सीटों के बैरियर को पार कर पायेगी? यह सवाल इसलिए ज?यादा प्रासंगिक हैं कि टिकट वितरण को लेकर समाजवादी पार्टी में जिस तरह की उहापोह देखने को मिली, ऐसा बीते तीन दशक में कभी नहीं हुआ था। कई सीटों पर दो से तीन बार टिकट बदले गये, आरोप लगा कि अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव को गंभीरता से नहीं लड़ रहे हैं। दरअसल, 2014 के बाद से ही समाजवादी पार्टी से समर्थकों का छिटकना जारी है, और उसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है अखिलेश यादव के भीतर धैर्य की कमी एवं कार्यकर्ताओं से दूरी। खैर, इस बार के आम चुनाव की बात करें तो ऐसा लग रहा है कि समाजवादी पार्टी दहाई के आंकड़े में पहुंच सकती है। इसके पीछे दो कारण है। पहला भाजपा का अति आत?मविश?वास तथा दूसरा सपा का गैर यादव पिछड़े एवं दलित प्रत?याशियों पर भरोसा।

भाजपा ने जीत जाने के वहम में उन प्रत?याशियों को भी टिकट दे दिया है, जिनका अपने क्षेत्र में जबर्दस?त विरोध हो रहा था। भाजपा को मोदी तथा राम मंदिर का भरोसा था। उसे लग रहा था कि चुनाव आते-आते यह विरोध खत?म हो जायेगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। उत्तर प्रदेश की दर्जनों सीट पर जनता में भाजपा प्रत?याशी को लेकर नाराजगी है, जिसका सीधा फायदा समाजवादी पार्टी को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी इस बार अपने परंपरागत एमवाई यानी मुस्लिम यादव



समीकरण से अलग रणनीति बनाकर भाजपा को टक?कर दे रही है। पार्टी की नजर गैर-यादव पिछड़े एवं दलित वोटरों पर है, जो फिलहाल भाजपा की ताकत हैं। सपा सबसे बड़ी सेंध भाजपा के कुर्मी वोटरों में लगा रही है। अब तक घोषित टिकटों में पार्टी ने सबसे ज?यादा नौ सीटों पर कुर्मी बिरादरी के प्रत?याशी उतारे हैं। 15 दलित वर्ग के प्रत?याशियों को भी टिकट दिये गये हैं। मेरठ और अयोध?या जैसी सामान?य सीट पर भी दलित प्रत?याशी उतारकर सपा ने भाजपा एवं बसपा दोनों खेमों में सेंधमारी की कोशिश में है। समाजवादी पार्टी की यह रणनीति सफल रही तो भाजपा को कई सीटों पर झटका लग सकता है।

समाजवादी पार्टी के परंपरागत वोटर माने जाने वाले यादव एवं मुस्लिमों के हिस?से में इस बार केवल चार-चार सीटें आई हैं। अखिलेश यादव ने इस बार अपने परिवार से बाहर किसी यादव को टिकट नहीं दिया है। मैनपुरी से डिंपल यादव, आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव तथा बदायूं से आदित?य यादव को उतारा गया है। ध्रुवीकरण की संभावना को न?यूनतम करने के लिए सपा ने इस बार केवल चार मुसलमानों को टिकट दिया है। कई मुस्लिम बहुल सीटों पर पिछड़े या दलित प्रत?याशी उतारे गये हैं। सपा को मुस्लिम एवं यादव वोटरों पर पूरा भरोसा है, लिहाजा उसने दूसरी जातियों का वोट जोड़ने के लिये उन जातियों के प्रत?याशी उतारे हैं। मुस्लिम प्रत?याशियों में कैराना से इकरा हसन, रामपुर से मौलाना मोहिबुल?लाह नदवी, संभल से जियाउर्रहमान बर्क तथा गाजीपुर से अफजाल अंसारी शामिल हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब समाजवादी पार्टी ने इतनी कम संख?या में यादव एवं मुसलमान प्रत?याशी उतारे हैं। 2014 में पार्टी ने 14 मुसलमान प्रत?याशियों को टिकट दिया था, लेकिन कोई नहीं जीत पाया। 2019 में बसपा से गठबंधन में मिली 38 सीटों पर चार प्रत?याशी उतारे थे, जिसमें तीन प्रत?याशियों आजम खान, एसटी हसन तथा शफीकुर्रहमान बर्क ने जीत हासिल की थी। इस बार उसके खाते में 62 सीटें होने के बावजूद समाजवादी पार्टी ने केवल चार मुस्लिम प्रत?याशियों पर दांव खेला है। कुर्मियों के अलावा निषाद, गूजर, शाक?य, सैनी, कश?यप, कुशवाहा, जाट, पासी एवं राजभर जैसी गैर-यादव ओबीसी को भी समाजवादी पार्टी ने इस बार टिकट दिया है। अब तक घोषित 57 उम?मीदवारों में सपा ने सबसे ज?यादा 29 टिकट पिछड़ा वर्ग को दिया है। 15 टिकट दलित, 9 टिकट सामान?य वर्ग तथा 4 टिकट मुस्लिमों को दिये गये हैं। इस बार अखिलेश यादव को पूरा फोकस अपने पुराने गैर-यादव ओबीसी वोटरों को वापस लाने पर है। हालांकि समाजवादी पार्टी की कई सीटों पर बसपा प्रत?याशी सेंध लगा रहे हैं, इसके बावजूद समाजवादी पार्टी ने जिस समीकरण से प्रत?याशी उतारे हैं, उसने भाजपा को भी मुश्किल में डाल रखा है। समाजवादी पार्टी को पश्चिम में कुछ सीटों पर भाजपा से नाराज क्षत्रिय वोटरों का लाभ भी मिल रहा है।

क्षत्रियों की भाजपा से नाराजगी तथा कांग्रेस से गठबंधन के चलते मुस्लिम वोटरों का एकजुट होना समाजवादी पार्टी के लिये फायदे का सौदा साबित होता दिख रहा है। गैर-यादव ओबीसी अगर भाजपा से छिटककर समाजवादी पार्टी की तरफ लौट आया तो आने वाले समय में भाजपा के लिए सियासी राह मुश्किल हो सकती है। अभी तक के रूझान के आधार पर निष?कर्ष निकालें तो समाजवादी पार्टी इस बार के चुनाव में दहाई के आंकड़े को पार करती दिख रही है। दूसरी तरफ, यह भी तय है कि इस बार अगर समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं रहा तो फिर अखिलेश यादव के लिए पार्टी को बचाये रख पाना आसान नहीं रहने वाला है।



कैलिफोर्निया का ऐसा गांव जहां हर घर में है हवाई जहाज

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों को घोड़े पर सवारी करते देखा है, गाड़ियां और मोटरसाइकिल तो बहुत कॉमन है. लेकिन दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां हर एक घर के बाहर हवाई जहाज खड़ा मिलेगा. हैरानी की बात तो ये है कि इस गांव के लोग परिवार के साथ खाना खाने या ऑफ़िस भी हवाई जहाज से जाते हैं. चलिए इस अनोखे गांव के बारे में जानते हैं-

कैलिफ़ोर्निया में स्थित है ये गांव

शहरों में अनगिनत गेराज और गाड़ियां देखना बहुत ही आम बात है. लेकिन सोचिए अगर आप ऐसी किसी जगह जाएं, जहां आपको एयरप्लेन और उन्हें खड़ा करने के लिए हैंगर दिखे? जी हां, सब कुछ मुमकिन है. क्योंकि ये गांव कैलिफ़ोर्निया में स्थित है. जिसका नाम 'Cameron Air Park' है. यहां के हर घर के बाहर आपको हवाई जहाज खड़ा मिलेगा.

इस गांव की सड़कों को भी रनवे की तरह डिज़ाइन किया गया है

इस गांव की स्ट्रीट को भी इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया है कि पायलट आराम से हवाई जहाज उड़ा सकता है. साथ ही इन चौड़ी सड़कों पर एयरप्लेन के साथ-साथ गाड़ियां भी चला सकते हैं. हर सड़क पर Street Sign और लेटर बॉक्स को थोड़ा नीचे की तरफ बनाया गया ताकि किसी को कोई दिक्कत न हो. दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, कई हवाई क्षेत्रों को बिना किसी मेंटेनेंस के छोड़ दिया गया था. जिसके बाद विमानन अथॉरिटी ने उन्हें Residential Airparks बना दिया और फिर वहां रिटायर्ड पायलट रहने लगे. यहां 1939 में कुल 34 हज़ार पायलट थे, लेकिन 1946 में बढ़कर कुल 4 लाख पायलट हो गए. 1963 में बने इस गांव में लगभग 124 घर है. रिपोर्ट्स के अनुसार, ये एक फ्लाइंग कम्युनिटी है. जहां सब पायलट है.



ये हैं दुनिया के विचित्र पेड़

ग्रेट सिकुआ ट्री



ग्रेट सिकुआ ट्री नाम के इस पेड़ की गिनती है दुनिया के सबसे बड़े पेड़ में होती है. किसी दानव की तरह दिखने वाला ये पेड़ अमेरिका में स्थित है. इस पेड़ का अनुमानित वजन 27 लाख पाउंड बताया जाता है. करीब 275 फीट लंबे इस पेड़ की उम्र 2300-2700 साल के आसपास बताई जाती है.

जबूटीकाबा



अक्सर आपने फल पेड़ों की टहनियों पर लगते हैं, लेकिन दक्षिणी अमेरिका में पाए जाने वाला इस पेड़ पर फल शाखाओं पर नहीं बल्कि पेड़ के तनों पर उगते हैं. इस पेड़ को जबूटीकाबा नाम से जाना जाता है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह अंगूर की ही प्रजाति का एक पेड़ है.

ड्रैगन ब्लड ट्री



यमन के सोकोट्रा द्वीप, जिसे एलियन आइलैंड के नाम से भी जानते हैं, पर पाए जाने वाले इस पेड़ को ड्रैगन ब्लड ट्री कहते हैं, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि इससे खून की तरह दिखने वाला लाल रंग का पदार्थ निकलता है. यह पेड़ अपनी अजीबोगरीब बनावट के लिए दुनियाभर में चर्चित है.

विस्टेरिया



विस्टेरिया नाम का यह पेड़ जापान में पाया जाता है. कहते हैं इस पेड़ की गिनती दुनिया के सबसे खूबसूरत पेड़ों में की जाती है. ये पेड़ पूरी तरह से फूलों से ढंके हुए रहते हैं. किसी पेड़ पर गुलाबी रंग का फूल होता है तो किसी पर नीले रंग का. आपको जानकर हैरानी होगी कि इन फूलों को पूरी तरह से खिलने में पांच से 15 साल तक लग जाते हैं. विस्टेरिया नाम का यह पेड़ जापान में पाया जाता है. कहते हैं इस पेड़ की गिनती दुनिया के सबसे खूबसूरत पेड़ों में की जाती है. ये पेड़ पूरी तरह से फूलों से ढंके हुए रहते हैं. किसी पेड़ पर गुलाबी रंग का फूल होता है तो किसी पर नीले रंग का. आपको जानकर हैरानी होगी कि इन फूलों को पूरी तरह से खिलने में पांच से 15 साल तक लग जाते हैं.



बाओबाब अपने तने में जमा कर सकता है 120000 लीटर पानी!

ये दुनिया वाकई में बेहद अजीब है. आप जहां नजर घुमाइए उधर ही आपको कुछ न कुछ ऐसा दिख जाएगा जिसे देखने के बाद कोई भी इंसान सोचने को एकबार तो जरूर मजबूर हो जाता है. इसी कड़ी में आज हम आपको एक पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपने तने में 120000 लीटर पानी जमा कर सकता है.

इस पेड़ का नाम बाओबाब है. इसे लोग बोआब, बोआबोआ, बोतल वृक्ष तथ उल्टा पेड़ के नाम से भी बुलाते हैं। हालांकि अरबी में इसे बु-हिबाब कहते हैं जिसका अर्थ है कई बीजों वाला पेड़. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अफ्रीका ने इसे द वर्ल्ड ट्री की उपाधि भी प्रदान की है.

इस पेड़ पर केवल साल के 6 महीने ही पत्ते लगे रहते हैं. ये पेड़ लगभग 30 मीटर ऊंचे और 11 मीटर चौड़े होते हैं. इस वृक्ष की बनावट बड़ी ही अजीब होती है क्योंकि इन्हें देखने से लगते है कि इनकी जड़े ऊपर और तना नीचे है.

यह पेड़ जब बड़ा हो जाता है तो इसके तने में हजारों लीटर (1,20,000 लीटर तक) शुद्ध पानी भरा रहता है. यह पानी वर्षा के अभाव वाले इलाके में महीनों तक पीने के काम आता है.

बाओबाब की छाल में 40 फीसदी तक नमी होती है, इस वजह से यह जलाने के काम नहीं आती परन्तु तने की भीतरी रेशेदार होती है जिससे कागज, कपड़े, रस्सी, मछली पकड़ने के जाल, कंबल आदि वस्तुओं का निर्माण किया जा सकता है.

अफ्रीका के गर्म क्षेत्रों में पाया जाता है वर्षा कराने वाला पेड़

- अफ्रीका के गर्म क्षेत्रों में समानी सुमन नाम का पेड़ पाया जाता है जो दिन के समय अपनी फलियों में पानी को इकट्ठा कर लेता है और शाम को घनी वर्षा के रूप में उस पानी को जमीन पर गिरा देता है उस क्षेत्र में बसने वाले लोगों के लिए यही पानी का साधन है। इस पेड़ को वर्षा करने वाले पेड़ के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत का मोलाई फॉरेस्ट कैसा जंगल है जिसे भारत के एक अकेले आदमी ने 1360 एकड़ भूमि पर लगाया था इस जंगल को बनाने में उसे 30 साल का समय लगा था।
- जहरीले पाइजन इवी के पेड़ में त्वचा को उत्तेजित करने वाला पदार्थ उरुशिओल होता है जिसे मात्र छूने से ही त्वचा पर एलर्जी का रिएक्शन देखने लगता है।
- बांस के पेड़ की कुछ प्रजातियां ऐसी है जो 1 दिन में 1 मीटर तक बढ़ सकती हैं।
- सूरजमुखी के पौधे का उपयोग रेडियो एक्टिव कूड़े को साफ करने के लिए किया जा सकताता है।
- आज से 30 करोड़ साल पहले धरती पर बहुत लंबे पेड़ हुआ करते थे इसका मुख्य कारण था कि उस समय धरती पर जीवाणु नहीं थे।
- बाओबैब का पेड़ अपने तने में लगभग 32000 गैलन पानी को जमा कर सकता है।
- जिराफ की जीभ 21 इंच लंबी होती है जिसका उपयोग में अपने कान साफ करने के लिए भी करता है।
- एक चिपकली का दिल 1 मिनट में लगभग 1000 बार धड़कता है।
- तितली फूलों का स्वाद अपने पैरों से पता लगाती है।
- अगर किसी मनुष्य को स्पेस में छोड़ दिया जाए बिना किसी सुरक्षा के तो वह 2 मिनट से ज्यादा जीवित नहीं रह पाएगा।
- पूरे सौरमंडल में पृथ्वी एक ऐसी जगह है जहां पर पानी ठोस द्रव और गैस तीनों रूपों में उपलब्ध है।
- झींगा किसी रंग का नहीं होता है लेकिन जब उसका खून बाहर आता है, तो वह ऑक्सीजन के साथ मिलकर नीले रंग में बदल जाता है।
- Rafflesia दुनिया का सबसे बड़ा फूल है।
- Fairylies दुनिया का सबसे छोटा कीड़ा है।
- दुनिया का सबसे बड़ा जंगल ऐमेज़ॉन है।
- अगर दुनिया की सारी मधुमक्खियों को मार दिया जाए तो दुनिया खत्म हो जाएगी क्योंकि मधुमक्खियां अनाज को पैदा करने में सहायक होती है।
- पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश मोसिनराम मेघालय, भारत में होती है।
- दुनिया के 85% पौधे समुद्र के अंदर पाए जाते हैं।
- केंचुए प्रकृति द्वारा मनुष्य के लिए एक वरदान है क्योंकि यह हमारी भूमि को उपजाऊ बनाते हैं जिससे फसल अच्छी होती है।
- सूरजमुखी का पौधा हमेशा सूरज की दिशा की ओर ही झुका रहता है।
- Venus Flytrap एक मांसाहारी पौधा है अगर इसके ऊपर कोई भी कीड़ा या किट पतंगे बैठते हैं तो यह तुरंत उसको अंदर खींच लेता है और उसे भोजन के रूप में खाता है।
- प्रकृति द्वारा बनाया गया, सबसे कठोर और ठोस पदार्थ हीरा है।



आईलैंड, जिसका हर 6 महीने में बदल जाता है देश

दुनिया में ऐसी कई अनोखी चीज़ें हैं जो समझ से परे हैं. ये दुनिया ही अतरंगी चीज़ों से भरी पड़ी है. प्रकृति पर किसी का अधिकार नहीं होता, लेकिन इंसान इसे अपने मतलब के लिए अपने तरीक़ों से इस्तेमाल करता है. दुनियाभर में ऐसी कई 'जंग' हो चुकी हैं, जो अधिकार क्षेत्र को लेकर लड़ी गईं. दुनिया के हर एक देश का अपना एक अधिकार क्षेत्र होता है. बावजूद इसके कई देश ऐसे हैं जो 1 इंच ज़मीन के लिए भी युद्ध करने के लिए तैयार रहते हैं. जंग के विपरीत कई देशों ने 'समझौतों' के तहत अपनी सीमाएं तय की हैं. ऐसा ही एक समझौता सन 1659 में एक 'आईलैंड' को लेकर भी हुआ था, जिसे अब तक का सबसे 'भरोसेमंद समझौता' कहा जाता है.

दुनिया में ऐसे कई आईलैंड हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं. लेकिन फ्रांस और स्पेन के बीच एक ऐसा आईलैंड भी है, जो हर 6 महीने में अपना देश बदल लेता है. इस आइलैंड की ख़ासियत ये है कि इस पर 6 महीने फ्रांस और 6 महीने स्पेन का कब्ज़ा रहता है. इसका नाम फ़ीजैंट द्वीप है. इस अनोखे आईलैंड को फ्रेंच और स्पेनिश में फ़ैसेंस आईलैंड भी कहा जाता है. इसकी सबसे ख़ास बात ये है कि इसे लेकर 'फ्रांस और स्पेन' के बीच कोई झगड़ा नहीं है, बल्कि ये दोनों ही देश अपनी मर्जी से इसकी अदला-बदली करते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि ये अनोखी परंपरा आज से नहीं, बल्कि पिछले 364 सालों से चली आ रही है. फ्रांस और स्पेन के बीच इस आईलैंड के स्वामित्व को लेकर सन 1659 में एक 'समझौता' हुआ था. इस समझौते को 'पाइनीस संधि' के नाम से भी जाना जाता है. समझौते के तहत फ्रांस और स्पेन आपसे सहमति से फ़ीजैंट द्वीप की अदला-बदली करेंगे और इस पर 6 महीने फ्रांस और 6 महीने स्पेन का कब्ज़ा रहेगा. इस समझौता के बाद 200 मीटर लंबे और 40 मीटर चौड़े फ़ीजैंट द्वीप पर 1 अगस्त से लेकर 31 जनवरी तक फ्रांस का कब्ज़ा रहता है और 1 फ़रवरी से 31 जुलाई तक ये स्पेन के अधिकार में रहता है.

संक्षिप्त समाचार

12 के शेयर ने लगाई दौड़, कंपनी के FPO को मिला है तगड़ा रिस्पॉन्स



नई दिल्ली, एजेंसी। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) को तगड़ा रिस्पॉन्स मिलने के बाद कंपनी के शेयर पर निवेशक टूट पड़े हैं। सप्ताह के दूसरे दिन इस शेयर में 14 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई और भाव 14.75 रुपये पर पहुंच गया। एक दिन पहले यह शेयर 12.89 रुपये पर बंद हुआ था। वोडाफोन आइडिया के एफपीओ का अलॉटमेंट आज यानी 23 अप्रैल को होने की उम्मीद की जा रही है। अलॉटमेंट चेक करने के लिए लिंक पर विजिट करना होगा। यहां वोडाफोन आइडिया को सलेक्ट कर अपना पैन नंबर एंटर करने के बाद स्टेटस देख सकेंगे। अगर अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा तो 24 अप्रैल तक आपके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे। एफपीओ के अंतिम दिन सोमवार को इसे लगभग 7 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इसके पीछे संस्थागत निवेशकों से मिले समर्थन की अहम भूमिका रही है। वोडाफोन आइडिया को एफपीओ के तहत कुल 88,124 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं, लेकिन एफपीओ पेशकश के अनुरूप कंपनी 12,600 करोड़ रुपये ही अपने पास रखेगी। कंपनी ने एफपीओ खुलने के पहले 490 करोड़ शेयर बेचकर एंकर निवेशकों से 5,400 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें कि एफपीओ के तहत 10-11 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस में ऑफर की गई थी। यह शेयरों के मौजूदा बाजार भाव से कम है।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 195 करोड़ रुपये



नई दिल्ली, एजेंसी। जेएनके इंडिया आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। कंपनी के आईपीओ का साइज 649.47 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 0.76 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी का आईपीओ 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक खुला रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 26 अप्रैल को किया जाएगा। वहीं, बीएसई और एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 30 अप्रैल को की जाएगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 395 रुपये से 415 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 36 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 14,940 रुपये का दांव लगाना होगा। एंकर निवेशकों के लिए कंपनी का आईपीओ सोमवार को खुला था। इस दौरान कंपनी ने 194.84 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही थी। एंकर निवेशकों को कंपनी की तरफ से 415 रुपये प्रति शेयर के हिसाब 46,94,989 शेयर अलॉट किए गए हैं। टॉप शेयर ब्रोकर की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में जेएनके इंडिया आईपीओ 15 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। अगर यही ट्रेंड लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 430 रुपये पर डेब्यू कर सकती है।

मियां-बीवी ने नौकरी छोड़ शुरू किया बिजनेस, 4 साल में बने करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है ऐसे पति-पत्नी की जिन्होंने नौकरी छोड़कर अपना कारोबार करने का फैसला किया। बहुत कम समय में इन्होंने इस बिजनेस को बुलंदियों तक पहुंचा दिया। इनके नाम हैं आरती लक्ष्मण और सुमित रस्तोगी। दोनों एर्टीन्सी नाम के स्टार्टअप के संस्थापक हैं। यह एक फूड स्टार्टअप है जो दुनिया भर में ग्लूटेन और शुगर-फ्री मिठाई की सप्लाई करता है। आइए, यहां आरती और सुमति के सफर के बारे में जानते हैं। आरती लक्ष्मण और सुमित रस्तोगी दोनों के परिवारों में डायबिटीज की हिस्ट्री रही है। हालांकि, दोनों ही मिठाई खाने के बहुत शौकीन थे। जब उन्होंने पाया कि बाजार में शुगर फ्री मिठाइयों के विकल्प बहुत सीमित हैं तो खुद ही डायबेटिक-फ्रेंडली मिठाइयां बनाने का फैसला किया।



फरि हुई प्रयोग की शुरुआत

खाने में गहरी दिलचस्पी रखने वाली एचआर पेशेवर आरती ने शुगर-फ्री डेसर्ट के साथ प्रयोग शुरू किया। 2012 में उन्होंने एक काउंटरटॉप आइसक्रीम मशीन खरीदी। पहले से उपलब्ध रेसिपी के साथ आरती ने मिठाई बनाना शुरू कर दिया। 2015 तक आरती ने चीनी का उपयोग किए बिना अपनी खुद की रेसिपी विकसित कर ली। फिर उन्होंने केक और कुकीज में भी हाथ आजमाया।

नौकरी छोड़ने का फैसला

2019 में आजमाई और परखी हुई रेसिपी के साथ सुमित और आरती ने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला किया। सुमित ने इसके पहले तक नीलसन, सिनोवेट और कई अन्य जानी-मानी कंपनियों के साथ काम किया था। वहीं, आरती एक्सेंचर और सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विसेज के साथ जुड़ी हुई थीं। फिर बेंगलुरु की इस दंपति ने 25 लाख रुपये की अपनी बचत के साथ जनवरी 2020 में एर्टीन्सी की शुरुआत की।

शार्क टैंक इंडिया से मिली पहचान

फूड स्टार्टअप के संस्थापक शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में भी गए। इसने आर्टिन्सी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। केवल 24 घंटों में ऑर्डर में 700 फीसदी की भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले कई डायबिटिक रोगियों ने भी पूछताछ की। आर्टिसी ने तीन वर्षों में अपनी उत्पादन क्षमता को तीन गुना कर दिया है। 25 लाख रुपये की बचत के साथ शुरू हुई आर्टिसी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 4.4 करोड़ रुपये हो गया।

विनिर्माण क्षेत्र में 40 फीसदी तक पहुंच सकती है महिला प्रशिक्षुओं की भागीदारी, 70 प्रतिशत ग्रामीण



नई दिल्ली, एजेंसी। विनिर्माण क्षेत्र में महिला प्रशिक्षुओं की मांग में तेज वृद्धि हुई है। कारखाने अब लैंगिक समानता को अपना रहे हैं। इस साल के अंत तक उम्मीद है कि विनिर्माण क्षेत्र में महिला प्रशिक्षुओं की संख्या 40 फीसदी तक पहुंच सकती है। टीमलीज के अनुसार, 8 से 10 महीने में 10 वीं व 12वीं कक्षा पास करने वाली महिला प्रशिक्षु को नियुक्त करने की मांग में पांच गुना वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, महिला प्रशिक्षुओं की मांग में वृद्धि वाहन, ई-वाहन, इलेक्ट्रॉनिक तथा फोन विनिर्माण क्षेत्रों में तेजी के कारण आई है। इससे महिला प्रशिक्षुओं के प्रतिनिधित्व में अच्छी खासी वृद्धि का अनुमान है। विनिर्माण क्षेत्र में प्रशिक्षु के रूप में करीब 70 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हैं। यह कौशल विकास तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये इन क्षेत्रों में महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण अवसर का संकेत देता है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले हर महीने 1,000-2,000 महिला प्रशिक्षुओं की मांग थी।यह बढ़कर अब 10,000 से 12,000 प्रति महीने पहुंच गईहै।वहीं, इनकी भर्तियां भी 10-15 फीसदी से बढ़कर 40-45 फीसदी पहुंच गईहै।

सोने की ताबड़तोड़ खरीदारी कर रहा चीन ! भारत को छोड़ा पीछे



नई दिल्ली, एजेंसी। चीन जमकर सोने की खरीदारी में लगा हुआ है। गोल्ड खरीदने में चीन ने इस साल भारत को भी पीछे छोड़ दिया है। चीन इस समय सोना खरीदने वाले देशों में पहले नंबर पर है। बीते समय में भारत दुनिया का सबसे ज्यादा सोना खरीदने वाला देश बना हुआ था। हालांकि अब चीन इस मामले में भारत से आगे निकल गया है। भारत और चीन के बीच सबसे ज्यादा सोना खरीदने के मामले में मुकाबला चलता रहता है। पिछले वर्षों को देखें तो दुनिया में सबसे ज्यादा सोना या तो भारत खरीदता है या फिर चीन। चीन के सोना खरीदने के बीच गोल्ड की कीमतों में रेकॉर्ड तेजी बनी हुई है। इस साल सोने की कीमत 2,400 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंचकर वैश्विक बाजारों को आकर्षित कर रही है। चीन की ओर से सोने की खरीदारी को भी कीमतों में उछाल की एक वजह माना जा रहा है। चीन में आभूषण, बार और सिक्कों की खपत रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। चीन में गोल्ड की ज्वैलरी की डिमांड 10 फीसदी बढ़ी है, जबकि भारत में 6 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस बीच, चीनी बार और सिक्कों में निवेश 28 फीसदी तक बढ़ गया है। चीन में एक ओर सेंट्रल बैंक लगातार 17 महीने से गोल्ड खरीदते जा रहा है। वहीं दूसरी ओर लोगों ने चीनी नव वर्ष के मौके पर खूब सोना खरीदा है। जनवरी-मार्च के दौरान लोगों की सोने की खरीद पिछले साल से 34 फीसदी ज्यादा रही है।

छोटी सी दुकान से हुई एवरेस्ट मसालों की शुरुआत, आज टर्नओवर 2500 करोड़ रुपये से ज्याद

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं एनरेस्ट मसालों की शुरुआत कैसे हुई थी। कंपनी का फाउंडर कौन है। दरअसल एवरेस्ट मसालों को इस ऊंचाई तक पहुंचाने के पीछे वाडीलाल शाह की कड़ी मेहनत है। कंपनी का टर्नओवर आज करीब 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। एक छोटी सी दुकान से हुई एवरेस्ट मसालों की शुरुआत आज एक बड़ा ब्रांड बन चुकी है। आईए आपको बताते हैं एवरेस्ट मसालों की पूरी कहानी।

वाडीलाल शाह अपने पिता की मसालों की दुकान पर काम किया करते थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि महिलाएं मसाले खरीदते समय कोई विशेष कॉम्बिनेशन का ध्यान नहीं रखती हैं। यहीं से उन्हें आइडिया आया कि क्यों न एक कम्पलीट मसाला पैक तैयार किया जाए। इसी पर काम करते हुए वाडीलाल शाह ने एवरेस्ट मसाला का एक बड़ा ब्रांड बना दिया। कंपनी की शुरुआत साल 1967 में हुई थी। भारत के चर्चित एवरेस्ट मसाला ब्रांड के मालिक



वाडीलाल शाह थे। वह मूल रूप से गुजरात के जामनगर के रहने वाले थे। जामनगर में लोग उन्हें प्यार से वाडीकाका कहकर बुलाते थे।

भारत में कौन सा मसाला ब्रांड नंबर वन है : रिपोर्ट्स के मुताबिक, एवरेस्ट मसाला ब्रांड भारत में नंबर वन है। साल 1967 में इस कंपनी की शुरुआत हुई थी।

सब्जियों के व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाने के लिए एवरेस्ट मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी अलग-अलग सब्जियों और व्यंजनों के लिए कई तरह के मसाले बनाती है। एवरेस्ट मसालों के में बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान नजर आते हैं।

एलपीयू के छात्र को आईटी की दिग्गज कंपनी में 3 करोड़ रुपये का ऑफर

1100 से अधिक को 10 लाख और उससे ज्यादा का पैकेज

नई दिल्ली, एजेंसी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी अपनी प्लेसमेंट उपलब्धियों के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। इसके 2023 बैच ने अपने क्लास में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की, जिसमें कई छात्रों ने बेहतरीन वेतन पैकेज हासिल किए, विशेष रूप से 2018 क्लास के एलपीयू छात्र यासिर एम ने आईटी कंपनी में 3 करोड़ रुपये का पैकेज हासिल करके इतिहास रचा है। एक अन्य छात्र पवन कुंचला को भी आईटी कंपनी टीसी सेंट्रल से 1 करोड़ रुपये का पैकेज मिला है।

इसके अलावा, 2022-2023 बैच के 1100 से अधिक छात्रों को 10 लाख और उससे अधिक का पैकेज मिला है। एलपीयू के छात्रों का शानदार प्रदर्शन यह दिखाता है कि उन्होंने अपनी मेहनत से सीमित सीमाओं को पार किया है। बीटेक कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के छात्र यशस्वी यदुवंशी को हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 52.08 लाख रुपये के शानदार पैकेज के साथ चुना गया है। इसके अलावा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने 54.9 लाख रुपये की उच्चतम सीटीसी हासिल की। जबकि आर्किटेक्चर और एमबीए के छात्रों को क्रमशः 31.69



और 29.3 लाख रुपये तक का पैकेज मिला है। 2023-24 के इस बार के एलपीयू बैच ने प्लेसमेंट सीजन में जबरदस्त सफलता दर्ज की है, जिसमें टॉप 10 प्रतिशत छात्रों को 12.3 लाख रुपये का शानदार औसत पैकेज मिला है। ये संख्या कई टॉप आइआइटीएस के औसत से अधिक है और इससे टैलेंट डेवलपमेंट में अग्रणी संस्थान के रूप में एलपीयू की प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। इस तरह एलपीयू का शैक्षणिक माहौल और छात्रों के विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता छात्र को जॉब प्राप्त करने में मदद करती है। 2023-24 के इस बार के एलपीयू बैच ने प्लेसमेंट सीजन में जबरदस्त सफलता दर्ज की है, जिसमें टॉप 10 प्रतिशत छात्रों को 12.3 लाख रुपये का शानदार औसत पैकेज मिला है। ये संख्या कई टॉप आइआइटीएस के औसत से अधिक है और इससे टैलेंट डेवलपमेंट में अग्रणी संस्थान के रूप में एलपीयू की प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। इस तरह एलपीयू का शैक्षणिक माहौल और छात्रों के विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता छात्र को जॉब प्राप्त करने में मदद करती है। एलपीयू के चांसलर और संसद सदस्य (राज्यसभा) डॉ. अशोक मित्तल ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई दी है। वह अपने छात्रों के बीच इंटेलेक्चुअल और इंटरपर्सनल ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एलपीयू की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हैं। डॉ. मित्तल छात्रों के सपनों को साकार करने में मदद करने में एलपीयू के करियर सर्विसेज डिवीजन और मेंटर्स द्वारा निभाई गई अपरिहार्य भूमिका को स्वीकार करते हैं, जिससे छात्रों को शानदार पैकेज प्राप्त करने में मदद मिलती है। एलपीयू की प्रो चांसलर श्रीमती रश्मि मित्तल ने कहा कि एलपीयू के इंजीनियरिंग प्रोग्राम ने विश्वभर में ख्याति हासिल की है। इसने टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग 2023 में भारत में दूसरा स्थान और रियल इम्पैक्ट - 2023 के साथ विश्व के विश्वविद्यालयों में तीसरा स्थान हासिल किया है। ये प्रतिष्ठित सम्मान इस बात की मिसाल है कि यूनिवर्सिटी छात्रों को वास्तविक दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और जरूरी ट्रेनिंग देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एलपीयू में 2024 बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि जल्द ही नजदीक आ रही है। एलपीयू में प्रवेश अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। इस यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने के लिए छात्रों को इसकी प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी, साथ ही, एलपीयू 2024 और चुनिंदा प्रोग्राम में इंटरव्यू देना होगा। परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए, इच्छुक छात्र एलपीयू की पर वेबसाइट

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के मामले में अव्वल, यूपी और बिहार की यह सच्चाई आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के मामले में कर्नाटक और गुजरात सबसे अव्वल रहे हैं, यह दावा आईईईएफए व एम्बर की एक संयुक्त रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के बारे में कहा गया है कि उन्हें क्लीन एनर्जी अपनाना के मामले में अपनी कोशिशें बढ़ाने की जरूरत है।

शोध संगठन इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है,



जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है।

दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है।

भीषण गर्मी के मौसम में सौर ऊर्जा जैसी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा होती हैं। आईईईएफए के निदेशक (दक्षिण एशिया) और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक विभूति गर्ग ने कहा कि चक्रीय मौसमी परिस्थितियों के साथ ही तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत में हर साल अधिकतम बिजली की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़ने के लिए कदम उठा रही है, हालांकि राज्यों को भी ऐसा करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि अब राज्य स्तर पर कई मापदंडों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है। एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक आदित्य लोला ने कहा कि कुछ राज्यों ने विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नियोजन को बढ़ावा देने, कृषि जरूरतों के लिए सौर पंपों को बढ़ावा देने और अपनी बिजली प्रणालियों में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ने के लिए भंडारण समाधान बढ़ाने जैसे प्रगतिशील कदम उठाए हैं।

2024-25 में पांच साल के निचले स्तर पर आएगी खुदरा महंगाई, वित्त वर्ष में सामान्य रहेंगी सब्जियों के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर पांच साल के निचले स्तर पर आ सकती है। सब्जियों की आपूर्ति और कीमतों के सामान्य रहने से खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई 2024-25 में कम होकर 4.4 फीसदी पर आ सकती है। यह आरबीआई के 4.5 फीसदी के अनुमान से भी कम है। 2023-24 में सीपीआई महंगाई 5.4 फीसदी रही थी, जबकि 2019-20 में 4.8 फीसदी रही थी। सीएमआईई का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में आलू, प्याज व टमाटर जैसी प्रमुख सब्जियों की आपूर्ति सामान्य रहेगी।कीमतों में भी बड़े उतार-चढ़ाव के संकेत नहीं दिख रहे हैं। इससे खुदरा महंगाई



2024-25 में घटकर आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के और करीब पहुंच जाएगी। हालांकि, अन्य उत्पादों के दाम बढ़ने से मुख्य महंगाई (खाद्य उत्पाद व ईंधन-बिजली को छोड़कर) चालू वित्त वर्ष में बढ़ सकती है। अन्य उत्पादों में सोने और चांदी की कीमतें मार्च, 2024 से बढ़ रही हैं। अप्रैल, 2024 में इनके दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बीएसई पर सोने की हाजिर कीमत 73,092 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की 83,777 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। आगे भी कीमतें ऊंची बनी रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की भारतीय बास्केट में कीमतें 2024-25 में 4.1 फीसदी बढ़कर 85.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच सकती है। पहले कीमतों में एक फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था। जून, 2022 व मार्च, 2024 के बीच परिवहन ईंधन की कीमतें अपरिवर्तित रहीं, जिसके बाद उनमें और भी कमी की गई। 2022-23 में कच्चे तेल की कीमतों में 18.5 फीसदी की भारी वृद्धि हुई, जबकि 2023-24 में उनमें सिर्फ 11.7 फीसदी की गिरावट आई। चालू वित्त वर्ष में और वृद्धि के साथ तेल विपणन कंपनियां पिछले दो वर्षों में हुए घाटे की भरपाई सुनिश्चित करेंगी। इस प्रकार, जून तिमाही के बाद परिवहन ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं। 2024-25 में खाद्य पदार्थों व बेवरेजेज की महंगाई दर 4.1 फीसदी के दायरे में रहेगी। खाद्य कीमतों में वृद्धि सामान्य रहेगी। ईंधन और बिजली की महंगाई औसतन करीब 2.7 फीसदी रहने का अनुमान है।

यशस्वी के नाबाद शतक की बदौलत राजस्थान ने मुंबई को 9 विकेट से रौंदा



जयपुर, एजेंसी। सोमवार को राजस्थान रायल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आईपीएल में शानदार फॉर्म देखने को मिली। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सवाई मानसिंह स्टेडियम में शानदार नाबाद शतक उड़ाया। जयसवाल शतक के दम पर राजस्थान रायल्स ने अपनी शानदार फार्म की बदौलत मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से रौंद दिया।

180 रनों के लख्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम की बल्लेबाजी ने शानदार प्रदर्शन किया। यशस्वी जयस्वाल ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के रूप में केवल एक विकेट गंवाया। जोस बटलर मात्र 25 गेंद पर 35 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन ने शानदार पारी खेली। कप्तान संजू सैमसन ने जायसवाल के साथ मिलकर मैच फिनिश किया। संजू सैमसन ने 28 गेंद पर 38 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

यशस्वी जासवाल ने इस आईपीएल सीजन में पहला शतक बनाया। उन्होंने 60 गेंद पर नाबाद 104 रन की पारी खेली। जायसवाल ने अपनी पारी में 9 चौके और 7 छक्के लगाए। मैच के अंत में जायसवाल ने विजयी चौका लगाया। इससे पहले आईपीएल के 17वें सीजन में सोमवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। हार्दिक पांड्या ने पिछले मैच की प्लेइंग-11 में कुछ बदलाव किए। जबकि राजस्थान ने कुलदीप सेन की जगह संदीप शर्मा को प्लेइंग-11 में शामिल किया।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) 7 में से 6 मैच जीतकर 12 पॉइंट्स के साथ अंक तालिक में टॉप पर थी। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस (एमआई) 7 में से 3 मैच जीतकर 6 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर थी। हार्दिक पांड्या की टीम के पास इस मुकाबले को जीतकर अंक तालिका में लंबी छलांग लगाने का मौका था। इस सीजन आरआर का उनके होमग्राउंड पर रिकॉर्ड दमदार रहा है। ऐसे में मुंबई के लिए यह राह इतनी आसान नहीं रही। इस सीजन में दूसरी बार दोनों टीमें एक-दूसरे से भिड़ी। इससे पहले मुंबई में दोनों टीमों का सामना हुआ था, जहां जीत राजस्थान की हुई थी। हेड टू हेड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच आईपीएल में कुल 29 मैच खेले गए हैं। 15 में मुंबई और 13 में राजस्थान को जीत मिली है, एक मैच बेनतीजा रहा।

युजवेंद्र चहल ने रचा इतिहास

आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने



जयपुर। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के स्टार गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। चहल ने मोहम्मद नबी (23) का विकेट लेकर 200 विकेट की उपलब्धि हासिल की। चहल ने 2013 में अपना आईपीएल डेब्यू किया और अपने 153वें गेम में इस मुकाम पर पहुंचे। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले चहल इस आईपीएल सीजन-13 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं।केवल दो अन्य व्यक्ति पहले टी20 प्रतियोगिता में 200 विकेट तक पहुंचे हैं- डैनी ब्रिग्स (219) और समित पटेल (208) - दोनों इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट में।

संक्षिप्त समाचार

हार्दिक पंड्या पर एक बार फिर इरफान ने साधा निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में 22 अप्रैल को मुंबई इंडियंस को एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आठ मैचों में मुंबई इंडियंस की टीम महज तीन ही मैच जीत पाई और इन सबके बीच मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या लगातार आलोचकों के निशाने पर हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया और संदीप शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। इस मैच के बाद इरफान पठान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही हार्दिक पांड्या पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। इरफान पठान ने साथ ही कहा कि वह जिस तरह की फॉर्म में हैं, वह टीम इंडिया के लिए अच्छी बात नहीं है।

इरफान पठान ने यशस्वी जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा कि जब वह शुरुआती मैचों में ज्यादा रन नहीं भी बना रहे थे, तब भी 140 का स्ट्राइक रेट पर रन बना रहे थे। इसलिए ही उनकी इतनी तारीफ होती है। इरफान ने कहा कि हार्दिक पांड्या आईपीएल में फॉर्म में वापसी के लिए आसान तरीके ढूंढ रहे हैं और ऐसे में आपको अपने साथी खिलाड़ियों से रिस्पेक्ट नहीं मिलता है।

भारत के सबसे सफल खिलाड़ी सौरव ने पेशेवर सर्किट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बेहतरीन पुरुष स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने पेशेवर सर्किट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है, लेकिन वह अगले कुछ समय तक बहु-खेल स्पर्धाओं वाले आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। पेशेवर सर्किट में 22 साल तक



खेलने वाले घोषाल ने इंचियोन और हांगझू एशियाई खेलों की टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते हैं। सौरव घोषाल ने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिक्स्ड डबल्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। घोषाल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालकर संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैंने 22 साल पहले पीएसे विश्व टूर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। जब मैंने दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े मंचों पर खेलते हुए मैंने सोचा कि यह कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन हर चीज का अंत होता है। यह पोस्ट लिखते समय मैं भावनाओं से भरा हुआ हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है, इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीसीए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। कोलकाता में जन्में घोषणा दुनिया के शीर्ष-10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी और छह महीने तक उसे बनाए रखने में सफल रहे थे।



मिनर्वा एकेडमी ने पंजाब एफसी को हराया और ग्रुप चैंपियन बनकर उभरी

चंडीगढ़, एजेंसी। अंडर-15 आई-लीग के एक अहम मुकाबले में मिनर्वा एकेडमी ने जीत दर्ज की और पंजाब एफसी को 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस रोमांचक जीत के साथ ही टीम ने नॉक आउट चरण में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। मैच की शुरुआती हूटर के साथ मिनर्वा एकेडमी ने अपना दृढ़ संकल्प और कौशल दिखाते हुए 12वें मिनट में बाइटे के गोल की बदौलत बढ़त बना ली। पंजाब एफसी ने खतरनाक दिख रही मिनर्वा टीम के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए तीन त्वरित गोल करके उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया और 3-1 से आगे हो गई। मिनर्वा एकेडमी ने पीछे हटने से इनकार कर दिया, रोकश 29वें मिनट में ने नेट पर गोल करके हाफ टाइम तक स्कोर 2-3 कर दिया।

मिनर्वा एकेडमी ने लगातार आक्रमण किया और अंततः गिबाश के गोल की मदद से हाफ़ की शुरुआत में ही बराबरी कर ली। ये गोल 47वें मिनट में आया। इसके बाद दोनों टीमें गोल की कोशिश करती रही, लेकिन 90 मिनट तक दोनों को कामयाबी नहीं मिली। 90+4 मिनट में तुबोई ने गोल किया और 4-3 की जीत के साथ अंडर-15 आई-लीग के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी में से एक को पूरा किया।इस जीत के साथ मिनर्वा एकेडमी ने अभी तक खेले गए सभी छह मैचों में अजेय रहते हुए ग्रुप चरण को शीर्ष पर समाप्त किया। पांच जीत, 20 गोल करने और केवल चार गोल खाने का उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड उनकी ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। सिटी टीम 16 अंकों के साथ नॉकआउट चरण में पहुंच गई। इस शानदार जीत में मिनर्वा एकेडमी ने कभी न हार मानने वाला रवैया दिखाते हुए लड़ने की भावना को प्रदर्शित किया। इससे प्रशंसक अपनी सीटों से खड़े हो गए।

कोहली के पास 40 गेंदों में शतक बनाने की क्षमता

टी20 विश्व कप में ओपनिंग करें: गांगुली



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को यहां कहा कि दिग्गज विराट कोहली के पास ट्रेविस हेड की तरह 40 गेंदों में 100 रन बनाने की क्षमता हैं और वेस्टइंडीज तथा अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में उन्हें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करना चाहिए। कोहली ने हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए, लेकिन उन्हें अपने स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा था। गांगुली ने कहा, 'विराट कोहली में 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमता है। जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा था कि भारत के पास जैसी क्षमता है उसके मुताबिक उन्हें बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगाने की जरूरत है। फिर देखना चाहिये कि पांच -छह ओवर के बाद क्या होगा।

गांगुली चाहते कि चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सर्वोत्तम हित में निर्णय लें। वह हालांकि आदर्श रूप से कोहली-रोहित को पारी का आगाज करते देखना चाहते है।

यह सिर्फ मेरी निजी राय

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकर्ताओं को ऐसा करना चाहिए, क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है। इंग्लैंड के खिलाफ शानदार घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद क्या यशस्वी जयसवाल के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टी20 विश्व कप में चयन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यशस्वी का दावा कमजोर हुआ है। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं। गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के सिर्फ एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। उन्होंने ने कहा, 'आपको हर प्रदर्शन को देखना होगा। एक अच्छी टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन होता है । भारत के पास कमाल के अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे समय के साथ बेहतर हुए है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए रिटायरमेंट वापस नहीं लेंगे नरेन

नईदिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज खिलाड़ी सुनील नरेन टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपना रिटायरमेंट वापस नहीं लेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। उनका कहना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के दरवाजे अब उनके लिए बंद हो गए है। वह आईसीसी वर्ल्ड कप में उन खिलाड़ियों का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं। सुनील नरेन ने 2023 नवंबर में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।



नरेन आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स से खेल रहे हैं। इस सीजन उन्होंने ढ्ढक्र में कोलकाता के लिए ओपनिंग करते हुए 7 मैचों में 176.54 की स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक भी शामिल है। वहीं उन्होंने 7 मैचों में 7.11 की इकोनॉमी रेट से 9 विकेट लिए हैं।नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे आशा है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरी रिटायरमेंट से बाहर आने और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।

रेसलर रिंकू सिंह ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा



नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी विशिष्ट वेशभूषा और रिंग में दमदार उपस्थिति से अर्न्तराष्ट्रीय फलक भारत का झंडा बुलंद करने वाले रिंकू सिंह राजपूत ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को गुड बॉय कह दिया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में बड़े-बड़े विदेशी रेसलरों के छक्के छुड़ाने वाले जिले के गोपीगंज क्षेत्र के होलपुर निवासी रिंकू सिंह राजपूत वीर महान का जलवा अब नहीं दिखेगा। अपनी विशिष्ट वेशभूषा और रिंग में दमदार उपस्थिति से अर्न्तराष्ट्रीय फलक भारत का झंडा बुलंद करने वाले रिंकू सिंह राजपूत ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को गुड बॉय कह दिया है। शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। हालांकि, इसके पीछे के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। माथे पर त्रिपुंड, गले में रूद्राक्ष की माला और विशिष्ट भारतीय वेशभूषा और लंबे-चौड़े डीलडौल शरीर वाले वीर महान जब डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते थे तो विदेशी रेसलरों के पसीने छुट जाते थे। भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र के एक छोटे से गांव होलपुर से निकलकर अंतराष्ट्रीय फलक पर छाने वाले रिंकू सिंह राजपूत के पिता ट्रक ड्राईवर थे। शुरू से ही जिद्दी और लक्ष्य के प्रति अडिग रहने वाले रिंकू ने पहले जैवेलिन थ्रोअर के रूप में शुरूआत की।

रिंकू ने ट्वीट कर दी जानकारी

बाद में उन्होंने बेसबॉल में नाम कमाया और फिर डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में उतरते ही देश-दुनिया में छा गए। रिंग में इन्हें वीर महान के नाम से जाना जाता था। अपने पिता के बेहद करीब रिंकू सिंह राजपूत बीते साल अप्रैल माह में भदोही जिले में आए थे। उन्होंने लिखा...बात जब भारतवासियों के मान-सम्मान पे आ जाए तो त्याग सबसे पहले। गुड बॉय डब्ल्यूडब्ल्यूई...। रिंक सिंह राजपूत को के इस फैसले को लेकर जब उनके परिवार से बात करने का प्रयास किया जाए तो परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उनके छोटे भाई राजन सिंह ने कि ये उनका फैसला है। इसके बारे में वहीं बता सकते हैं।

पिता को प्रतिदिन फोन पर देते हैं समय

रिंकू सिंह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम व भगवान शिव के भक्त और मां भगवती के उपासक हैं। रिंकू सिंह के बड़े भाई राजन सिंह बताते हैं कि वे मां के काफी करीब रहे हैं। अब भी सात समुंदर पार होने और इतना व्यस्त होने के बावजूद प्रतिदिन बाबूजी (पिता) को सुबह या शाम में जरूर समय देते हैं। फोन पर व्हाट्सएप कॉलिंग से ही बात होती है। बताते हैं कि बीते वर्ष सर्दी के मौसम में घर आए थे। राजन सिंह बताते हैं कि रिंकू जहां रहते हैं अपनी पूजन की सामग्री साथ रखते हैं। प्रतिदिन समय के अनुसार पूजा करना, चंदन लगाना उनकी दिनचर्या है। भक्ति की वजह से ही उन्होंने अपनी भुजा पर राम और सीने पर मां लिखवाया है। वह शुद्ध शाकाहारी हैं।



जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने की सोच से मुक्त हो रही हूंः लारा दत्ता

एक्ट्रेस और मिस यूनिवर्स रह चुकीं लारा दत्ता अपनी अपकमिंग वेब सीरीज रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ-साथ वह ग्लैमरस की सोच से भी मुक्त हो रही हैं। ग्लैमरस दिखने के बजाय, उनका लक्ष्य उन किरदारों पर फोकस करना है जो ऑडियंस के दिलों में जगह बनाते हैं एक्ट्रेस ने साइकोलॉजिकल क्राइम थीम पर काम करने की इछा जाहिर करते हुए कहा कि वह बिना किसी हिचकिचाहट के नेगेटिव कैरेक्टर को आसानी से निभा सकती हैं। लारा ने कहा, जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने या सिर्फ एक बड़े खिताब को पाने के रूप में देखे जाने के सोच से मुक्त हो रही हूं। इसके बजाय, मैं उस तरह के काम पर ध्यान दे रही हूं, जो मैं कुछ समय से करना चाहती हूं। आजकल महिलाएं फिल्में बनाने से लेकर स्क्रिप्ट लिखने तक हर तरह के कामों में आगे बढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उस इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हूं जो बेहतरी के लिए बदल रहा है। मेरी दिलचस्पी साइकोलॉजिकल क्राइम थीम में है, भले ही इसका मतलब नेगेटिव किरदार निभाना क्यों न हो। यह मेरे लिए डायरेक्शन का अनोखा अंदाज है और मैं स्क्रीन पर डार्क रोल निभाना पसंद करूंगी। रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड 25 अप्रैल से जियो सिनेमा पर उपलब्ध होगी।

रवि किशन, तन्वी आजमी के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेने जैसाः नायला ग्रेवाल

स्ट्रीमिंग सीरीज मामला लीगल है में अपने काम के लिए काफी पॉजिटिव फीडबैक पाने वाली एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल ने कहा कि रवि किशन, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला जैसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में शामिल होने जाने जैसा महसूस हुआ। रवि किशन, तन्वी आजमी, यशपाल शर्मा, विवेक मुशरान और बृजेंद्र काला जैसे अनुभवी अभिनेताओं से घिरी नायला ने खुद को टैलेंट और ज्ञान की दुनिया में पाया। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें को-एक्टर्स के साथ हर बातचीत में कुछ नया सीखने को मिला। उनके टैलेंट को निखारा और इंडस्ट्री में उनके एक्सपीरियंस को बेहतर बनाया। नायला ने कहा, मामला लीगल है पर काम करना मेरे लिए शानदार एक्सपीरियंस रहा। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना एक्टिंग इंस्टीट्यूट में जाने जैसा था। मैंने हर एक से बहुत कुछ सीखा है, और उनके मार्गदर्शन का मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा है। सीरीज में नायला एक वकील की भूमिका में हैं। नायला ने कहा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों का हिस्सा बनकर मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं। उन्होंने कहा, मामला लीगल है में एक वकील की भूमिका निभाने से मुझे अपने अंदर छिपे नए पहलुओं को जानने का मौका मिला और मैं इस तरह की सीरीज में काम पाने का मौका पाकर आभारी हूं।



प्रिंट साड़ी के बिके 50 हजार यूनिट!

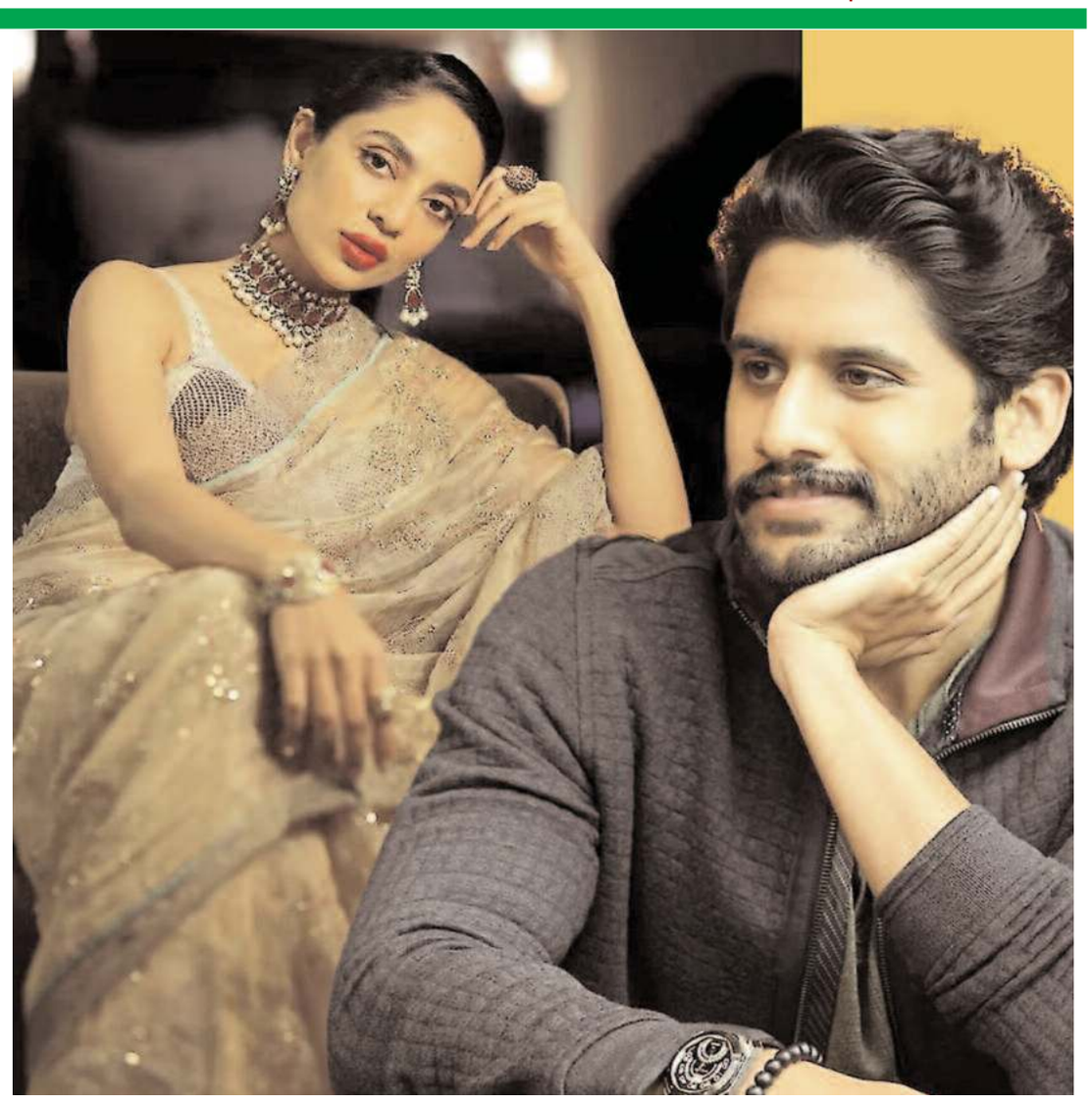
रश्मिका मंदना की साड़ी बनी फैशन ट्रेंड!



फिल्मों और फैशन की शानदार दुनियां में, कुछ ऐसे लोग हैं जो एक साधारण ऑउटफिट को शानदार और स्टाइलिस्ट बनाने की क्षमता रखते हैं। रश्मिका मंदाना एक सची ट्रेंडसेटर जिनकी हर एक साड़ी लुक से फैन्स इन्फ्लुएंस हो जाते है जो फैशन के प्रति उत्साही और प्रशंसकों के बीच एक उत्साह को जगाती है।

पुष्पा से लेकर एनिमल में अपनी साड़ी से रश्मिका ने चलाता जादू

पुष्पा में श्रीवल्ली के रूप में उनकी आकर्षक स्क्रीन उपस्थिति स, जहां उनका पारंपरिक पहनावा तुरंत सनसनी बन गया, से लेकर एनिमल में एक मंत्रमुग्ध करने वाली साड़ी में सजी उनकी हालिया उपस्थिति तक, रश्मिका का साड़ी फैशन पर प्रभाव शानदार है। उनकी शालीनता, शिष्टता और सहज आकर्षण कालातीत कपड़ों में नई जान फूंकते हैं, इसे उच फैशन के दायरे में ले जाते हैं।रश्मिका के पहनावे का प्रभाव बहुत गहरा है, यह इस बात से स्पष्ट है कि देश भर की साड़ी की दुकानें अपने पुतलों पर उनके प्रतिष्ठित लुक की प्रतिकृतियां प्रदर्शित करती हैं। चाहे वह पारंपरिक रेशमी साड़ी की अलौकिक सुंदरता हो या आधुनिक ड्रेप की समकालीन ठाठ, रश्मिका हर स्टाइल को सहजता से निभाती हैं। उनके अद्वितीय प्रभाव का एक उदाहरण एक लोकप्रिय साड़ी ब्रांड की चौंका देने वाली सफलता है, जिसने 'एनिमल' में दिखाई गई साड़ी की 50,000 यूनिट बेचीं। इसके किनारों पर जटिल हाथी डिजाइनों से सजी इस विशेष पोशाक ने दुनिया भर में लाखों लोगों के दिलों को मोह लिया। एक सोर्स ने बताया, एनिमल की रश्मिका की साड़ी को प्रशंसकों ने इतना पसंद किया कि हमें हर हफ़्ते अपने स्टोर में साड़ियों को फिर से स्टॉक करने के लिए काम करना पड़ा! हर दिन हमारे पास ग्राहक आते थे और पूछते थे, रश्मिका की एनिमल की साड़ी! हमने हाथी प्रिंट की लगभग 50,000 साड़ियाँ बेचीं हैं! रश्मिका का स्टाइल आइकन बनने का सफ़र उनकी स्थायी अपील और कालातीत शान को दर्शाता है। हर बार अपनी उपस्थिति के साथ, वह न केवल ट्रेंड सेट करती हैं, बल्कि साड़ी फैशन की सीमाओं को भी फिर से परिभाषित करती हैं, अपने प्रशंसकों और फैशन के प्रति उत्साही लोगों पर एक अलग छाप छोड़ती हैं। जहां प्रशंसक उनकी आने वाली फ़िल्मों जैसे पुष्पा 2 : द रूल, द गर्लफ्रेंड, छावा, रेनबो, धनुष के साथ कुबेर, एनिमल पार्क और डी-51 का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं रश्मिका का सितारा लगातार चमक रहा है, जिससे मनोरंजन उद्योग में सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक के रूप में उनकी स्थिति मज़बूत हो रही है।



फिर शुरू हुई नागा और शोभिता के बीच अफेयर की चर्चा यूजर्स ने पुराने तरीके से लगाया पता!

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की नई इंस्टाग्राम पोस्ट ने फिर से खलबली मचा दी है। दोनों की पोस्ट में समानता देखकर सोशल मीडिया यूजर्स इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। फिल्म जगत में काफी दिनों से नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला का नाम एक साथ लिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन दोनों के बीच कुछ-कुछ होने की अफवाहों को एक बार फिर से हवा मिल गई है। इस कथित अफेयर को सच बताने के लिए सोशल मीडिया यूजर्स ने इस बार भी उसी तरकीब का इस्तेमाल किया है, जिसे कुछ महीनों पहले इस्तेमाल किया था। आइए जानते हैं कि क्या है दोनों से जुड़ा ताजा मामला और क्यों अफवाहों का बाजार एक बार फिर से गर्म है।

सोशल मीडिया यूजर्स ने ऐसे लगाया पता!

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की नई इंस्टाग्राम पोस्ट ने फिर से खलबली मचा दी है। दोनों की पोस्ट में समानता देखकर, सोशल मीडिया यूजर्स इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि दोनों के बीच कुछ पक रहा है। दरअसल, शोभिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जीप सफारी की एक तस्वीर अपलोड की है। वहीं, नागा चैतन्य ने भी अपने हैंडल पर घूमने के दौरान की एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सूर्यास्त का आनंद लेते दिख रहे हैं। यह तस्वीर भी किसी जंगल के इलाके की दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि यह दोनों तस्वीरें एक ही जगह की है।

पहले भी अपनाया था यही तरीका

सोशल मीडिया यूजर्स पहले भी शोभिता और नागा की पोस्ट में समानता देख चुके हैं। दरअसल, शोभिता धुलिपाला ने पिछले साल अमेरिकी अभिनेता मैथ्यू मैक्कनौगी की किताब की फोटो साझा की थी। उस फोटो को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स को नागा की एक इंस्टाग्राम पोस्ट याद आ गई थी। नागा चैतन्य भी उसी किताब की तस्वीर को पहले अपलोड कर चुके थे। उस वक्त भी दोनों के बीच अफेयर होने की जमकर चर्चा हुई थी।

सामंथा रुथ प्रभु से लिया था तलाक

नागा चैतन्य ने 7 अक्तूबर, 2017 को सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी। साल 2009 में फिल्म 'ये माया चेस्वे' के सेट पर दोनों की पहली मुलाकात हुई थी। शादी के चार साल बाद दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था। लोग इन दोनों की जोड़ी पर खूब प्यार बरसाते थे।

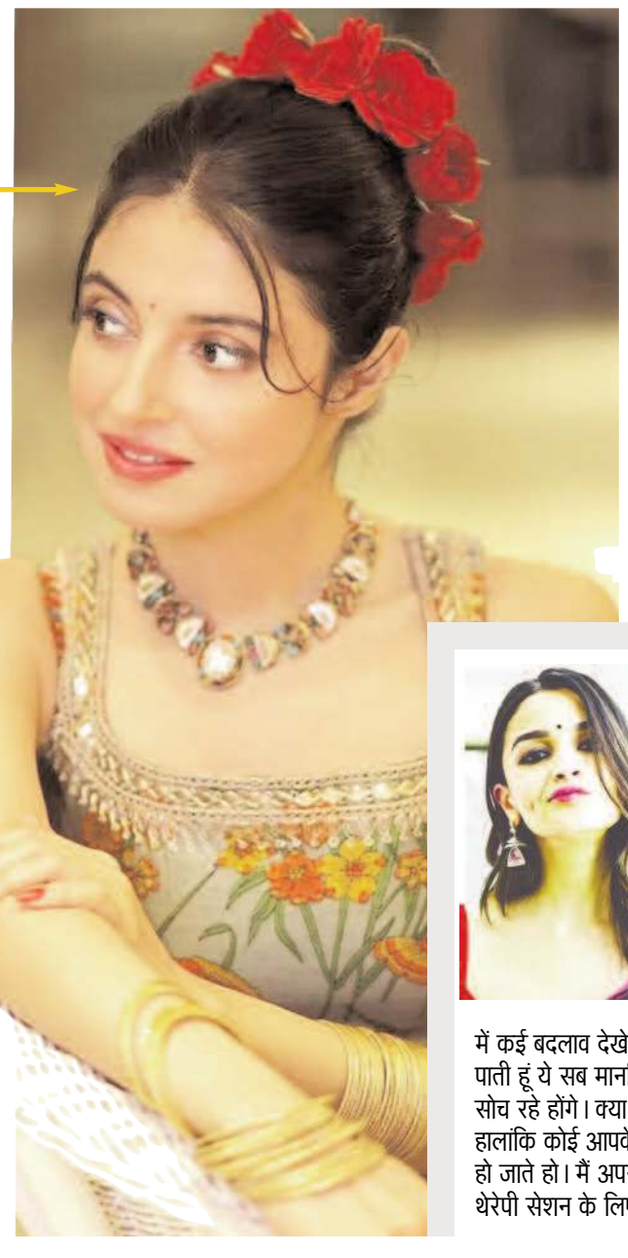
मैं मुंबई छोड़ने ही वाली थी:आर्ची सचदेवा

एक्ट्रेस आर्ची सचदेवा टीवी शो मीठा खट्टा प्यार हमारा में सांची का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह किरदार निभाना उनकी किस्मत में था। एक्ट्रेस मुंबई छोड़ने वाली थी, जब उन्हें सांची का रोल ऑफर हुआ। आर्ची ने बताया-मैं मीठा खट्टा प्यार हमारा का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हूं। जब मैं जनवरी में मुंबई पहुंची, तो मैंने सांची के किरदार के लिए नहीं, बल्कि किसी दूसरे रोल के लिए ऑडिशन दिया। कई ऑडिशन के बावजूद, चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं और मैंने मुंबई छोड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, किस्मत मेरे साथ थी, और मुझे सांची के रोल के लिए चुना गया था, और शायद यह किरदार निभाना मेरी किस्मत में था। सांची मॉडर्न और स्मार्ट लड़की है, वह वही हासिल करना चाहती है जिस पर उसने अपना दिल और नजरें जमा रखी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा में प्रेरणा सिंह और अविनाश मिश्रा भी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा का प्रीमियर 24 अप्रैल को स्टार प्लस पर होगा।



हैदराबाद में 35 जगहों पर होगी दिव्या खोसला स्टारर फिल्म हीरो हीरोइन की शूटिंग

एक्ट्रेस दिव्या खोसला अपकमिंग फिल्म हीरो हीरोइन के जरिए तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में 35 लोकेशन पर की जाएगी। इन लोकेशन्स में आउटडोर-इनडोर सेटिंग्स के साथ-साथ असली लोकेशन भी शामिल हैं। सुरेश कृष्णा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक्टर परेश रावल भी निर्देशक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा, हीरो हीरोइन के साथ, हमारा मकसद सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना और नयापन लाना है। सुरेश कृष्णा और मैंने कई घंटों तक विचार-मंथन किए, और यह सुनिश्चित किया कि हर सांस्कृतिक बारीकियों को सही ढंग से चित्रित किया जाए। उन्होंने कहा, फिल्म में डांस सीक्वेंस एक ग्लैमरस प्रोजेक्ट होगा, जो हैदराबाद की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। हीरो हीरोइन की शूटिंग 10 जून से शुरू होने वाली है।



हर सप्ताह लेती हूँ थेरेपी क्लास : आलिया भट्ट

वर्ष 2022 में आलिया भट्ट ने रणबीर कपूर के साथ विवाह किया था। उसी साल नवंबर में आलिया ने बेटी राहा कपूर को जन्म दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में आलिया ने मदरहुड जर्नी से लेकर मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। आलिया ने इंटरव्यू में कहा कि मैं कई सालों से हर हफ्ते थेरेपी क्लास ले रही हूं, जिसके बाद मैंने खुद में कई बदलाव देखे हैं। मैं किस तरह प्रोफेशनल और मदर ड्यूटी को एक साथ मैनेज कर पाती हूं ये सब मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। मुझे हमेशा लगता है कि लोग क्या सोच रहे होंगे। क्या वो ये सोच रहे होंगे कि मैं सब कुछ अछी तरह से मैनेज कर पाती हूं। हालांकि कोई आपके बारे में नहीं सोचता, फिर भी आप खुद को लेकर कई बार क्रिटिकल हो जाते हो। मैं अपनी मेंटल हेल्थ पर काम करती हूं। आलिया ने आगे कहा कि मैं हर हफ्ते थेरेपी सेशन के लिए जाती हूं। जहां मैं अपने डर के बारे में बोलती हूं।